हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com भोपाल, रविवार 24 दिसंबर 2023

उज्जैन 8, गुना 6, भोपाल-धार में 5 डिग्री तक चढ़ा पारा

भोपाल के लिंक रोड नं-3 पर धूप की बिखरी छटा

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

'गूंगा पहलवान' वीरेंद्र सिंह अब लौटाएंगे पद्मश्री अवॉर्ड

नई दिल्ली। साक्षी मलिक के समर्थन में भारतीय पहलवान वीरेंद्र सिंह ने अपना पद्मश्री पुरस्कार लौटाने का फैसला किया है। वीरेंद्र सिंह ने एक्स हैंडल पर इस बात की घोषणा की।

उन्होंने एक पोस्ट के जरिए कहा कि वह अपनी बहन और देश की बेटी के सम्मान के लिए पद्मश्री लौटा देंगे। साथ ही शीर्ष खिलाड़ियों के भी अपील की कि वह भी अपना निर्णय लें।

24 घंटे में कोविड-19 के 752 नए केस, 4 की मौत

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 752 नए केस मिले हैं और 4 लोगों की मौत हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार शनिवार को कोविड के

एक्टिव मामलों की संख्या 3,420 पर पहुंच गई है। मंत्रालय ने कहा कि केरल में कोविड से दो मौतें और कर्नाटक और राजस्थान में एक-एक मौत दर्ज की गई।

पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की जयंती 25 दिसंबर को इंदौर में होगा बड़ा कार्यक्रम

तीस साल बाद 'हुकुमचंद मिल' के मजदूरों को मिलेगा हक, पीएम करेंगे वर्चुअल संवाद

4,800 मजदूरों व उनके परिजनों को करीब 464 करोड़ रुपए से अधिक की राशि एक भव्य कार्यक्रम में दी जाएगी

सीएम यादव ने कहा कि कलेक्टर यह सुनिश्चित करें की राशि सीधे मजदूरों को मिले। कोई भी बीच में न आए। इसके लिए आवश्यक हो तो मजदूर संघों से बातचीत की जाए

हरिभूमि न्यूज ⏩भोपाल

हुकुमचंद मिल इंदौर के मिल मजदूरों को करीब 30 साल की लंबी लड़ाई के बाद अब जाकर उनका जायज हक मिलने जा रहा है। 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस के मौके पर ऐसे कुल 4,800 मजदूरों व उनके परिजनों को करीब 464 करोड़ रुपए से अधिक की राशि एक भव्य कार्यक्रम में दी जाएगी।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिल मजदूरों से वर्चुअल संवाद भी करेंगे। इसकी अच्छी खासी तैयारियां की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को मंत्रालय में इस कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इससे उन परिवारों के लगभग 25 हजार सदस्य लाभान्वित होंगे। इंदौर के नंदा नगर क्षेत्र स्थित कनकेश्वरी धाम में 25 दिसंबर को सुबह 11 बजे से कार्यक्रम शुरू होगा। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य ⏩शेष पेज 4 पर

इंदौर के नंदा नगर क्षेत्र स्थित कनकेश्वरी धाम में 25 दिसंबर को सुबह 11 बजे से कार्यक्रम शुरू होगा।

सीएम ने कहा कि अन्य मिलों की भी देनदारियों का निराकरण कर श्रमिकों को राहत दी जाए

प्रदेश में कुल 11 मिलों के प्रकरण न्यायालय में लंबित

हितलाभ की राशि के लिए परेशान न हों मजदूर

डॉ. यादव ने इंदौर जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि मजदूरों को मिलने वाले हितलाभ की राशि के लिए परेशान न होना पड़े। कलेक्टर यह सुनिश्चित करें की राशि सीधे मजदूरों को मिले। इसके लिए आवश्यक हो तो मजदूर संघों से बातचीत की जाए। मजदूरों को मिलने वाली हितलाभ की पूरी राशि मजदूरों तक पहुंचे। कोई भी बीच में न आए, मजदूरों के हित सुनिश्चित करने के लिए तत्काल बैठक बुलाकर आवश्यक कार्रवाई की जाए और राशि वितरण की सुगम व्यवस्था पर निगरानी रखी जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन अन्य मिलों की देनदारियां बाकी हैं उन मिलों के प्रकरणों का निराकरण भी हुकुमचंद मिल के मॉडल के आधार पर कर मजदूरों को राहत दी जाए। बैठक में बताया गया कि कुल 11 मिलों के प्रकरण न्यायालय में लंबित हैं।

मुख्यमंत्री फिर दिल्ली पहुंचे, नड्डा-शाह से मुलाकात

मंत्रिमंडल के विस्तार व मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले नेताओं के नाम पर अभी भी पूरी तरह से सहमति नहीं बन पाई है। संभवतः इसी वजह से मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में बैठक के बाद सीधे उज्जैन पहुंचे। वहां उन्होंने कई कार्यक्रमों में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों आदि को लेकर संभागीय समीक्षा की। इसके तत्काल बाद वे देर शाम इंदौर होते हुए नई दिल्ली पहुंचे। डॉ. यादव मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले नेताओं को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ फिर बैठक करेंगे।

30 वर्षों से लंबित प्रकरण के समझौता प्रस्ताव को मिली स्वीकृति

हुकुमचंद मिल 70 वर्ष सफलतापूर्वक चलने के बाद 1992 में बंद हो गई थी। मिल मजदूर और बैंकों की देनदारियां 30 वर्षों तक न्यायालय एवं अन्य प्रक्रिया में लंबित रहीं। राज्य शासन ने पहली बार 2022 में पहल की और गृह निर्माण मंडल को समझौता कर राशि भुगतान का उत्तरदायित्व दिया गया। एक वर्ष के अंदर सभी दावेदारों के साथ समझौता सुनिश्चित कराया गया और श्रमिक यूनियन के साथ भी सहमति सहित समझौता हुआ। उच्च न्यायालय ने समझौता प्रस्ताव को सहमति दी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसी 19 दिसंबर को स्वीकृति प्रदान की। 20 दिसंबर को उच्च न्यायालय में राशि जमा कर दी गई।

शाजापुर के 'रात-दिन' सबसे सर्द रहे, अब रात का पारा चढ़ा

शाजापुर 5.8, छतरपुर के बिजावर में 6.6, नौगांव 7 डिग्री पर रहा रात का पारा

हरिभूमि न्यूज ⏩भोपाल

प्रदेश में शनिवार को कड़ाके की ठंड से मामूली राहत मिली। दिन का तापमान तेजी से चढ़ा। प्रदेश में सबसे अधिक दिन का पारा उज्जैन में 8.1 डिग्री बढ़कर 28.5 डिग्री रहा। वहीं, धार और भोपाल में पांच 5 डिग्री की बढ़त के साथ तापमान 26 और 29 डिग्री रहा। पश्चिमी विक्षोभ के असर और हवाओं का रुख बदलने से प्रदेश में रात के तापमान में बढ़त हुई है। कुछ शहरों को छोड़ प्रदेश के ज्यादातर शहरों में न्यूनतम पारा 10 डिग्री या इससे ऊपर पहुंच गया है। प्रदेश में शुक्रवार- शनिवार रात शाजापुर 5.8 डिग्री पर रहा। यह प्रदेश में सबसे कम रात का पारा है। शाजापुर ⏩शेष पेज 4 पर

पुरानी रंजिश पर जानलेवा हमला

आग ताप रहे परिवार पर गोली बरसाई 2 की मौत, 16 लोगों पर 'आर्म्स एक्ट'

हरिभूमि न्यूज ⏩बीना

- 4 महिला सहित 5 आरोपी गिरफ्तार

आगासौद थाना अंतर्गत ग्राम शेखपुर में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें गोली लगने से 2 लोगों की मौत हो गई है, वहीं 5 घायल हुए है। गंभीर रूप से घायल 2 सगे भाइयों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज सागर रेफर किया गया है। पुलिस ने 16 आरोपियों के खिलाफ धारा 302, 307,147,148,149 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं 4 महिला सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस ने गार्ड की तैनाती की गई है। जानकारी अनुसार शुक्रवार की रात मलखान सिंह यादव अपने परिवार के साथ आग से ताप रहे थे। तभी रात करीब पौने 9 बजे एक दर्जन से अधिक लोग ⏩शेष पेज 4 पर

तानसेन समारोह पर विशेष

सर्वधर्म समभाव और इससे जुड़ी अक्षुण्ण परंपराओं से सजा एक समारोह

जावेद खान ⏭ ग्वालियर

आज से समारोह का होगा आगाज

भारतीय शास्त्रीय संगीत की अनादि परंपरा के श्रेष्ठ कला मनीषी तानसेन को श्रद्धांजलि व स्वरांजलि देने के लिए ग्वालियर में मनाए जाने वाले तानसेन समारोह ने 99 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है। इस समारोह की सबसे बड़ी खूबी सर्वधर्म समभाव और इससे जुड़ी अक्षुण्ण परंपराएं हैं। भारतीय संस्कृति में गंगा-जमुनी तहजीब के सजीव दर्शन तानसेन समारोह में होते हैं। मुस्लिम समुदाय से बावस्ता देश के ख्यातिनाम संगीत साधक जब इस समारोह में भगवान कृष्ण व राम तथा नृत्य के देवता भगवान शिव की वंदना राग-रागनियों में सजाकर प्रस्तुत करते हैं तो साम्प्रदायिक सदभाव की सरिता बह उठती है।

यहां एक जादू सा होता है...

वर्ष 1989 में तानसेन समारोह में शिरकत करने आए भारत रत्न पंडित रविशंकर ने कहा था 'यहां एक जादू सा होता है, जिसमें प्रस्तुति देते समय एक सुखद रोमांच की अनुभूति होती है'। एक बार मशहूर पखावज वादक पागलदास भी तानसेन के उर्स के मौके पर श्रद्धांजलि देने आए, लेकिन रेडियो के ग्रेडेड आर्टिस्ट नहीं होने के कारण समारोह में भाग नहीं ले सके। उन्होंने तानसेन की मजार पर ही बैठकर पखावज का ऐसा अद्भुत वादन किया कि संगीत रसिक मुख्य समारोह से उठकर उनके समक्ष जा कर बैठ गए।

बढ़ाई पुरस्कार की राशि: इस महान संगीतकार की स्मृति में सन 1924 से प्रतिवर्ष ग्वालियर में मूर्धन्य संगीतज्ञों का कुंभ लगता है। संगीत शिरोमणि तानसेन की स्मृति को चिरस्थाई बनाने के लिए मप्र शासन द्वारा सन 1980 में राष्ट्रीय तानसेन सम्मान की स्थापना की गई। वर्ष 1985 तक इस सम्मान की राशि पांच हजार रुपए थी। वर्ष 1986 में इसे बढ़ाकर पचास हजार रुपए कर दिया गया और बाद में पुरस्कार के रूप में एक लाख रुपए फिर दो लाख रूपए व प्रशस्ति पट्टिका भेंट की जाती रही। प्रदेश सरकार द्वारा अब पुरस्कार राशि बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दी गई।

कल मुख्यमंत्री यादव तानसेन अलंकरण से धारवाड़ गायन विद्या के पंडित गणपति भट्ट को करेंगे सम्मानित

देश और मध्य प्रदेश का ख्याति प्राप्त शास्त्रीय संगीत का सबसे प्रतिष्ठित अखिल भारतीय तानसेन समारोह 2023 का आगाज ग्वालियर में रविवार से होने जा रहा है, जो काफी खास होगा। उसकी वजह यह है कि ग्वालियर को यूनेस्को ने सिटी ऑफ म्यूजिक का तमगा दिया है और इसी थीम पर आयोजन भव्य बनाने के लिए जिला प्रशासन और संस्कृति विभाग ने तैयारी लगभग पूरी कर ली है। वहीं 25 दिसंबर को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव धारवाड़ गायन विद्या के पंडित गणपति भट्ट हासणगि को तानसेन अलंकरण से अलंकृत करेंगे। देश का प्रतिष्ठित तानसेन समारोह इस बार कुछ खास रहने वाला है। ग्वालियर को यूनेस्को ने सिटी ऑफ म्यूजिक का तमगा मिलने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित आयोजन का आज से आगाज होने जा रहा है, पहले दिन शहर के 15 अलग-अलग स्थानों पर एक साथ संगीत की महफिलें सजी। क्योंकि तानसेन संगीत समारोह का यह 99वां वर्ष है।

समारोह समिति का किया गठन

28 दिसम्बर को तानसेन की जन्मस्थली बेहट में रात्रिकालीन सभा का आयोजन एवं गूजरी महल में सायंकालीन संगीत सभा का आयोजन होगा। ग्वालियर तानसेन समारोह वर्ष 2023-24 के लिए स्थानीय समिति में विशेष आमंत्रितों सहित 54 सदस्यों की समिति का गठन किया गया है, जिसमें विशेष आमंत्रित सदस्यों में केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, विधायक प्रद्युम्न सिंह तोमर, नारायण सिंह कुशवाह, डॉ. सतीश सिकरवार, साहब सिंह गुर्जर, सुरेश राजे, मोहन सिंह राठौर, ओर महापौर शोभा सिकरवार शामिल हैं।

गमक कार्यक्रम...

अक्षय कुमार सिंह कलेक्टर ग्वालियर ने बताया कि 24 दिसम्बर से 28 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले आयोजन में तानसेन समारोह की पूर्व संध्या पर "गमक" कार्यक्रम 23 दिसम्बर को इंटक मैदान पर आयोजित की गई। 27 दिसम्बर को बटेश्वर जिला मुरैना में प्रातःकालीन विशेष संगीत सभा का आयोजन होगा।

धर्म का हर मार्ग ईश्वर तक जाता है

तानसेन समारोह का प्रारंभ शहनाई वादन से होता है। इसके बाद ढ़ोली बुआ महाराज की हरिकथा और फिर मीलाद शरीफ का गायन। सुर सम्राट तानसेन और प्रसिद्ध सूफी संत मोहम्मद गौस की मजार पर चादर पोशी भी होती है। ढ़ोली बुआ महाराज अपनी संगीतमयी हरिकथा के माध्यम से कहते हैं कि धर्म का मार्ग कोई भी हो सभी ईश्वर तक ही पहुंचे हैं। उपनिषद् का भी मंत्र है "एकं सद् विप्रः बहुधा वदन्ति"। रियासतकाल में फरवरी 1924 में ग्वालियर में उर्स तानसेन के रूप में शुरू हुए इस समारोह का आगाज हरिकथा व मौलूद (मीलाद शरीफ) के साथ ही हुआ था। तब से अब तक उसी परंपरा के साथ तानसेन समारोह का आगाज होता आया है। इतनी सुदीर्घ परंपरा के उदाहरण बिरले ही हैं।

यह समारोह विश्व संगीत समागम का ले चुका रूप

तानसेन समारोह में नए आयाम तो जुड़े पर पुरानी परंपराएं अक्षुण्ण रही हैं। अब यह समारोह विश्व संगीत समागम का रूप ले चुका है। साथ ही समारोह की पूर्व संध्या पर उपशास्त्रीय संगीत का कार्यक्रम "गमक" का आयोजन भी होता है। हर जाति, धर्म व सम्प्रदाय से ताल्लुक रखने वाले श्रेष्ठ व मूर्धन्य संगीत कला साधकों ने कभी न कभी इस आयोजन में अपनी प्रस्तुति दी है। शास्त्रीय गायक असगरी बेगम, पं. भीमसेन जोशी व डागर बंधुओं से लेकर मशहूर शहनाई नवाज उस्ताद बिस्मिल्लाह खां, सरोद वादक अमजद अली खां, संतूर वादक पं. शिवकुमार शर्मा, मोहनवीणा वादक पं. विश्वमोहन भट्ट जैसे मूर्धन्य संगीत कलाकार इस समारोह में गान महर्षि तानसेन को स्वरांजलि देने आ चुके हैं।

विश्वरंग कार्यक्रम में प्रस्तुति देने आई प्रसिद्ध गजल गायिका प्रतिभा सिंह बघेल

बच्चे अपने शौक के लिए काम करें तो ठीक, आप उन्हें पैसे कमाने का जरिया न बनाएं

हरिभूमि चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रियलिटी शोज में देखती हूं इतने छोटे-छोटे बच्चे जिनके भीतर ईश्वर की दी हुई प्रतिभा छिपी है फिर वह डांसिंग हो या एक्टिंग इन क्षेत्रों में रियलिटी शोज के माध्यम से आगे आते हैं और फिर कहीं खो जाते हैं या कई बार यह भी देखा गया है कि बच्चे अपनी मासूमियत छोड़कर सिर्फ अभिनय या गायन के माध्यम से पैसा कमाने में जुड़ जाते हैं तो उनके पैरेंट्स से यही निवेदन है कि बच्चों की मासूमियत को खोने न दें, वह अपने शौक के लिए काम करें तो ठीक है, लेकिन पैसे कमाने का जरिया बच्चों को न बनाएं। यह कहना है हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया, जिद, मणिकर्णिका जैसी फिल्मों में अपनी आवाज का जादू बिखेर चुकीं मशहूर सिंगर प्रतिभा सिंह बघेल का, जो शनिवार को विश्वरंग में प्रस्तुति देने आईं। इस दौरान हरिभूमि से बातचीत में उन्होंने अपने जीवन से जुड़े सवालों के जवाब दिए।

कलाकारों को मिलता है सबका प्यार

उन्होंने कहा कि मैं राजनीति में शायद ही जाऊं क्योंकि कलाकारों को सबका प्यार मिलता है, लेकिन राजनीतिज्ञों को कई बार अपमान का भी सामना करना पड़ता है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं इस क्षेत्र में कदम रखूंगी।

सिचुएशनल रिलेशनशिप का ट्रेंड देखने को मिला

प्रतिभा ने कहा कि आजकल सिचुएशनल रिलेशनशिप का ट्रेंड देखने को मिला है, जिसमें किसी एक सिचुएशनल में आप एक साथ है, लेकिन कुछ ही देर बाद एक दूसरे से यह नहीं पूछ सकते कि आप कहां है या यूं कहें कि एक दूसरे के जीवन में इंटरफेयर नहीं कर सकते। ऐसे संबंधों का अस्तित्व ज्यादा समय तक नहीं टिकता।

गजल जज्बातों को जाहिर करने का खालिस तरीका है

प्रतिभा कहा कि मैंने तीन साल की उम्र से ही गाना शुरू कर दिया, जिसमें पहले शास्त्रीय संगीत सीखा और बाद में समय के साथ गजल की तरफ रुझान बढ़ता गया, गजल गीत की एक मजबूत कड़ी है, गजल के माध्यम से प्यार और दुख के एहसास को बहुत ही उम्दा तरीके से बयां किया जा सकता है, गजल जज्बातों को जाहिर करने का खालिस तरीका है।

मुंबई मेरे लिए सिटी ऑफ ड्रीम्स रहा है

उन्होंने कहा कि रीवा से शुरू की गई शास्त्रीय संगीत यात्रा के करीब 16 साल पूरे हो गए हैं और अब गजल की दुनिया में मुकाम बना रही हूं, वाकई में मुंबई मेरे लिए सिटी ऑफ ड्रीम्स रहा है, मुंबई ने दिल खोल कर प्यार दिया और बहुत कुछ सिखाया।

रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय का आयोजन विश्वरंग-2023

प्रसिद्ध सिंगर प्रतिभा सिंह बघेल ने दी बॉलीवुड सॉन्ग्स की परफॉर्मेंस

मैं और मेरी कहानी के बीच एक सच्चाई होती है: नीलेश मिश्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नॉस्टेल्जिया को एक प्रॉप समझेंगे तो आप कभी भी सच्चे और ऑथेंटिक नहीं हो सकते। नॉस्टेल्जिया एक जेवर है। नॉस्टेल्जिया आपका घर है। हम अपने घर की ओर जब जाते हैं तो ये चीजें होती है, लेकिन दुनिया को देखने का तरीका होता है। रिश्तों का एक तरीका होता है। मैं और मेरी कहानी के बीच एक सच्चाई होती है। यह कहना है लेखक और पॉडकास्टर नीलेश मिश्रा का जो रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के अन्तर्गत आयोजित विश्वरंग में याद शहर की कहानी पर चर्चा करते हुए बोल रहे थे।

मंगलाचरण में वायलिन पर तिगलबंदी

विश्वरंग में दिन की शुरुआत मंगलाचरण से करते हुए महेश, अमित एवं ऋषभ ने वायलिन पर तिगलबंदी पेश की। इसमें उन्होंने राग पीलू में ठुमरी को पेश किया। इसके बाद सलोना सा साजन..., श्री राम चंद्र..., हे राम, हे राम... गीतों की सांगीतिक प्रस्तुति से सभी श्रोताओं का मन मोहा। अंत में बाजे मुरलिया बाजे... को प्रस्तुत किया।

चदरिया झीनी रे झीनी

शाम के सांस्कृतिक सत्र की शुरुआत रोहित रुसिया एवं समूह द्वारा गीतों की सांगीतिक प्रस्तुति से हुई। इसमें उन्होंने तेरा मेरा मनवा..., समय का साथी, राम की चिरैया उड़ गई रे..., चदरिया झीनी रे झीनी..., हमन है इश्क मस्ताना.... और तेरी दिवानी की प्रस्तुति दी।

प्रतिभा सिंह बघेल के गीतों ने किया मंत्रमुग्ध...

विश्वरंग की सांस्कृतिक गतिविधियों की श्रृंखला में तीसरे दिन का प्रमुख आकर्षण प्रतिभा सिंह बघेल की सिंगिग परफॉर्मेंस रही। इसमें उन्होंने बॉलीवुड सॉन्ग्स की जबरदस्त प्रस्तुति से हर किसी को झूमने पर मजबूर किया। शुरुआत अल्बेला साजन... गीत से की। इसके बाद इश्क सूफीयाना..., हम्मा हम्मा..., वे कमली..., चन्ना मेरे या.., दिल दिया गल्लां... को पेश किया। इस दौरान गुलाबी ठंड के बीच युवाओं ने सॉन्ग्स का आनंद लिया और झूमते नजर आए।

4 अरब 60 करोड़ साल पुराने समय से पृथ्वी के निर्माण की कहानी बताई

इसके बाद हमारी धरती का भविष्य विषय पर व्याख्यान सत्र में देवेंद्र मेवाड़ी ने कहा कि 4 अरब 60 करोड़ साल पुराने समय से पृथ्वी के निर्माण की कहानी बताई। इस दौरान उन्होंने दशक वार पृथ्वी और इस सृष्टि के निर्माण को क्रमवार बताया। पृथ्वी, सूर्य और अन्य ग्रहों के निर्माण और पृथ्वी के माता बनने को भी उन्होंने सबके सामने रखा, कि अन्य ग्रहों के निर्माण के बाद पृथ्वी माता के रूप में मानी गई। संतोष चौबे ने कहा कि प्रकृति का विनाश करने वाली विचारधारा को खत्म करना बेहद जरूरी है, तभी हम प्रकृति के संरक्षण की दिशा में काम कर सकेंगे।

लोकप्रिय साहित्य के लिए प्रमाणिकता की आवश्यकता नहीं

इस संवाद सत्र के मुख्य अतिथि युवा लेखक, कवि एवं गायक नीलोत्पल मृणाल ने कहा कि लेखक के लिए लोकप्रिय साहित्य हेतु किसी प्रमाणिकता की आवश्यकता नहीं। लेखन प्रामाणिकता के दबाव में नहीं करनी चाहिए, इससे सृजनशीलता प्रभावित होती है। लेखन के दौरान आज के चिंतन का विषय, संदेश तथा संदर्भ पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हिंदी लेखन का पूंजीवाद तथा बाजारवाद होना चाहिए ताकि कोई हिंदी भाषायी लेखक सिर्फ लेखन कार्य करके जीविकोपार्जन कर सकें।

भोजपाल महोत्सव मेले में रोजाना लाखों लोग परिवार के साथ पहुंच रहे

प्ले बैक सिंगर शुभेच्छा मोहंती ने बिखेरा अपनी आवाज का जादू

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोजपाल महोत्सव मेले के सांस्कृतिक मंच पर शनिवार को प्रस्तुति देने आईं शुभेच्छा मोहंती ने अपनी आवाज का जादू बिखेरा। सुभेच्छा ने जूम जूम बाबा, केशरिया तेरा, ओ पालन हारे और सतरंगा जैसे गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस मौके पर एक से बढ़कर एक गानों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथियों के साथ भोजपाल महोत्सव मेला अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास वीरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम के साथ मेला समिति के सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर की। बता दें कि सुचित्रा ने देश के साथ ही विदेशों में भी अपनी प्रस्तुति दे चुकी हैं। इंस्ट्राग्राम पर भी इनके करोड़ों फॉलोअर्स हैं।

भोजपुरी नाईट आज

भोजपाल महोत्सव मेला में रविवार को भोजपुरी नाईट में भोजपुरी सिंगर अनुपमा यादव आपनी प्रस्तुति देंगी। बता दे कि अनुपम ने 16 साल की उम्र से गाने की शुरुआत की थी। हाल है में भोजपुरी एक्टर पवन सिंह के साथ पियर फ्राक वाली गाना सुपर हिट हुआ था।

मेले में उमड़ रही भारी भीड़

भोजपाल महोत्सव मेले में भारी भीड़ उमड़ रही है। रोजाना लाखों की संख्या में शहरवाशी परिवार के साथ मेला देखने पहुंच रहे हैं। मेले में बेहतर सेल्फी जोन के साथ विभिन्न प्रकार के झूले है। शनिवार को एक लाख से ज्यादा लोग मेला देखने पहुंचे।

भोपाल
रविवार, 24 दिसंबर 2023
अगहन मास शुक्ल पक्ष-13
वर्ष : 10, अंक : 277
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 27
न्यून. 12

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

उत्कृष्टता व हौसले को सम्मान

बेंगलुरु। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने भारतीय खेल प्राधिकरण, नेताजी सुभाष दक्षिणी केंद्र के दौरे के दौरान हांग्जो पैरा एशियाई खेलों के पदक विजेता राहुल बी और रक्षिता राजू को सम्मानित किया।

दुनिया में 300 साल पहले भारत का ही टाइम माना जाता था 'स्टैंडर्ड'

एक और ऑब्जरवेट्री में आईआईटी और आईआईएम के छात्र करेंगे रिसर्च दुनिया में स्थापित करवाएंगे ग्रीनविच मीन टाइम की जगह उज्जैन मीन टाइम

मध्यप्रदेश के 16 विश्वविद्यालयों में से 11 ने एमओयू किए

अलग खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

उज्जैन की 300 साल पुरानी 5 ऑब्जरवेट्री के साथ एक और ऑब्जरवेट्री बन रही है। इसमें आईआईटी और आईआईएम के बच्चे रिसर्च करेंगे। इसके जरिए वे दुनिया में ग्रीनविच मीन टाइम की जगह उज्जैन मीन टाइम को स्थापित करवाएंगे। मध्यप्रदेश के 16 विश्वविद्यालयों में से 11 ने वहां एमओयू किया है। साइंस और टेक्नोलॉजी विभाग इसमें मदद कर रहा है। अभी ग्रीनविच मीन टाइम के हिसाब से ही भारत में स्टैंडर्ड समय की गणना की जाती है। 5 ऑब्जरवेट्री में भारत के साथ-साथ पाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन और मध्य एशिया के देशों के लिए स्टैंडर्ड टाइम की गणना पर काम चल रहा है। सीएम डॉ मोहन यादव ने उज्जैन मीन टाइम की जोरदार वकालत की है।

सीएम यादव ने कहा कि उज्जैन की 300 साल पुरानी पांच ऑब्जरवेट्री के साथ एक और ऑब्जरवेट्री बन रही

अभी की काल गणना में कई बड़ी विसंगतियां

सीएम मोहन यादव ने बताया कि काल के प्रवाह में जब हम गुलाम हुए तो 50 साल तक ये वक्त फ्रांस की राजधानी पेरिस से तय होता रहा। उसके बाद ढाई सौ साल पहले जब अंग्रेज आए तो इसे पेरिस से उठाकर ग्रीनविच ले गए। उसके बाद ग्रीनविच से दुनिया में स्टैंडर्ड टाइम तय होने लगा। इस समय की गणना के खेल में कई बड़ी विसंगतियां हैं। यहां दुनिया में दो प्रकार के ही प्राणी पाए जाते हैं। एक प्राणी जो सूर्योदय से सूर्यास्त तक अपनी दिनचर्या करते हैं। दूसरे निशाचर, जो सूर्यास्त के बाद काम करते हैं।

दुनिया का सेंटर पॉइंट उज्जैन ही

सीएम यादव ने कहा कि अब सवाल यह है कि मध्य रात्रि में कौन से प्राणी दिनचर्या चालू रखते हैं? मध्य रात्रि में 12 बजे दिन बदलेगा इसका कौन सा स्टैंडर्ड है? ये कौन सा पैमाना है? ये वो पैमाना है जिसे मैं आपको बताना चाहूंगा। ये वो पैमाना है जिसके माध्यम से भारतीय संस्कृति को लज्जित करने का प्रयास किया गया। 21 जून और 22 दिसंबर को दिन के 12 बजे उज्जैन की ऑब्जरवेट्री में जाएं। ये 300 साल पहले बना है। आधुनिक साइंस की दृष्टि से ये जीपीएस है। यहां से आप ये तय कर सकते हैं कि दुनिया का सेंटर पॉइंट कौन सा है। वह सेंटर पॉइंट उज्जैन है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

ट्रक की टक्कर से पति पत्नी और बेटे की मौत

सागर। जिले के शाहगढ़ थाना क्षेत्र में हीरापुर के पास ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें

बाइक सवार एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई है। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया। जबकि ड्राइवर गाड़ी छोड़कर मौके से भाग गया। पुलिस के अनुसार मृतक एक ही परिवार के हैं। और अपनी बेटी के घर से लौट रहे थे।

ट्रेन की चपेट से रिटायर्ड आईपीएस की मौत

नई दिल्ली। खुफिया एजेंसियों में काम कर चुके 75 वर्षीय सेवानिवृत्त आईपीएस की दिल्ली

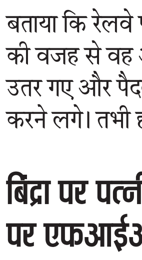

छावनी क्षेत्र में बरार स्क्वायर के पास पटरी पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि रेलवे फाटक बंद होने की वजह से वह अपनी कार से उतर गए और पैदल पटरी पार करने लगे। तभी हादसा हो गया।

बिंद्रा पर पत्नी से मारपीट पर एफआईआर दर्ज

नोएडा। मोटिवेशनल स्पीकर विवेक बिंद्रा के खिलाफ पत्नी से मारपीट करने का मुकदमा दर्ज

हुआ है। 6 दिसंबर को उन्होंने यानिका से शादी की और 14 दिसंबर को उनके खिलाफ एफआईआर हुई। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है। दरअसल, विवेक बिंद्रा के साले वैभव क्वात्रा ने नोएडा थाना सेक्टर 126 क्षेत्र में शिकायत दर्ज कराई है।

होगा करारा पलटवार : पुंछ में आतंकी हमले पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दिया बड़ा बयान

देश अब दूसरा 'गाल' आगे करने के मूड में नहीं, पाक को जवाब मिलेगा

सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने मंदिर को विरूपित करने की कड़ी निंदा की

मोदी सरकार के इस सख्त रुख से माना जा रहा है कि पाकिस्तान को फिर एक बार एयर स्ट्राइक या किसी अन्य करारे जवाब का सामना करना पड़ सकता है।

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को लेकर बयान देते हुए कहा कि सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करते समय भारत अब दूसरा गाल आगे करने के मूड में कतई नहीं है। विदेश मंत्री ने कहा कि देश आतंकवाद का सामना आजादी के बाद से ही कर रहा है।

विदेश मंत्री ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद हमारी आजादी के समय ही शुरू हो गया था, जब तथाकथित हमलावर पाकिस्तान से आए थे। पहले दिन से ही हमने आतंकवाद का सामना किया है और यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में हमें पूरी तरह क्लीयर होना चाहिए। अब हमें सबसे पहले जो करने की जरूरत है वह यह है कि हमें ▶▶ शेष पेज 4 पर

अगर कोई सीमा पार आतंकवाद का अभ्यास कर रहा है तो आपको जवाब देना चाहिए

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत के बाहर चरमपंथियों और अलगाववादी ताकतों को कतई जगह नहीं मिलनी चाहिए

बोले जयशंकर-मुझे विश्वास है कि मामले की जांच की जा रही

जयशंकर ने घटना के बारे में एक सवाल पर कहा कि मैंने खबरें देखी हैं। जैसा कि आप जानते हैं, हम इस बारे में चिंतित हैं। जो कुछ भी हुआ, उसके बारे में हमारे वाणिज्य दूतावास ने (अमेरिकी) सरकार और वहां की पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई है और मुझे विश्वास है कि मामले की जांच की जा रही है।

न्यूयॉर्क पुलिस ने कहा जांच हमारी उच्च प्राथमिकता में

न्यूयॉर्क पुलिस ने कहा कि हिंसा, संपत्ति की क्षति, उत्पीड़न, नफरत या पूर्वाग्रह से प्रेरित अन्य अपराधों के किसी भी कृत्य या धमकी को बहुत गंभीर माना जाता है और इसे उच्च प्राथमिकता दी जाती है। सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने मंदिर को विरूपित करने की कड़ी निंदा की। चेक गणराज्य में निखिल गुप्ता की गिरफ्तारी के बारे में जयशंकर ने कहा कि भारतीय दूतावास को उन तक (उस देश की सरकार द्वारा) राजनयिक ▶▶ शेष पेज 4 पर

उधर, अमेरिका के हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ पर एक्शन में भारत

अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर तोड़फोड़ किए जाने पर भारत सख्त हो गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि किसी भी अराजक तत्व को इस तरह की आजादी नहीं दी जानी चाहिए। बता दें कि अमेरिकी हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ के बाद खालिस्तानी नारे लिखे गए हैं। भारत के विरोध में नारे लिखे गए हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस घटना की निंदा करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया है। जयशंकर ने अमेरिका स्थित एक मंदिर की दिवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे जाने और उसमें तोड़फोड़ की घटना पर शनिवार को चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के बाहर चरमपंथियों और अलगाववादी ताकतों को जगह नहीं मिलनी चाहिए। विदेश मंत्री राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह से इतर संवाददाताओं से बात कर रहे थे। कैलिफोर्निया के नेवार्क में पुलिस विभाग ने कहा कि शुक्रवार सुबह लगभग 8.35 बजे उसे श्री स्वामीनारायण मंदिर (हिंदू मंदिर) में नारे लिखे जाने की सूचना मिली। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरों के अनुसार खालिस्तान शब्द के साथ अन्य आपत्तिजनक नारे मंदिर के बाहर एक 'साइनपोस्ट' पर स्प्रे-पेंट किए गए थे।

सचिन पायलट को मिला छत्तीसगढ़ का प्रभार

सुरजेवाला की जगह अब जितेंद्र सिंह होंगे प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी

विशेष प्रतिनिधि ▶▶भोपाल

विधानसभा चुनाव में पराजय के बाद कांग्रेस में बदलाव का दौर जारी है। पार्टी

नेतृत्व ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों के कार्यों का नए सिरे से बंटवारा किया है। इसमें मप्र के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला को यहां के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। वे अब कर्नाटक के प्रभारी रहेंगे जबकि जितेंद्र सिंह को उनके स्थान पर मप्र का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जितेंद्र सिंह असम ▶▶ शेष पेज 4 पर

- कुमारी शैलजा को मिली उत्तराखंड की जवाबदारी

सुरजेवाला मप्र में नहीं दिखा पाए करिश्मा

रणदीप सुरजेवाला को जेपी अग्रवाल को हटाकर मप्र का प्रभार सौंपा गया था। कमलनाथ की अन्य प्रभारियों की तरह अग्रवाल के साथ भी पटरी नहीं बैठ रही थी। सुरजेवाला के प्रभारी रहते कांग्रेस को कर्नाटक में अच्छी सफलता मिली थी। कांग्रेस को उनसे मप्र में भी उसी तरह की उम्मीद थी लेकिन वे यहां कोई करिश्मा नहीं कर सके। सूत्रों का कहना है कि कमलनाथ को सुरजेवाला की रिपोर्ट पर ही प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाया गया और अब उनसे भी प्रदेश का प्रभार छीन लिया गया।

कमलनाथ-दिग्विजय सहित वरिष्ठों के नाम नहीं

चुनाव घोषणा पत्र समिति में राहुल कैंप के ओंकार सिंह हुए शामिल

विशेष प्रतिनिधि ▶▶भोपाल

कांग्रेस नेतृत्व द्वारा लोकसभा

चुनाव को ध्यान में रखकर केंद्रीय घोषणा पत्र समिति का गठन किया गया है। वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम की अध्यक्षता में गठित इस समिति में प्रदेश से युवा आदिवासी विधायक ओंकार सिंह मरकाम को शामिल किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष बने जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की तरह ओंकार भी राहुल गांधी कैंप से हैं। खास बात यह है कि समिति में पी चिदंबरम के साथ छत्तीसगढ़ के टीएस सिंहदेव संयोजक हैं। इसमें प्रियंका गांधी ▶▶ शेष पेज 4 पर

मार्च 2024 तक पांच और डिलीवर होंगे

एयर इंडिया को 'डिलीवर' हुआ भारत का पहला एयर बस ए 350 एयरक्राफ्ट

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

एयर इंडिया के लिए शनिवार का दिन बेहद खास रहा। एयर इंडिया के बैनर तले पहला एयरबस ए 350-900 विमान शनिवार को कंपनी को डिलीवर हो गया। यह विमान शनिवार को ▶▶ शेष पेज 4 पर

जनवरी 2024 में वाणिज्यिक सेवा में करेगा प्रवेश

एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने कहा कि यह एयर इंडिया के सभी कर्मचारियों के अथक प्रयासों का उड़ता हुआ अवतार है। ए 350 जनवरी 2024 में वाणिज्यिक सेवा में प्रवेश करेगा, शुरुआत में चालक दल के परिचय के लिए घरेलू ▶▶ शेष पेज 4 पर

चावल फैक्ट्री अग्निकांड मामला

1 अरब 61 करोड़ 20 लाख का मुआवजा, 250 करोड़ देने होंगे

विधिक संवाददाता ▶▶भोपाल

बीते 7 जून 2014 को मंडीदीप स्थित दावत फूड्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित चावल फैक्ट्री में आग लगी थी। फैक्ट्री को हुए नुकसान की भरपाई के लिए भोपाल जिला अदालत में याचिका दायर की गई। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने ओरिएंटल इन्श्योरेंस कंपनी लिमिटेड को आदेश दिया कि वो चावल फैक्ट्री को 1 अरब 61 करोड़ 20 लाख के मुआवजे का भुगतान करे। साथ ही न्यायालय ने यह भी कहा कि इस मुआवजा राशि पर 6 प्रतिशत ब्याज भी देना होगा। दुर्घटना ▶▶ शेष पेज 4 पर

- भोपाल के इतिहास में सबसे बड़ी राशि का दूसरा आदेश

साइबर अटैक के बाद फैसला

ई-नगर पालिका सॉफ्टवेयर तीन दिन के लिए किया बंद

बैकअप डेटा पूरी तरह से सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

मप्र के नगरीय प्रशासन व विकास विभाग की ऑनलाइन सेवाओं के लिए संचालित ई-नगर पालिका सॉफ्टवेयर पर साइबर अटैक के बाद ऐतिहात के तौर पर पोर्टल को 3 दिन के लिए बंद कर दिया गया है।

यह इत्तेफाक था कि जिस समय साइबर अटैक हुआ उस वक्त सर्वर स्विच ऑफ था, अन्यथा बड़ी क्षति हो सकती थी। नगरीय प्रशासन विभाग ने सुरक्षा के सभी तौर-तरीकों को अपडेट करना शुरू कर दिया है। नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने बताया कि साइबर अटैक गुरुवार को हुआ था। इसके तत्काल बाद

विभाग के सभी सर्वर और संचालित नेटवर्क को टीम ने तुरंत बंद कर दिया। इसकी सूचना इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम के साथ ही साइबर पुलिस को दी गई है। उन्होंने बताया कि साइबर अटैकर ने सभी 413 नगरीय निकायों के डेटा हैक करने का प्रयास किया है। किंतु वे सफल नहीं हो पाए हैं।

प्रमुख सचिव मंडलोई ने बताया कि संधारित डेटा के लीक होने के कोई साक्ष्य प्राप्त नहीं हुए हैं। विभाग का बैकअप डेटा अभी सुरक्षित है। इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम के ▶▶ शेष पेज 4 पर

दिल्ली में 300 करोड़ का दवाई घोटाला!

एलजी सक्सेना ने 'सीबीआई' को दिए इसकी जांच के आदेश

आरोप है कि दिल्ली सरकार ने जो दवाइयां खरीदी हैं, उनमें कई तरह की अनियमितता हैं

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

दिल्ली में 300 करोड़ के दवाई घोटाले का जिक्र अचानक से शुरू हो गया है। आरोप लगाया गया है कि दिल्ली सरकार ने जो दवाइयां खरीदी हैं, उनमें कई तरह की अनियमितता देखने को मिली हैं।

इस मामले में एलजी वीके सक्सेना ने सीबीआई को जांच करने के आदेश दे दिए हैं। इस वजह से एक बार फिर केजरीवाल सरकार और एलजी के बीच में तकरार बढ़ने जा रही है। सबसे पहले भाजपा नेता

कपिल मिश्रा ने आरोप लगाया था कि दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने अवांछित दवाओं की खरीद में 300 करोड़ रु. का घोटाला किया और उसमें पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन भी शामिल रहे। वैसे यहां ये समझना जरूरी है कि इस मामले की जांच साल 2017 में शुरू हुई थी। आम आदमी पार्टी का इस पर कहना है कि दिल्ली सरकार ने खुद एलजी को एक अधिकारी के खिलाफ शिकायत दी थी।

उस अधिकारी का नाम दीपक कुमार था जिस पर आरोप लगा कि उसने राज्य सरकार की फरिश्ते योजना को रोक दिया था। उस समय आप सरकार ने एलजी से पूछा था कि क्या वे इस अधिकारी के खिलाफ एक्शन लेंगे या नहीं? अब उस अधिकारी को लेकर तो इनपुट ज्यादा नहीं आया है।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में पार्टी का प्रदेश संगठन छाया रहा

राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में वीडी शर्मा ने दिया प्रेजेंटेंशन

'बंपर जीत' और वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए अमित शाह ने थपथपाई प्रदेश भाजपा की पीठ

बूथ प्रबंधन और वोट डलवाने के प्रयासों की भी तारीफ, शाह ने कहा कि लोकसभा चुनाव में यह प्रतिशत 51 तक पहुंचाने के लिए प्रयास करते रहना है

विशेष प्रतिनिधि ▶▶भोपाल

विधानसभा चुनाव में बंपर जीत के बाद दिल्ली में हुई भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में पार्टी का प्रदेश संगठन छाया रहा। चुनाव में पार्टी को 48 फीसदी से ज्यादा वोट मिला है। पार्टी के प्रमुख रणनीतिकार, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसके लिए प्रदेश संगठन ▶▶ शेष पेज 4 पर

अन्य राज्यों को भी इससे सीख लेने की सलाह दी शाह ने

संगठन-सरकार के बीच तालमेल का जिक्र

वीडी शर्मा ने बताया कि चुनाव के दौरान किस तरह संगठन और राज्य सरकार के बीच तालमेल रखकर संयुक्त अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह कार्यक्रम तय किए गए कि कार्यकर्ता सक्रिय रहें और उनमें उत्साह भी बना रहे। मतदान के दिन बूथ मैनेजमेंट के जरिए ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को बाहर निकालने में सफलता अर्जित की गई।

वीडी ने दी प्रबंधन नवाचारों की जानकारी

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने पदाधिकारियों की बैठक में प्रदेश संगठन की ओर से प्रजेंटेंशन दिया। इसमें उन्होंने बूथ प्रबंधन और संगठन द्वारा किए गए नवाचारों की जानकारी दी। शर्मा ने मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में संगठन द्वारा किए गए नवाचारों की जानकारी देते हुए बताया कि 51 फीसदी वोट शेयर पाने के लिए संगठन ने कौन-कौन सी गतिविधियां चलाईं। प्रेजेंटेंशन में बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की केंद्र एवं राज्य सरकार की गरीब कल्याण की योजनाओं के लाभार्थी किस तरह पार्टी के साथ जोड़े गए।

कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने अब एडि. डीजी स्तर के अफसरों को सौंपी संभागों की जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य शासन ने प्रशासनिक कसावट के लिए प्रदेश के सभी अपर मुख्य सचिवों को संभागवार जवाबदारी दी थी। अब प्रदेश की कानून व्यवस्था एवं पुलिस की समीक्षा तथा बैठकों के प्रभावी पर्यवेक्षण आदि के लिए 10 अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों (एडि. डीजी) को संभागवार प्रभारी अधिकारी नामांकित किया है। यह सभी अधिकारी संभागीय स्तर पर मुख्यमंत्री की ओर से ली जा रही बैठकों में कानून व्यवस्था एवं पुलिस के निर्देशों का पालन कराएंगे।

राज्य शासन की प्रशासनिक कसावट के लिए कवायद | प्रदेश की कानून व्यवस्था, समीक्षा और बैठकों के प्रभावी पर्यवेक्षण के लिए अफसर नामांकित

विषय डीजीपी के संज्ञान में लाकर कराएंगे निराकरण

गृह विभाग से जारी निर्देश के अनुसार, यह अधिकारी जिलों में यदि कोई विशेष पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं के समन्वय से संबंधित है, जो इस संबंध में पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से परस्पर समन्वय स्थापित कराकर उसका निराकरण कराएंगे। इसके लिए सभी 10 संभागों में 10 एडीजी की तैनाती की गई है, जो संभागीय स्तर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बैठकों में दिए निर्देशों का पालन कराएंगे। अफसरों की यह भी जिम्मेदारी होगी कि यदि जिलों में कोई विषय आएगा, जिसमें पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं में समन्वय की जरूरत होगी, उस संबंध में पुलिस मुख्यालय से समन्वय कर डीजीपी के संज्ञान में ऐसे तथ्यों को लाएंगे और उसका निराकरण कराएंगे।

निगरानीशुदा बदमाशों की बेल भी निरस्त करने के निर्देश

कानून व्यवस्था के लिए दो माह में काम से कम एक बार संभाग में अफसर दौरा करेंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भी समीक्षा करनी होगी। कानून व्यवस्था, त्यौहार आयोजनों के दौरान पुलिस व्यवस्था की अफसरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। निगरानीशुदा बदमाशों की बेल भी निरस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

इन अफसरों को दी गई जिम्मेदारी

- एडि. डीजी विजय कटारिया- भोपाल संभाग
- आलोक रंजन- नर्मदापुरम संभाग
- प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव- ग्वालियर संभाग
- योगेश मुद्गल- शहडोल संभाग
- पवन श्रीवास्तव- चंबल ग्वालियर संभाग
- अनिल कुमार- रीवा संभाग
- संजीव शर्मा- सागर संभाग
- चंचल शेखर - जबलपुर संभाग
- जयदीप प्रसाद- इंदौर संभाग
- योगेश देशमुख- उज्जैन संभाग

पंचक्रोशी की तर्ज पर पूर्णिमा में भी यात्रा निकलेगी

सिंहस्थ-2028 के लिए उज्जैन शहर का ट्रैफिक मैनेजमेंट प्लान होगा तैयार

◆ महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं को कम समय में सुलभ दर्शन व्यवस्था की कार्य योजना बनेगी

◆ जहां-जहां भगवान श्रीकृष्ण के पग पड़े, वह स्थान धार्मिक क्षेत्र के रूप में विकसित होंगे

जिले की पुरातत्व महत्व की सम्पत्तियों का रिनोवेशन प्राथमिकता से किया जाएगा

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में शहर विकास के कार्यों की समीक्षा बैठक ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में शहर विकास के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सिंहस्थ-2028 को दृष्टिगत रखते हुए अभी से उज्जैन शहर का ट्रैफिक मैनेजमेंट प्लान जिला प्रशासन तैयार करें। यह प्रयास करें कि श्रद्धालु कम से कम समय में महाकाल मंदिर पहुंच जाएं, उन्हें अनावश्यक रूप से दो-तीन किमी न चलना पड़े।

सीएम ने कहा कि प्रशासन यह व्यवस्था सुनिश्चित करें कि श्रद्धालुओं को तिरूपति बालाजी मन्दिर की तरह महाकाल मन्दिर में कम समय में दर्शन हो जाए। एक टीम तिरूपति बालाजी मन्दिर जाकर वहां की व्यवस्था का अवलोकन कर कार्य योजना बनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जहां-जहां भगवान श्रीकृष्ण के पग पड़े हैं, उन स्थानों को धार्मिक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

नारायणाधाम तीर्थधाम के रूप में विकसित होगा

नारायणाधाम को तीर्थधाम के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि पंचक्रोशी यात्रा की तर्ज पर पूर्णिमा पर भी परिक्रमा यात्रा निकाली जाएगी। परिक्रमा यात्रा का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। यह प्रयास किया जाएगा कि वृंदावन परिक्रमा की तर्ज पर महाकाल दर्शन के बाद श्रद्धालु चिन्तामन गणेश मन्दिर, हरसिद्धि मन्दिर, कालभैरव मन्दिर, मंगलनाथ मन्दिर, सान्दीपनि आश्रम दर्शन के बाद पुनः महाकाल मन्दिर आएं। पंचक्रोशी मार्ग पर स्थाई पड़ाव बनाने के लिए अधोसंरचात्मक कार्य किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिले की समस्त पुरातात्विक महत्व की सम्पत्तियों का रिनोवेशन प्राथमिकता से किया जाएगा। उज्जैन में कोठी पैलेस, होटल एवं महाराजवाड़ा को नया स्वरूप प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा शहर की सड़कों के विकास के लिए बेहतर कार्य योजना बनाए जिसमें सभी विभागों की सहभागिता सुनिश्चित करें।

विकास के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए:डॉ.यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की ढिलाई न हो। शहर के विकास के कार्य बेहतर हो, यह सुनिश्चित किया जाए। अच्छे काम करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित किया जाएगा और लापरवाह अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने शहर के प्रमुख चौराहों का सौन्दर्यीकरण करने एवं महामृत्युंजय द्वार के आसपास विकास कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने चामुण्डा माता मन्दिर चौराहा को हरिफाटक ब्रिज तक एलिवेटेड कॉरिडोर विकास के सम्बन्ध में अधिकारियों से जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने नीलकंठ वन मार्ग पर पार्किंग की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि इसके लिए आवश्यक उपाय किए जाए। यादव ने कहा कि महाकाल आने वाले श्रद्धालु 5 मिनट में बाबा महाकाल के दर्शन कर लें। इसकी माइक्रो प्लानिंग जिला प्रशासन करें।

मांस-मछली विक्रेता को बैठने के लिए निश्चित स्थान हो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि मांस-मछली विक्रेताओं को बैठने के लिए एक निश्चित स्थान उपलब्ध कराया जाए। खुले में मांस-मछली बेचने वालों के विरूद्ध अभियान निरंतर जारी रहे।

विधायक एसडीएम के साथ बैठकर प्लानिंग करेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधायकों से कहा कि वे एसडीएम के साथ बैठकर सड़क एवं विकास के कार्यों की प्लानिंग करें। मुख्यमंत्री ने एसीएस डॉ. राजेश राजौरा को निर्देश दिए कि वे उज्जैन संभाग में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा निरन्तर करते रहें। समीक्षा बैठक में सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, सतीश मालवीय, डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान, जितेन्द्र पंड्या, दिनेश जैन बोस, महापौर मुकेश टटवाल, सभापति कलावती यादव, यूडीए अध्यक्ष श्याम बंसल समेत विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में श्रमदान कर दिलाई स्वच्छता की शपथ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छोटे से छोटे काम को बड़ा महत्व दिया। उन्होंने पूरे देश में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देकर इसे अभियान के रूप में आगे बढ़ाया। स्वच्छता में इन्दौर प्रथम पायदान पर है। प्रधानमंत्री ने पूरे विश्व में हमारे देश का नाम गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को उज्जैन प्रवास के दौरान भारत रत्न अटलबिहारी वाजपेयी स्मृति अनुभूति उद्यान परिसर में स्वच्छता अभियान को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने परिसर में त्रिवेणी रोपी। उन्होंने कहा कि उज्जैन शहर में स्वच्छता अभियान अंतर्गत प्रत्येक शनिवार को स्वच्छता अभियान चलाया जाता है जो सराहनीय है।

सीएम ने वाजपेयी स्मृति अनुभूति उद्यान में किया पौधरोपण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में मुख्य सेवक के नाते जो मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी मिली है, उस जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए सबके समन्वय से विकास का काम करेंगे। प्रदेश एवं देश के साथ उज्जैन के विकास का काम आगे बढ़े, इसमें हम सब मिलकर प्रयास करेंगे। विकास के साथ प्रदेश में चल रही योजनाओं का क्रियान्वयन भी बेहतर ढंग से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास संबंधी सुझाव और शिकायत मिलने पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। सब मिलकर समन्वय से विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री का अनुभूति उद्यान पहुंचने पर महापौर मुकेश टटवाल एवं नगर निगम सभापति कलावती यादव आदि ने पुष्पहारों से स्वागत किया। विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, सतीश मालवीय, विवेक जोशी, बहादुर सिंह बोरमुंडला व एमआईसी सदस्य आदि उपस्थित थे।

एमपीयूडीसी ने बनाई कार्ययोजना

अब नगरीय निकायों में पहले पाइपलाइन बिछेगी, इसके बाद ही सड़कों का मेंटेनेंस व सड़कें बनेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में विभिन्न विभागों की परियोजनाओं में विभागों के बीच आपसी समन्वय नहीं होने की वजह से परियोजनाओं की प्रगति एवं शासकीय धन की क्षति से निबटने के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने कायाकल्प अभियान-1 में सड़क निर्माण की स्वीकृति के साथ ही अग्रिम कार्य योजना तैयार कर उसका क्रियान्वयन शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत नगरीय निकायों में सड़क निर्माण से पहले पाइपलाइन बिछाने का काम होगा।

मप्र अर्बन डेवलपमेंट कारपोरेशन (एमपीयूडीसी) ने एक ऐसी कार्य योजना बनाई है, जिसमें निकायों में पाइपलाइन बिछाते वक्त बेवजह से सड़कों को नहीं खोदा जाएगा। इस कार्य योजना में पहले नाली निर्माण का काम होगा, इसके बाद ही सड़क सुदृढ़ीकरण या सड़क बनाने का काम होगा। इस कार्य योजना की सराहना आयुक्त सह प्रबंध संचालक भरत यादव ने की है।

कायाकल्प अभियान-1 के तहत विभिन्न नगरीय निकायों में सड़क निर्माण अथवा सड़क सुदरीकरण के कार्य स्वीकृत किए गए थे।

अग्रिम कार्य योजना एवं क्रियान्वयन करने के फलस्वरूप अर्बन डेवलपमेंट कारपोरेशन ने 516 सड़कों पर निर्माण कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पाइपलाइन बिछाने का कार्य सुनिश्चित किया।

कायाकल्प अभियान दो में कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

यादव ने एमपीयूडीसी के प्रयासों की सराहना की है। साथ ही वीडियो कांफ्रेंसिंग में नगरीय निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कायाकल्प अभियान-2 के तहत स्वीकृत सड़कों के कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पाइपलाइन बिछाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन बिछाने की कार्ययोजना आपसी समन्वय से तैयार कर एक सप्ताह में साझा करे। इसकी नियमित समीक्षा वीसी के माध्यम से की जाएगी। यादव ने कहा कि एमपीयूडीसी के तहत 36 जल एवं मल-जल परियोजनाओं में अग्रिम योजना के तहत विभिन्न अवयवों के निर्माण के लिए निर्माण स्थल चयन का कार्य कराया जाएगा, ताकि 36 परियोजनाओं में कार्यदेश के उपरांत शीघ्र निर्माण स्थल संविदाकारों को उपलब्ध कराना जाना सुनिश्चित हो सके।

निर्माण एजेंसी एवं नगरीय निकायों के मध्य आवश्यक समन्वय पर जोर

आयुक्त यादव ने समीक्षा बैठक व मौके पर निरीक्षण में तय किया कि विभिन्न विभागों की परियोजनाओं में विभिन्न विभागों के मध्य आपसी समन्वय न होने के कारण परियोजनाओं की प्रगति एवं शासकीय धन की क्षति की संभावना बनी रहती हैं। इस कारण उन्होंने कायाकल्प अभियान-1 के तहत नगरीय निकायों में सड़क निर्माण की स्वीकृति के साथ-साथ निर्माण एजेंसी एवं नगरीय निकायों के मध्य आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने की अग्रिम कार्य योजना तैयार करवाई एवं तैयार कार्य योजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया।

भाजपा सरकार आने पर ही जूते पहनने की शपथ ली थी

भाजपा कार्यकर्ता रामदास को जूते पहना कर शिवराज ने पूरा करवाया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने तीन दिवसीय अमरकंटक दौरे के दौरान भाजपा के समर्पित और कर्मठ कार्यकर्ता रामदास पुरी को जूते पहनाकर उनका संकल्प पूरा करवाया।

चौहान ने आम लोगों से संवाद करते हुए विकसित भारत संकल्प यात्रा की जानकारी दी। पुरी ने साल 2017-18 में संकल्प लिया था कि जब तक मप्र में भाजपा की सरकार नहीं आ जाती, वह जूते-चप्पल नहीं पहनेंगे। इसके बाद अब जाकर पूर्व सीएम शिवराज ने रामदास पुरी को जूते धारण करवाए। चौहान के जूते पहनाने पर रामदास भावुक हो गए और उनके पैर छूने लगे तो शिवराज ने उन्हें गले लगा लिया।

शैक्षणिक विकास के लिए 140 आवासीय संस्थानों का संचालन

भोपाल। प्रदेश में विमुक्त, घुमक्कड़ और अर्द्ध-घुमक्कड़ वर्ग के शैक्षणिक कल्याण के लिए विभाग की ओर से 140 छात्रावास, आश्रम और सामुदायिक केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। यह केन्द्र प्रदेश के 29 जिलों में संचालित हो रहे हैं। यह जिले इन वर्गों की बहुलता के कारण चिन्हित किए गए हैं। इन केन्द्रों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा के साथ निःशुल्क भोजन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। विभाग की ओर से इन वर्गों को अधो-संरचना संबंधी सुविधा उपलब्ध कराये जाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बाहुल्य बस्तियों में बुनियादी सुविधाएं जैसे सीसी रोड, पक्की नाली, मांगलिक भवन, पेयजल, की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

विधायक कृष्णा ने शपथ दिलाई

विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में मिल रही योजनाओं की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विधायक कृष्णा गौर शनिवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ग्राम बावड़िया में लगाए गए शिविर में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक आसानी से पहुंचाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। शिविर में आत्मनिर्भर भारत बनाने की शपथ भी दिलाई गई।

आज बालविहार व बागमुगालिया में लगेगा शिविर

इधर, आजाद मार्केट में शिविर का जोन अध्यक्ष व क्षेत्रीय पार्षद पूजा शर्मा ने जायजा लेकर लोगों से अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। वहीं आज रविवार को बालविहार व बागमुगालिया में शिविर लगाया जाएगा।

वर्ष 2024-25 का वार्षिक बजट अभी नहीं होगा पारित

वित्त विभाग ने अगले वित्तीय वर्ष के लेखानुदान के लिए विभागों से चर्चा शुरू करने का लिया निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता फरवरी के अंतिम सप्ताह में या मार्च के पहले सप्ताह में प्रभावी हो सकती है। ऐसे में वर्ष 2024-25 का वार्षिक बजट अभी पारित नहीं होगा। इसके बजाय इस वर्ष 2023-24 के अंतिम तीन महीने तथा अगले वित्त वर्ष के प्रथम तिमाही के लिए अनुपूरक व लेखानुदान पारित कराया जाएगा। संचालक बजट बक्की कार्तिकेयन ने इसका आदेश जारी कर दिया है।

आदेश के अनुसार राज्य सरकार अगले वित्तीय वर्ष का बजट जुलाई में लाएगी। इसके पहले शुरुआती चार महीने अप्रैल, मई, जून व जुलाई तक के राज्य सरकार के खर्च के इंतजाम के लिए लेखानुदान लाया जाएगा। इसमें सभी विभागों तथा जरूरी होने पर वित्त विभाग के अफसरों के साथ चर्चा करने के लिए कहा गया है।

अनिवार्य और स्थापना संबंधी खर्च के सटीक आकलन का काम होगा

वित्त विभाग से जारी निर्देश के मुताबिक 2023-24 के पुनरीक्षित अनुमान और वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान और लेखानुदान (अप्रैल 2024 से जुलाई 2024) के आंकड़े आईएफएमआईएस के बजट मॉड्यूल में देना है। इसमें प्राप्त होने वाले राजस्व और होने वाले खर्च दोनों के लिए पुनरीक्षित अनुमान और बजट अनुमान के आंकड़े बीसीओ स्तर पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विभाग ने कहा कि लेखानुदान पहले चार माह के लिए केवल जरूरी खर्च के लिए ही लाया जा रहा है। इसमें यह भी कहा गया है कि विभाग के विभागाध्यक्ष, बजट नियंत्रण अधिकारी और वित्तीय सलाहकार बजट प्रस्तावों के लिए उत्तरदायी होंगे। विशेष तौर पर अनिवार्य और स्थापना संबंधी खर्च के सटीक आकलन का काम करना होगा।

राज्यपाल ने रीवा में मेडिकल कॉलेज के हीरक जयंती समारोह का शुभारंभ किया

डिप्टी सीएम शुक्ल ने कहा-रीवा शिक्षा और मेडिकल सुविधा का बनेगा हब

राज्यपाल ने उत्कृष्ट चिकित्सा विद्यार्थियों को पदक देकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने श्यामशाह मेडिकल कॉलेज के हीरक जयंती समारोह का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने मेडिकल कॉलेज में पिछले दो वर्षों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 6 विद्यार्थियों को पदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

रीवा के कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में राज्यपाल ने कहा कि चिकित्सा पवित्र व्यवसाय है। चिकित्सक सेवाभाव से ऐसा उपचार करें, जिससे रोगी को स्वास्थ्य लाभ के साथ संतोष भी मिले। उन्होंने कहा कि इस मेडिकल कॉलेज के कई विद्यार्थियों ने देश ही नहीं विदेश में नाम कमाया है।

राज्यपाल ने महाविद्यालय के अकादमिक भवन का किया लोकार्पण

राज्यपाल पटेल ने श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय रीवा में 66.80 करोड़ रुपए से निर्मित अकादमिक भवन का लोकार्पण किया। इसमें प्रशासनिक भवन सहित 100 सीटर इन्टर्न कन्या छात्रावास, 100 सीटर इन्टर्न बालक छात्रावास तथा 250 सीटर यूजी कन्या छात्रावास का निर्माण कराया गया है। राज्यपाल तथा उप मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज के हीरक जयंती समारोह में स्मारिका का विमोचन भी किया।

मेडिकल कॉलेज 50 सीटों से बढ़कर 150 सीटों का हुआ

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि रीवा तेजी से विकास कर रहा है। मेडिकल कॉलेज 50 सीटों से बढ़कर 150 सीटों का हो गया है। मेडिकल कॉलेज में पोस्ट-ग्रेजुएट में भी 100 से अधिक सीटें हो गई हैं। रीवा में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की स्थापना से चिकित्सा के क्षेत्र में रीवा की छवि बदली है। रीवा को मेडिकल तथा चिकित्सा के क्षेत्र में हब के रूप में विकसित करेंगे। सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में एंजियोग्राफी और एंजियोप्लस्टी लगातार हो रही है। यहां किडनी प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू होने वाली है। इस अस्पताल को 400 बिस्तरीय बनाने के लिए 25 करोड़ रुपए मंजूर हो गए हैं। चिकित्सकों तथा चिकित्साकर्मियों के आवास के लिए 3 आठ मंजिला टॉवर बनाए जाएंगे। रीवा में मार्च तक एयरपोर्ट से हवाई सेवा शुरू हो जाएगीउप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि रीवा में मार्च तक एयरपोर्ट से हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। चिकित्सकों को रीवा आने में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। फोरलेन सड़कें और रेलवे का भी तेजी से विकास हुआ है। विन्ध्य क्षेत्र में अपार खनिज संपदा और पर्यटन की संभावनाएं हैं। रीवा पर्यटन, उद्योग और कृषि में बड़ी तेजी से विकास करेगा।

ग्राम-ब्लॉक स्तर पर एग्री अलाइड और रिटेल इंडस्ट्री विस्तार पर हुआ प्रशिक्षण

डिक्की द्वारा प्रशिक्षण में शामिल हुए ब्लॉक स्तर के एससी-एसटी उद्यमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मध्यप्रदेश चैप्टर के तीन दिवसीय बिजनेस लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम के पहले दिन एग्री अलाइड व रिटेल इंडस्ट्री के विस्तार पर 45 ब्लॉक कॉर्डिनेटर्स को ट्रेनिंग दी गई। डिक्की मप्र चैप्टर के प्रेसिडेंट डॉ. अनिल सिरवैयां ने प्रोग्राम व प्रशिक्षण के बारे में बताया।

युवाओं को कारोबार और लोन के लिए दिए टिप्स

प्रशिक्षण में शामिल उद्यमियों और युवाओं को ब्लॉक में ही व्यापार-व्यवसाय और उद्यमिता के अवसर, सफल बिजनेस फ्रेंचाइजी मॉडल, एमएसएमई इकाईयों की स्थापना, योजनाओं के लाभ लेने की प्रक्रिया, बैंक ऋण से अधिक से अधिक युवाओं को लाभान्वित करने के टिप्स दिए गए। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के चीफ मैनेजर रमा शंकर ने बैंक की भूमिका व योजनाओं पर जानकारी दी।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 24 दिसंबर 2023

7 हुजूर विधानसभा के मुंडला गांव पहुंची 'मोदी की गारंटी'...

8 तय समय पर स्टैंड से छूटती है वर्मा की बसें पर बीच में ओवरटेक...

आग की लपटें 3 मंजिल तक पहुंचीं, जूते का शोरूम खाक

दस नंबर मार्केट के कॉम्प्लेक्स में लगी भीषण आग
22 मीटर ऊंचे प्लेटफार्म व जेसीबी की लेनी पड़ी मदद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के दस नंबर मार्केट स्थित काम्पलेक्स के जूते के शो रूम में शानिवार शाम 6 बजे के आसपास आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि उस पर काबू पाने के लिए नगर निगम के 22 मीटर ऊंचे प्लेटफार्म व जेसीबी को ढाई घंटे से ज्यादा का समय लगा, वहीं शो रूम में रखा पूरा सामान जलकर खाक हो गया। शो रूम के कांच तोड़ने अमले को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कांच तोड़ने जेसीबी को बुलाना पड़ा। आग की भीषण स्थिति को देखते हुए पूरी मार्केट में अफरा तफरी मच गई। वहीं आसपास की दुकानें भी बंद हो गईं।

आसपास की दूसरी दुकानों तक आग के पहुंचने का खतरा था

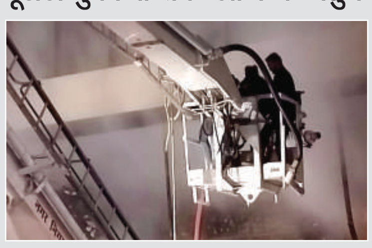

कांच तोड़ने व आग बुझाने में अमले को दो घंटे से ज्यादा लगे

अगला हिस्सा तोड़कर बुझाई आग

गोडाउन में लगी आग को बुझाने के लिए दमकलकर्मियों को खासी दिक्कत हुई। फुटवेयर की शॉप से आग बुझाना आसान नहीं था। इसलिए तीन मंजिला शोरूम की फ्रंट की दीवार तोड़ी गई। इसके बाद दमकलों ने अंदर पानी फेंका और आग बुझाई।

ब्रांडेड जूतों का था शोरूम

गोडाउन ब्रांडेड फुटवेयर कंपनी का है। इसलिए लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। हालांकि नुकसान का आंकलन अभी नहीं हुआ है। वहीं आग की वजह भी शार्ट सर्किट ही सामने आई है।

फायर अधिकारी रामेश्वर नील ने बताया किमाता मंदिर, न्यू मार्केट स्थित फायर स्टेशनों से दमकलें मौके पर पहुंची। इसके बाद आग पर काबू पाया गया। साढ़े 8 बजे आग बुझ सकी, लेकिन धुआं निकलता रहा। इस दौरान शो रूम के कांच तोड़ने का काफी प्रयास किया गया, लेकिन कांच न टूटने से आग और भड़क गई। व्यापारी हरीश चोइथरानी के अनुसार शोरूम के गोडाउन में आग से लाखों रुपए का माल जलकर राख हो गया। मौके पर पहुंची दमकलों ने करीब ढाई घंटे में आग पर काबू पाया। आग की वजह शार्ट सर्किट बताई जा रही है।

राजधानी में मिले दो और कोरोना के मरीज, संख्या बढ़कर हुई तीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर में कोरोना संक्रमितों की संख्या में इजाफा होने लगा है। शनिवार को दो और लोगों की रिपोर्ट पॉजीटिव आई है। इससे पहले शुक्रवार को एक मरीज मिला था। इस तरह भोपाल में अब कोरोना मरीजों की संख्या तीन हो गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार शनिवार को कुल 26 लोगों के सैंपल की जांच रिपोर्ट आई। इसमें दो सैंपल संक्रमित पाए गए हैं। एक मरीज की उम्र 58 वर्ष है और दूसरे की उम्र 23 वर्ष। दोनों ही हाल ही में किसी दूसरे राज्य की यात्रा कर लौटे थे। लक्षण आने पर अस्पताल पहुंचे और अपना कोरोना टेस्ट कराया, जो कि पॉजीटिव आया है। दोनों की ट्रेवल हिस्ट्री दर्ज की गई है।

■ दोनों हाल में किसी दूसरे राज्य की यात्रा कर लौटे थे भोपाल

दोनों को लग चुका है प्री-कॉशन डोज

शनिवार को मिले दोनों संक्रमितों में जो सबसे रोचक बात है, वो यह कि दोनों ही संक्रमितों को कोरोना वैक्सीन का प्री-कॉशन डोज लग चुका है। यह डोज तीसरा डोज कहलाता है। इसे कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर के समय लगाया गया था।

कोरोना संक्रमित महिला होम क्वारेंटाइन में, परिजनों के लिए सैंपल

राजधानी में कोरोना संक्रमित महिला पूरी तरह स्वस्थ है। स्वास्थ्य विभाग की टीम महिला के स्वास्थ्य पर नजर रखी हुई है। महिला को होम क्वारेंटाइन कर दिया है। शनिवार को महिला के परिजनों के सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजे गए है। सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि कोरोना संक्रमित महिला को होम क्वारेंटाइन में रखकर इलाज किया जा रहा है। कोरोना के लक्षण वाले मरीजों की जांच के लिए फीवर क्लीनिक में जांच की जा रही है। डॉ प्रभाकर ने कहा कि कोरोना से डरने की कोई भी आवश्यकता नहीं है किंतु सतर्कता आवश्यक है। सभी बड़े शासकीय एवं निजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों में लिक्विड ऑक्सीजन स्टोरेज की पर्याप्त क्षमता है।

चार दिन में किया नदी के 36 किमी का सीमांकन, सरकारी कब्जे हटाए
जेके हॉस्पिटल, रेस्टॉरेंट समेत 120 मकान बने कलियासोत नदी किनारे

शुक्रवार को जारी किए थे 60 नोटिस, शनिवार को फिर 60 नोटिस कराए तामील

नोटिस का जवाब देने दी सात दिन की मोहलत, फिर होगी तोड़ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी से निकलने वाली दोनों और की 36 किमी लंबी कलियासोत नदी से 33 मीटर के दायरे में अतिक्रमण और अवैध निर्माण चिह्नित करने का काम पूरा कर लिया गया है। आखिरी दिन सर्वे के लिए चार टीमों नेसीमांकन का वेरिफाई किया। चार दिन में हुए सर्वे में नदी किनारे 33 मीटर दायरे में करीब 120 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। जिसमें जेके अस्पताल का पिछला हिस्सा, रेस्टॉरेंट, कॉलोनियों सहित 120 मकान आए हैं। नगर निगम ने शुक्रवार को 60 नोटिस जारी किए थे। जबकि शनिवार को भी 60 नोटिस तामील कराए गए। इन लोगों को सात दिन में जवाब देने की मोहलत दी गई है। जिसके बाद अवैध निर्माणों को तोड़ा जाएगा।

एनजीटी के निर्देश पर जिला प्रशासन को 31 दिसंबर तक अतिक्रमण हटाना है। इसके बाद 14 जनवरी तक रिपोर्ट पेश करना है। ड्रोन से सर्वे का राजस्व नक्शे से मिलान नहीं होने के कारण 4 दिन तक मैदानी सर्वे किया गया। शुक्रवार को समरधा में दो किलोमीटर के दायरे में सर्वे हुआ। हालांकि, यहां फसलें लहलहाती हुई मिली। सर्वे में 50 से अधिक अवैध निर्माण मिले हैं। शनिवार को कोलार और टीटी नगर की चारों टीमों ने अतिक्रमणों को लिस्टेड किया। जिसके बाद नगर निगम ने नोटिस जारी किए।

शहर में 36 किमी है नदी की लंबाई

शहरी हिस्से से नदी 36 किमी होकर भोजपुर में बेतवा नदी में मिल जाती है। शुरुआती 9 किमी यानी सर्व-धर्म कॉलोनी से सलैया के बीच करीब 3 हजार बड़े कंस्ट्रक्शन नदी के किनारे बने हैं। इनमें ज्यादातर बहुमंजिला इमारतें हैं। इन पर भी मार्किंग की गई है, जबकि सर्वे टीम ने सिर्फ 120 अवैध कब्जे मांगे हैं।

सात दिन बाद हटाएंगे निर्माण

कलियासोत नदी का सीमांकन करा लिया गया है। जिसमें करीब 120 निर्माण दायरे में आ रहे हैं। जिसको लेकर नगर निगम ने नोटिस देकर सात दिन में जवाब मांगा है। इसके बाद निर्माणों को हटाया जाएगा।

प्रकाश सिंह चौहान, एडीएम

5 साल में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण की 3,730 शिकायतें इनमें से आधी पेंडिंग

■ एयरपोर्ट, आर्मी एरिया, विधानसभा, थाने, कोर्ट, अस्पताल समेत कलेटोरेट जैसी जगहों पर बनीं बस्तियां

भोपाल। शहर में कई जगह सरकारी जमीन पर अतिक्रमण है। इनमें एयरपोर्ट, आर्मी एरिया, विधानसभा, थाने, कोर्ट, अस्पताल और कलेक्टोरेट जैसी जगह शामिल हैं। हालात यह हैं कि कई जगह तो बड़ी-बड़ी बस्तियां बन गई हैं। इनमें से कई को पीएम आवास योजना में नगर निगम मल्टी स्टोरी बिल्डिंगों में मकान भी दे दिए हैं, लेकिन इन लोगों ने जमीन से कब्जा अब तक नहीं छोड़ा है। भोपाल में ऐसे अतिक्रमण की 5 साल में 3 हजार 730 शिकायतें आई हैं और इनमें से आधी अब भी पेंडिंग हैं।

कई बार दिए नोटिस

कलेक्टोरेट के पास उद्यानिकी दफ्तर है और इसके ठीक आगे पहाड़ी की ढलान पर बस्ती बनी हुई है। 200 से अधिक परिवार यहां रहते हैं। हाल ही में ईदगाह हिल्स फिल्टर प्लांट में क्लोरीन गैस रिसाव की वजह से यहां हड़कंप मच गया था। विधानसभा से सटकर एक बड़ी बस्ती बसी हुई है। कई बार नोटिस दिए जा चुके हैं। इधर कटारा हिल्स थाने के पीछे मदनी नगर बस गया। यह कब्जा महज दो साल में हुआ है। इसको लेकर लोगों ने 8 बार शिकायतें भी की। लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। बड़े तालाब किनारे बेहटा, बोरबन में भी सैकड़ों झुग्गियां हैं, जिन्हें हटाया जाना है। कलेक्टर आशीष सिंह का कहना है कि सभी एसडीएम को अतिक्रमण चिन्हित करने की हिदायत दी गई है। इन परिवारों को हटाने के साथ विस्थापन किया जाएगा।

इधर, कोरोना से निपटने की तैयारी में लगा स्वास्थ्य अमला

अभी सिर्फ जेपी और बैरागढ़ अस्पताल में होती थी जांच

अब फिर खुलेंगे वार्डों में फीवर क्लीनिक, होगी कोरोना की जांच

राजधानी में कोरोना का नया वैरियंट स्ट्रेन जेएन.1 को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। अभी तक आरटीपीसीआर जेपी और बैरागढ़ सिविल अस्पताल में ही रही थी। मगर अब राजधानी में कोरोना के नए वैरियंट के मरीज मिलने के बाद वार्डों में बंद पड़े फीवर क्लीनिक को फिर शुरू किया जाएगा। स्वास्थ्य केंद्र, आयुर्वेदिक कॉलेज समेत अन्य संस्थानों के फीवर क्लीनिक एक बार फिर खोल दिए जाएंगे।

■ कोरोना के नए वैरियंट स्ट्रेन जेएन-1 को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

8 मिनट में शुरू हो जाएगा इलाज

कोरोना का अगर कोई मरीज आता है तो उसे 8 मिनट में वार्ड तक पहुंचाकर इलाज शुरू कर दिया जाएगा।

डॉ. प्रभाकर तिवारी, सीएमएचओ

परिवहन विभाग की सख्ती
बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट स्वीकार नहीं आवेदन

भोपाल। पुराने वाहनों के लिए परिवहन मुख्यालय से नए आदेश जारी होने के बाद अब बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के आरटीओ में आवेदन स्वीकार नही किया जाएगा। परिवहन कार्यालय में फिटनेस, ट्रांसफर नाम/पता परिवर्तन, डुप्लीकेट रजिस्ट्रेशन, पुर्नपंजीयन आदि समस्त कार्यों के लिए जब आवेदन प्राप्त होते हैं, तो यह सुनिश्चित किया जाएगा हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट वाहन में लगा होना चाहिए।

परिवहन विभाग से एक अप्रैल 2019 से पहले के पुराने वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) लगवाने की समयावधि बढ़ाकर 15 जनवरी कर दी थी। इसके चलते इसके बाद आरटीओ संबंधित सभी काम बिना एचएसआरपी नंबर प्लेट के बिना नहीं हो सकेंगे।

आरजीपीवी में मारपीट मामला
20 छात्रों को नोटिस,27 को हाजिर नहीं हुए तो कार्रवाई

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हुए झगड़े के बाद शनिवार को विवि प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। इस मामले को लेकर विश्वविद्यालय प्रबंधन ने 20 छात्रों को नोटिस जारी किया है। संचालक यूआईटी के इस नोटिस में कहा गया है कि 27 दिसंबर को दोपहर 12:30 बजे उपस्थित होकर एंटी रैगिंग कमेटी के सामने अपना पक्ष रखें। उपस्थित नहीं होने वाले छात्रों के खिलाफ एक पक्षीय कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है। विवि कैंपस में मारपीट और कुछ छात्रों पर हुई एफआईआर के बाद कई छात्र विवि प्रशासन के सामने पहुंच गए। ध्यान रहे कि 22 दिसंबर को आरजीपीवी में कुछ छात्रों के बीच मारपीट में कुछ सीनियर और जूनियर छात्रों को चोटें आईं थीं, जिसको लेकर विवि द्वारा छात्रों को नोटिस जारी किया गया है।

श्रीराम जन्मभूमि में होने वाले 2121 कुंडीय विराट श्रीराम महायज्ञ की तैयारियां तेज
प्राण-प्रतिष्ठा के बाद महायज्ञ, 'राम-लक्ष्मण' दे रहे दे रहे पीले चावल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जनवरी के अंतिम सप्ताह तक यज्ञशाला और टेंट सिटी का पूरा हो जाएगा निर्माण, 18 फरवरी को होगी यज्ञ में पूर्णाहूति

भगवान श्री रामलला की जन्मभूमि अयोध्या धाम में रघुवंशी समाज द्वारा आयोजित किए जा रहे 2121 कुंडीय विराट श्री राम महायज्ञ की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है वैसे-वैसे यज्ञ की तैयारियों को अंतिम रूप देने में समाज बंधु जोर- शोर से जुटे हैं। करीब 65 एकड़ क्षेत्र में यज्ञशाला के साथ-साथ टेंट सिटी का निर्माण शुरू हो गया है।

यज्ञशाला का निर्माण करीब 60 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। जनवरी के अंतिम सप्ताह तक यज्ञशाला और टेंट सिटी का निर्माण पूरा हो जाएगा। अयोध्या में कार सेवकपुरम परिक्रमा पथ बड़ी छावनी के पास बन रही यज्ञशाला में 10 फरवरी से 2121 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ प्रारंभ हो जाएगा। जिसकी 18 फरवरी 2024 को पूर्णाहुति होगी। इसके साथ ही अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर में भगवान राम की प्रतिमाओं के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सम्मिलित होने के लिए प्रदेश सहित अयोध्या के सामाजिक बंधु अपना पंजीयन करा रहे हैं।

अयोध्या में होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने प्रदेशभर के रघुवंशी समाज के बंधु करा रहे अपना पंजीयन

प्राण-प्रतिष्ठा के बाद रघुवंशी समाज का होगा महायज्ञ

वहीं भगवान राम लक्ष्मण के वेश में बच्चे लोगों को पीले चावल देकर आयोजन का न्यौता दे रहे हैं। बता दें कि अयोध्या में भगवान रामलला के 22 जनवरी को भव्य मंदिर में विराजमान होने के पश्चात रघुवंशी समाज की ओर से 10 फरवरी से विराट श्रीराम महायज्ञ आयोजित किया जा रहा है। रघुवंशी समाज के संत यज्ञ सम्राट कनक बिहारीदास जी महाराज द्वारा अयोध्या में रामलला के नए मंदिर में विराजमान होने समाज से महायज्ञ का संकल्प लिया था एवं मंदिर निर्माण हेतु 2021 में 1 करोड़ 11 लाख की धन राशि ट्रस्ट को समर्पित की थी। करीब आठ महीने पूर्व उनका सड़क हादसे में स्वर्गवास हो गया। अब समाज उनके संकल्प को पूरा करने में दिन रात जी जान से जुटा हुआ है।

कपूर सिस्टर्स ने बेचे करोड़ों के फ्लैट्स

मुंबई। बोनी कपूर की बेटियां जाह्नवी और खुशी कपूर सिर्फ इंडस्ट्री में एक्ट्रेस के तौर पर ही नहीं बल्कि फाइनेन्शियली भी सक्सेसफुल हैं। इंडस्ट्री के अन्य सेलेब्स की तरह ही वो भी प्रॉपर्टी के मामले में काफी सक्रिय हैं। फ्लैट खरीदने से लेकर बेचने तक, दोनों ही बहनें काफी तेज हैं। ऐसे में खबर आई है दोनों बहनों ने मिलकर मुंबई में ही 12 करोड़ के आसपास के चार फ्लैट्स सेल किए हैं। खबर की मानें तो दोनों ही एक्ट्रेस ने अलग-अलग जगहों पर कई फ्लैट्स बेचे हैं। बहनों ने मुंबई के अंधेरी वेस्ट में लोखंडवाला कॉम्पलेक्स में एक-एक फ्लैट बेचे हैं, जिनकी कीमत 6 करोड़ के आसपास की है। इन फ्लैट्स की रजिस्ट्री 2 नवंबर की बताई जा रही है। इन फ्लैट्स में पार्किंग की भी सुविधा उपलब्ध है।

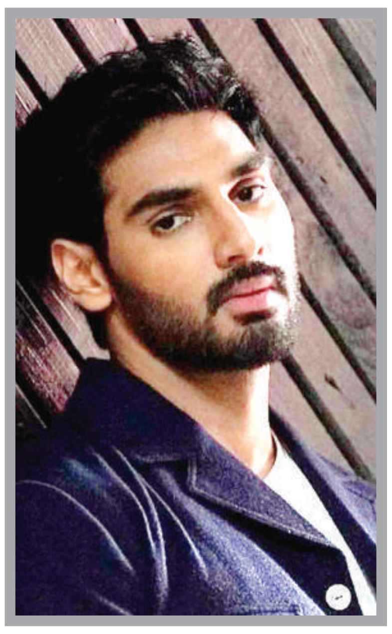

अहान का ब्रेकअप, टूटा तानिया संग रिलेशन

मुंबई। एक्टर अहान शेट्टी इस समय चर्चा में आ गए हैं। खबरें हैं कि अहान का 11 साल का रिलेशनशिप टूट गई है। खबरों के मुताबिक एक्टर का उनकी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड तानिया श्रॉफ से ब्रेकअप हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कपल के ब्रेकअप को हुए डेढ़ महीने हो गए हैं। दोनों 11 साल से एक-दूसरे संग रिलेशनशिप में थे। अहान और तानिया बचपन से एक साथ ही पढ़े हैं और फिर एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए थे। लेकिन अब कहा जा रहा है कि कपल के रास्ते अलग हो चुके हैं। हालांकि, अभी तक दोनों के ब्रेकअप की कोई वजह सामने नहीं आई है। वहीं, अहान और तानिया की तरफ से भी इस खबर पर कोई रिएक्शन नहीं आया है। लेकिन लंबे समय से दोनों ने एक-दूसरे के साथ कोई पोस्ट शेयर नहीं किया है। वहीं, अहान और तानिया एक-साथ स्पॉट भी नहीं हुए हैं।

कलाकारों ने क्रिसमस के लिए बनाए सेलिब्रेशन प्लान्स..!

मुंबई। छुट्टियों का मौसम आ गया है, और ऐसे में खुशी और उमंग का त्यौहार क्रिसमस बस आने ही वाला है। हर साल 25 दिसंबर को धूमधाम से क्रिसमस मनाया जाता है। इस त्यौहार की अपनी सबसे प्यारी यादें ताजा करते हुए, निहारिका रॉय (प्यार का पहला नाम राधा मोहन की राधा), अदिति शर्मा (रब से है दुआ की दुआ), किशोरी शहाणे विज (कैसे मुझे तुम मिल गए की बबीता), शालिनी महल (कुंडली भाग्य की शनाया), निक्की शर्मा (प्यार का पहला अध्याय शिवशक्ति की शक्ति), अबरार काज़ी (कुमकुम भाग्य के राजवंश), रोहित सुचंती (भाग्य लक्ष्मी के ऋषि) और अविनेश रेखी (इक कुड़ी पंजाब दी के

रांझा) जैसे टीवी कलाकारों ने इस साल क्रिसमस के लिए अपनी रोमांचक और मजेदार योजनाओं के बारे में खुलासा किया। निहारिका रॉय ने कहा, मेरे लिए क्रिसमस प्यार बांटने के बारे में है! यह केक और कुकीज़, मिठाइयों और गानों का मौसम है! इस त्यौहार से जुड़ीं मेरी बचपन की बहुत अच्छी यादें हैं।

बप्पी लाहिड़ी ने एक साल में 180 गाने कम्पोज कर बनाया था वर्ल्ड रिकॉर्ड...

बप्पी दा के गाने जिम्मी-जिम्मी के फैन थे माइकल जैक्सन

मुंबई। बप्पी लाहिड़ी भारतीय फिल्म संगीत का वो नाम है, जिसने डिस्को डांसर से लेकर तम्मा तम्मा और तूने मारी एंट्रियां तक जैसे कई लाजवाब गाने दिए। 11 साल की उम्र से ही धुन बनाना शुरू कर चुके बप्पी दा के जिम्मी-जिम्मी गाने के फैन तो खुद माइकल जैक्सन भी थे। बप्पी दा ने अपने सिर पर डिस्को किंग का ताज तो सजा ही रखा था लेकिन क्या आप जानते हैं साल 1986 में उन्होंने ऐसा कारनामा किया था, जिसने उनका नाम गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गया।

डिस्को के अलावा कई क्लासिकल गाने भी दिए

बप्पी दा के गानों की बात करें तो वैसे तो उन्हें डिस्को सॉन्ग के लिए जाना गया लेकिन बप्पी दा ने कई क्लासिकल गाने भी दिए। पग घुंघरू बांध गाने को ही देख लीजिए जिसमें बप्पी दा ने किशोर दा से 12 मिनट लंबा क्लासिकल गाना गंवाया, और आपको पता है किशोर दा इतना लंबा गाना सुनकर गुस्सा भी हो गए थे। बप्पी दा ने 'प्यार है बस यहीं' जैसे गानों से दिल के तार भी छुए थे। यह गाना साल 1986 में आई फिल्म शीशा का है। इस फिल्म में किशोर दा ने इस गाने के दो वर्जन गाए हैं, एक खुशी का है तो दूसरा आंखों में नमी लाने वाला है।

एक साल में दिया सर्वाधिक फिल्मों में म्यूजिक

बप्पी दा को टैलेंट की खान कहा जाता था और यह यूं ही नहीं कहा जाता था। उन्हें म्यूजिक से कितना प्यार था और वो उसमें किस कदर डूबे हुए थे, इसकी मिसाल 1986 में देखने को मिली। जानते हैं आप इस साल बप्पी लाहिड़ी ने 10-20 नहीं बल्कि पूरी 33 फिल्मों में म्यूजिक दिया था। बप्पी लाहिड़ी ने इन फिल्मों के लिए 180 गाने कम्पोज किए थे। इतने गाने कम्पोज करते ही उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गया।

जैकेट का शेष

30 साल बाद 'हुकुमचंद...

सचिव मलय श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री राघवेंद्र सिंह, प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीरज मंडलोई सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। जबकि इंदौर के कमिश्नर, कलेक्टर तथा पुलिस कमिश्नर बैठक में वर्चुअली शामिल हुए।

शाजापुर की 'रात-दिन' ...

का दिन भी सबसे सर्द रहा। यहां दिन का पारा 19.3 डिग्री रहा। छतरपुर के बिजावर में 6.6 और नौगांव में रात का पारा 7 डिग्री तक पहुंच गया है।

दतिया-उज्जैन में 20.4 डिग्री पर रहा दिन का तापमान: दतिया-उज्जैन में दिन का तापमान 20.4 डिग्री पर रहा। आधा दर्जन जिलों का छोड़कर पूरे प्रदेश में दिन का तापमान सामान्य से औसतन 1.5 डिग्री तक अधिक रहा है। वहीं, रात का पारा औसतन दो डिग्री तक अधिक रहा है। इससे दिन में सर्दी का असर काफी कम रहा। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी पश्चिमी विक्षोभ के असर और उत्तर-पूर्वी हवाओं के कारण नमी बढ़ रही है। इससे कहीं कहीं बादलों का असर है। धूप खिलने से दिन के तापमान में तेजी से बढ़त हुई है। भोपाल में दिन में तेज धूप और उत्तर पूर्वी हवाओं के कारण तापमान 5 डिग्री तक बढ़ा है।

आग ताप रहे परिवार...

आए जो हाथ में कट्टा, बंदूक, तलवार व लाठी लिए हुए थे। जिन्होंने पुरानी रंजिश पर से बंदूक से फायर करते दूसरे पक्ष के ऊपर जानलेवा हमला बोल दिया। जिससे गंभीर रूप से घायल हुई सरस्वती पति मलखान यादव(45) निवासी शेखपुर एवं रूपेंद्र पिता मुन्ना यादव निवासी यंचवाड़ा पथरिया जिला विदिशा की मौत हो गई। वहीं दो सगे भाई मलखान पिता जाहर सिंह यादव (45) एवं हरिसिंह पिता जाहर सिंह (40) निवासी शेखपुर के सिर में गंभीर चोट आने के कारण सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज सागर रेफर किया गया है। इसके अलावा पार्वती यादव (42), विमला यादव (40) एवं नरेश यादव भी घायल हुए हैं, इनका इलाज स्थानीय सिविल अस्पताल में चल रहा है।

पेज एक का शेष

देश अब दूसरा ...

मुकाबला करने की ज़रूरत है। अब दूसरा गाल आगे करने का तरीका नहीं चलने वाला है। अगर कोई सीमा पार आतंकवाद का अभ्यास कर रहा है तो आपको जवाब देना चाहिए। जयशंकर ने 26/11 हमले का जिक्र करते हुए कहा कि आज इस देश में क्या बदल गया है, मुझे लगता है कि मुंबई 26/11, मेरे लिए एक टर्निंग पॉइंट था, क्योंकि इससे पहले लोग भ्रम में थे। विदेश मंत्री के यह टिप्पणी जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में गुरुवार को सेना के वाहनों पर आतंकवादियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में चार सैनिकों की मौत के बाद आई है।

न्यूयॉर्क पुलिस...

पहुंचे प्रदान की गई थी। गुप्ता पर भारतीय अधिकारी के साथ मिलकर कथित तौर पर अमेरिका स्थित खालिस्तानी सरगना कार्यकर्ता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश का आरोप है।

सुरजेवाला की...

के प्रभारी भी हैं। छत्तीसगढ़ की प्रभारी कुमारी शैलजा को भी वहां से मुक्त कर उत्तराखंड का प्रभारी बनाया गया है। उनके स्थान पर सचिन पायलट छत्तीसगढ़ के प्रभारी बनाए गए हैं।

चुनाव घोषणा पत्र ...

के साथ आनंद शर्मा, जयराम रमेश, शशि थरूर सहित कई वरिष्ठों को शामिल किया गया है लेकिन मप्र से कमलनाथ-दिग्विजय सिंह सहित किसी वरिष्ठ नेता को इसमें जगह नहीं दी गई। इनके स्थान पर युवा ओंकार सिंह मरकाम को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। ओंकार युकां के प्रदेश अध्यक्ष और कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में मंत्री रह चुके हैं।

एयर इंडिया को...

इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा। इसी के साथ यह भारत का पहला एयरबस ए 350 एयरक्राफ्ट भी बन गया है। एयरक्राफ्ट (विमान) को वीटी-जेआरए के रूप में रजिस्टर किया गया है। यह एयरक्राफ्ट टूलूज़, फ्रांस में एयरबस फैसिलिटी रवाना होने के बाद दोपहर 1.46 बजे दिल्ली पहुंचा। एयर इंडिया की वरिष्ठ कमांडर कैप्टन मोनिका बत्रा वैद्य, जो ए 350 पर प्रशिक्षित होने वाले पहले कुछ भारतीय पायलटों में से हैं, एक पर्यवेक्षक के रूप में विमान में शामिल थीं।

जनवरी 2024...

स्तर पर परिचालन होगा, इसके बाद महाद्वीपों के गंतव्यों के लिए लंबी दूरी की उड़ान भरेगा। इसमें 316 सीटें, फुल-फ्लैट बेड के साथ 28 निजी बिजनेस क्लास सुइट्स, अतिरिक्त लेगरूम और कई अन्य विशिष्ट सुविधाओं के साथ 24 प्रीमियम इकोनॉमी सीटें और 264 विशाल इकोनॉमी सीटें हैं।

1 अरब 61 करोड़...

दिनांक से भुगतान दिनांक तक ब्याज सहित यह राशि कुल 250 करोड़ देनी होगी। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (वाणिज्यिक) बीआर यादव की अदालत ने सीनियर एडवोकेट शिरीष श्रीवास्तव द्वारा दावत फ़ूड्सलिमिटेड मण्डीदीप की ओर से दायर किए गए मुआवजा मामले की सुनवाई के बाद यह आदेश दिए हैं। एडवोकेट शिरीष श्रीवास्तव ने बताया कि मुआवजा मामले में सबसे बड़ी राशि का यह आदेश भोपाल जिला अदालत के इतिहास में दूसरी बार दिया गया है। जिला अदालत द्वारा मुआवजा मामले में पहला आदेश यूनियनकार्बाईड कारखाना की गैस रिसन दुर्घटना के मामले में दिया गया था। एडवोकेट शिरीष श्रीवास्तव ने बताया की वाद दावत फ़ूड्स प्रायवेट लिमिटेड की मंडीदीप स्थित फैक्ट्री परिसर में 7 जून 2014 को हुए अग्निकांड के कारण हुई क्षति से संबंधित क्षतिपूर्ति का दावा ओरिएण्टल इन्श्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा निरस्त कर दिया था। इन्श्योरेंस कंम्पनी ने उपरोक्त अग्निकाण्ड को दुर्घटना न मानते हुए स्वयं वादी के द्वारा लगाई आग के आधार पर आपराधिक कृत्य मानते हुए निरस्त किया था। इन्श्योरेंस कंम्पनी द्वारा क्षतिपूर्ति का दावा निरस्त किए जाने के पश्चात दावत फ़ूड्स की ओर से उन्होंने अपर जिला न्यायाधीश (वाणिज्यिक) की अदालत में यह मामला दायर किया था। उक्त प्रकरण में वादी कंपनी के 15 गवाहों और इंश्योरेंस कंपनी के 5 गवाहों के बयान न्यायालय के समक्ष दर्ज कराए सीनियर एडवोकेट शिरीष श्रीवास्तव के साथ ही एडवोकेट अजय सिंह चौहान, अंकुर पाण्डेय, देवेंद्र मीना, शिल्पा यादव और रेणु दुबे ने इस मामले में पैरवी की।

ई-नगर पालिका...

निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार एमपीएसईडीसी तथा विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में सिस्टम को दोबारा चालू करने का काम किया जा रहा है। मंगलवार को ई-नागरिक सेवाओं को दोबारा बहाल कर दिया जाएगा। सॉफ्टवेयर के सर्वर को बंद करने के कारण प्रॉपर्टी टैक्स, मैरिज सर्टिफिकेट, वाटर कनेक्शन, बिल भुगतान के साथ ट्रेड लाइसेंस की सेवाएं प्रभावित रहेंगी। यह सेवाएं 413 में से 412 नगरीय निकाय में सोमवार या मंगलवार तक बहाल हो सकेंगी।

'बंपर जीत' और...

खासकर प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की पीठ थपथपाई है। शाह ने प्रदेश भाजपा द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए अन्य राज्यों को भी इससे सीख लेने की सलाह दी है। राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में शाह ने वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रदेश भाजपा की तारीफ करते हुए कहा कि हमें यहीं नहीं रुकना बल्कि लोकसभा चुनाव में यह प्रतिशत 51 तक पहुंचाने के लिए प्रयास करते रहना है। उन्होंने मप्र में बूथ प्रबंधन की कुशलता की सराहना करते हुए कहा कि वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए कारगर प्रयास किए गए। शाह ने इस बात के लिए भी तारीफ की कि मतदान के दिन सुबह 6 बजे से जागकर कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया गया और ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाने के प्रयास किए गए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा की बंपर जीत में प्रदेश के बूथ मॉडल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

हरिभूमि क्लासीफाइड

आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। - व्यावस्थापक

आवश्यकता

Fraud कॉल से सावधान Reliance jio 5G कंपनी में पार्ट/ फुलटाईम घर बैठे SMS Job करके लड़के/लड़कियां, गृहणियां, कमाए (21,500-67,500) महीन लैपटॉप मोबाइल मुक्त नाम पता Whatsapp करें 6296026501 R- 23/12 to 29/12/23

!!नववर्ष नौकरी सुनहरा अवसर!! आयुर्वेदिक कंपनी में शिक्षित/ बेरोजगार जरूरतमंद लड़के- लड़कियाँ हाउसवाइफ पार्टटाइम / फुलटाइम घर बैठे दवाई पैकिंग करके 30,500/- से 35,500/- महीना कमाएं अपना रोजगार बढ़ाएं (जरूरमंद लोग ही Whatsapp / कॉल करें) NOC-2150/- +91 85830 47417 B- 22/12 to 26/12/23

WANTED ENGINEERS. A reputed company in Pune requires Apprentice Mechanical Engineers and Mechanical Engineers with 1 - 2 years experience in Production and Quality Assurance. Call 9822301629 or send resume at ajaykaul01@gmail.com. R- 22/12 to 26/12/23

वैवाहिकी

परिचय सम्मेलन

परिचय सम्मेलन- परिचय सम्मेलन युवा अग्रवाल मंच द्वारा 06-07 जनवरी 2024 को रायपुर में आयोजित अ. भा. एजुकेटेड परिचय सम्मेलन में सहभागिता करें www.cqyuvaagrawal.com संपर्क करें- 7974442355 (434)

वर चाहिए

वर चाहिए
छत्तीसगढ़िया कश्यप कुर्मी कन्या हेतु स्वजाति (सभी गोत्र मान्य) सरकारी नौकरी अथवा समकक्ष, सुसंस्कृत घराना वर चाहिए। जन्म 9.12.99, गोरी 5 फुट BA, LLB सम्पूर्ण बायोडाटा व्हाट्सएप करें
-सम्पर्क करें-
6261083694

वर चाहिए-कान्यकुब्ज ब्राह्मण जन्म 1993 ग्वा. सुंदर आदि नाड़ी 29/ 6'-1" एचएम. (LPU) पीजीडीएम फ्रंट ऑफिस मैनेजर एम.एन.सी दिल्ली 8 लाख (पिता क्लास वन शास. म.प्र.) कार्यरत हेतु सुंदर सुशील समकक्ष कार्यरत वधू चाहिए (सभी ब्राह्मण मान्य) संपर्क करें-9424767409 (2361)

वर चाहिए-24 वर्षीय जाति कुर्मी, गोत्र-कश्यप, बी.ए. उत्तीर्ण कन्या रंग गोरा, ऊंचाई 5'3'' हेतु शिक्षित नौकरी पेशा छ.ग. वासी वर चाहिए संपर्क करें-7974634251, 8827909058 (32207)

वधु चाहिए

वधु चाहिए- 26 वर्षीय जाति कुर्मी, गोत्र-कश्यप 10 वीं पास लड़का, रंग गोरा, ऊंचाई 5'3'' प्रायवेट जॉब 10 हजार महीना के लिए स्वजातीय सुशिक्षित छ.ग. वासी वधु चाहिए संपर्क करें 7974634251, 8827909058 (32206)

वधु चाहिए
32 वर्षीय युवक (स्वयं का फार्म हाउस, कृषि भूमि, समपन्न परिवार) हेतु 20 से 35 वर्षीय वधु चाहिए। तलाक शुदा, विधवा भी मान्य। जाति बन्धन नहीं।
छत्तीसगढ़ निवासी को प्राथमिकता।
सम्पर्क करें
6266929470

वधु चाहिए
जैन दिगंबर वधु चाहिए जैन उम्र 28 वर्ष कद 5 फीट 2 इंच 12वीं पास युवक हेतु सजातीय वधु चाहिए
संपर्क करें
8839484995
9926110737

Medical Help Line

विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

स्वयं की वर्षों की रिसर्च 100% कारागर इलाज
सफेद दाग CURE CENTRE
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M : 9425006131
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

हरिभूमि
आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार, जाहिर सूचना
@Rs. 1200/-
साइज (फिक्स) 10X4 cm
अन्य साईज में
@Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2022 से लागू

राशिफल

मेष — मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह — शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन — शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

शब्द पहेली - 5373

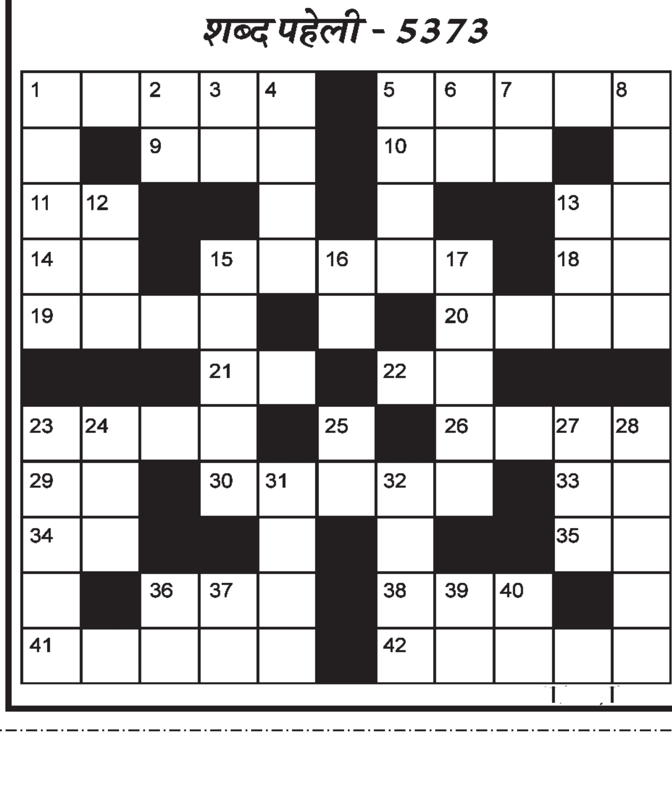

बाएँ से दाएँ
1. मन मोहने वाला-5
5. प्रस्थान करना,रवानगी-5
9. राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10. तेल में पकाना-3
11. प्रेम,प्यार-2
13. थोड़ा,जरा-2
14. मैं का बहुवचन-2
15. उम्मीद करना-5
18. धन,संपदा-2
19. पक्षियों की चहचहाट-4
20. अभिप्राय-4
21. सद्,अच्छा-2
22. दम,ताकत-2
23. प्रकाशवान-4
26. ठसाठस-4
29. माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30. क्रोधित होना-2,3
33. विदेशी शराब-2
34. झुका हुआ-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. आखेट मंच-3
38. खुजली-3
41. मनमोहकता-5
42. नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. आकर्षक.चिताकर्षक-5
2. वैक्स,मधुज-2
3. अधिकार-2
4. फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5. जागरण-4
6. दीवार (अंग्रेजी-2)
7. मां के पिता-2
8. असफल-5
12. गर्भ,कोख-3
13. करामात-3
15. खातिरदारी -5
16. उद्देश्य-2
17. नामकरण-2,3
23. भूस्वामी-2,3
24. सही का विलोम-3
25. मृत्यु-2
27. इमामदस्ता-3
28. कांतिमान, चमकीला-5
31. उदारता,बड़प्पन-4
32. मालगोदाम-4
36. रत्न,नग-2
37. टी,चहा-2
39. याचिका,वाद (अंग्रेजी-2)
40. वहम,संदेह-2

शब्द पहेली -5372 का हल

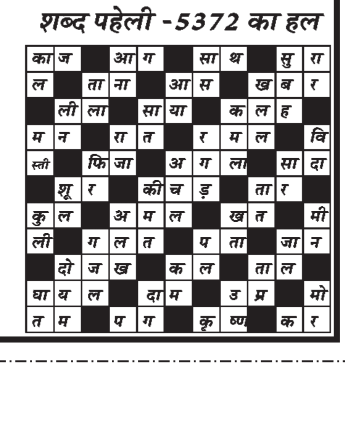

सूडोकु नवताल - 5383

* ☆☆☆☆ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5382 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

रोलर कोस्टर बाजार का तोड़ हैं मल्टी एसेट फंड

बिजनेस डेस्क

इन दिनों शेयर बाजार में अच्छे दिन नहीं चल रहे दिखते हैं। किसी दिन बाजार झूम जाता है तो किसी दिन बिकवाल हावी हो जाते हैं। शेयर बाजार की इस अस्थिरता से ज्यादातर निवेशक खुश नहीं होते हैं। हालांकि निवेशक चाहे तो इससे अपने इनवेस्टमेंट को एक तरह से शील्ड दे सकते हैं। ऐसी स्थिति से बचने का उपाय है एसेट क्लास में महत्वपूर्ण डायवर्सिफिकेशन। एसेट क्लास अपने खुद के चक्रों का पालन करते हैं, और उनके उतार-चढ़ाव की भविष्यवाणी करना कभी आसान नहीं होता है। लेकिन, मल्टी एसेट फंड के जरिए इस स्थिति से निबटने में ज्यादा आसानी होगी। हालांकि मल्टी एसेट फंड से भी सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए इनवेस्टर्स को कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी होता है। आज हम इन्हीं सावधानी की चर्चा कर रहे हैं।

ऐसे में क्या करें निवेशक

छोटे या रिटेल इनवेस्टर ऐसी स्थिति में डर जाते हैं। शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि ऐसे में निवेशकों को सीजन एसेट क्लास के फ्लेवर के झांसे में नहीं आना चाहिए। इसके बजाय अपने पोर्टफोलियो के लिए एक संतुलित एसेट एलोकेशन स्ट्रेटेजी का पालन करना चाहिए। यही वह जगह है जहां मल्टी एसेट म्यूचुअल फंड फिट बैठते हैं और निवेशकों के लिए सबसे अच्छा अवसर प्रदान करते हैं। यह देखते हुए कि इक्विटी बाजारों में सुधार जितना दिखता है उससे कहीं ज्यादा अच्छा हो सकता है।

सेबी का नियम क्या कहता है

बाजार के जानकारों का कहना है कि मल्टी एसेट फंड हाइब्रिड फंड हैं। सेबी के नियमों के मुताबिक, फंड हाउसों को अपने फंड का न्यूनतम 10% कम से कम तीन एसेट क्लास में निवेश करना होगा। इन तीन एसेट क्लास में घरेलू और इंटरनेशनल इक्विटी, डेट और कमोडिटी का मिला जुला क्लास हो सकता है। इस तरह की रणनीति के लिए सभी एसेट क्लास में निवेश की जरूरत होती है। बाजार की अस्थिरता के बावजूद इस निवेश को स्थिर रखा जाना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

जानकारों के मुताबिक मल्टी एसेट फंड से सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए निवेशकों को इन 3 बातों को ध्यान में रखना चाहिए। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान प्राप्त कर पाएंगे।

- पहला यह कि वह इस बात को सुनिश्चित करें कि फंड लेबल के अनुरूप है और एसेट आवंटन मिश्रण में बदलाव नहीं है। उदाहरण के तौर पर निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड घरेलू और विदेशी इक्विटी, कमोडिटी और डेट में 50:20:15:15 के निवेश अनुपात को कभी नहीं बदला है।। इस तरह का अनुशासित निवेश दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि निवेशक हमेशा लाभ में रहें।
- दूसरा, ऐसा फंड चुनना चाहिए जिसका अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में भी निवेश हो। उदाहरण के लिए निप्पॉन मल्टी एसेट फंड जो चार परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करता है और कॉर्पस का 20% हिस्सा अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में जाता है। सुंदरम, इनवेस्को और एक्सिस जैसे मल्टी एसेट फंड भी बाजारों में निवेश करते हैं।
- तीसरा-मल्टी एसेट फंड में निवेश करने का तीसरा फायदा निवेशकों को मिलने वाला इंडेक्सेशन का लाभ है। इंडेक्सेशन आपको फंड से ज्यादा प्राप्त करने में मदद करता है क्योंकि निवेश के मूल्य की गणना महंगाई जैसे कारकों को ध्यान में रखकर की जाती है और इससे आपको अधिक लाभ मिलता है।

एक साल में क्या रहा रिटर्न

पिछले एक साल में मल्टी एसेट फंड ने अच्छा रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड 15.72% रिटर्न के साथ सबसे आगे है। उसके बाद 13.85% के साथ मोतीलाल ओसवाल और 13.74% के साथ एचडीएफसी मल्टी एसेट फंड है। टाटा मल्टी एसेट फंड का रिटर्न इस दौरान 12.71% रहा है। मतलब कि सभी फंड हाउस ने 12 फीसदी से ज्यादा का ही रिटर्न दिया है।

इंडेक्स फंड्स भी दे सकते हैं फायदा, ध्यान से करें निवेश

- पिछले 1 साल में दिया 24% तक का रिटर्न
- निवेशक के लिए पंसद बनकर उभरे ये फंड
- एसआईपी के जरिये शुरू करें निवेश
- फिर धीरे-धीरे इसे बढ़ाते जाएं

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी इन दिनों म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो एक बार बाजार पर भी नजर डाल लें और सावधानीपूर्वक पूरी जानकारी जुटाकर और अपने रिस्क को ध्यान में रखकर निवेश की ओर कदम बढ़ाए। बाजार में आपको हर तरह के शेयर मिलेंगे, लेकिन आप ध्यान से एक बार सभी अध्ययन कर उतरेंगे तो आसानी मोटा मुनाफा कमा सकते हैं। इसलिए जब भी बाजार में उतरें, पहले अपने लक्ष्य तय करें और रिस्क को देखकर ही पैसे लगाएं। वरना आप फायदे की जगह नुकसान का भी सामना कर सकते हैं। बाजार के जानकारों की मानें तो इस समय निवेशकों के लिए इंडेक्स फंड अच्छा ऑप्शन हो सकता है। जो निवेशक म्यूचुअल फंड में निवेश करके कम से कम जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न चाहते हैं, उनके लिए इंडेक्स फंड सबसे बढ़िया विकल्प माने जाते हैं, पिछले एक साल में इन फंडों ने 20 से 24 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। इस कैटेगिरी के कई फंड्स ने बीते 1 साल में 21% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। इसके अलावा एक्सपर्ट्स के अनुसार अगले 4 साल शेयर बाजार में सालाना 20% बढ़त देखने को मिल सकती है। ऐसे में निफ्टी 50 या सेंसेक्स 30 में भी अच्छी तेजी देखने को मिलेगी। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे इंडेक्स फंड के बारे में जो निवेशकों के लिए समय पहली पसंद साबित हो रहे हैं। इन दिनों इंडेक्स फंड में आप भी निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं और खुद को आर्थिक रूप से समृद्ध बना सकते हैं।

इन फंड्स ने दिया बेहतर रिटर्न

फंड का नाम	1 साल	3 साल	5 साल
यूटीआई निफ्टी इंडेक्स फंड	21.86%	18.17%	13.80%
एक्सिस 50 निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स	21.75%	-	-
आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड	20.60%	17.70%	12.80%
एसबीआई निफ्टी इंडेक्स फंड	17.10%	16.60%	14.80%
आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी इंडेक्स फंड	17.20%	16.70%	15.10%

एक्सपेंस रेश्यो रहता है कम

इंडेक्स फंड में निवेश करने का खर्च अपेक्षाकृत कम होता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि अन्य प्रत्यक्ष रूप से प्रबंधित म्युचुअल फंडों में जहां एसेट मैनेजमेंट कंपनी तकरीबन 2% तक शुल्क वसूलती हैं, वहीं इंडेक्स फंडों का शुल्क बहुत कम यानी कि तकरीबन 0.5% से 1 के बीच होता है। अस तरह से इंडेक्स फंड में एक्सपेंस रेश्यो कम रहता है जो एक तरह से निवेशक को लाभ ही देता है।

डाइवर्सिफिकेशन का मिलता है लाभ

इंडेक्स फंड से निवेशक अपना पोर्टफोलियो डाइवर्सिफाई कर सकते हैं। इससे नुकसान की संभावना घट जाती है। अगर एक कंपनी के शेयर में कमजोरी आती है तो दूसरे में ग्रोथ से नुकसान कवर हो जाता है। इसके अलावा इंडेक्स फंडों में ट्रैकिंग एरर कम होता है। इससे इंडेक्स को इमेज करने की एक्यूरेसी बढ़ जाती है। इस तरह रिटर्न का सटीक अनुमान लगाना आसान हो जाता है।

कितना देना होता है टैक्स?

12 महीने से कम समय में निवेश भुनाने पर इक्विटी फंड्स से कमाई पर शार्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। यह मौजूदा नियमों के हिसाब से कमाई पर 15% तक लगाया जाता है। अगर आपका निवेश 12 महीनों से ज्यादा के लिए है तो इसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स माना जाएगा और इस पर 10% ब्याज देना होगा। हालांकि अगर आपका एलटीसीजी 1 लाख से कम है तो आपको इस पर कोई टैक्स नहीं देना होता है।

किसके लिए सही हैं इंडेक्स फंड

इंडेक्स फंड उन निवेशकों के लिए सही हैं जो कम रिस्क के साथ शेयरों में निवेश करना चाहते हैं। इंडेक्स फंड ऐसे निवेशकों के लिए बेहतर है जो रिस्क कैलकुलेट करके चलना चाहते हैं, भले ही कम रिटर्न मिले। जानकारों का कहना है कि इन फंडों में भले ही आपको रिटर्न कम मिले, लेकिन आपका पैसा सुरक्षित रहता है और अच्छा लाभ भी मिलता है।

एसआईपी के जरिए निवेश करना सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने के बजाए सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है, क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता।

■ बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करने में सक्षम ■ ये फंड इक्विटी और डेट दोनों विकल्पों में लगाते हैं निवेशों के पैसे ■ रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए बेहतर विकल्प ■ निवेशकों के लिए कमाई का बढ़िया जरिया, निवेशकों के लिए आदर्श ■ शेयर बाजार बढ़त पर कर रहे मालामाल, सावधानी से बढ़ाएं कदम ■ कोई निवेश बिना जोखिम वाला नहीं होता, हर किसी के फायदे-नुकसान

कम रिस्क में भी ज्यादा रिटर्न दे सकते हैं बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार में झमाझम पैसा बरस रहा है। लनगभग सभी कंपनियों के शेयर अच्छा मुनाफा दे रहे हैं, निवेशक मालामाल हो रहे हैं। ऐसे में हर कोई निवेश के लिए तैयार है, लेकिन आप थोड़ी सावधानी के साथ निवेश के लिए बाजार में उतरें तो आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है। इस समय म्यूचुअल फंड में निवेश करना बेहतर है। ये फंड आपको कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दे सकते हैं और आप आसानी से मालामाल हो सकते हैं। म्यूचुअल फंड इनवेस्टर से लेकर विदेशी निवेशक तक इस समय सभी खुश हैं। वैसे भी म्यूचुअल फंड (एमएफ) के अधिकतर इनवेस्टर शेयर बाजार के इकोनोमिक्स को सही सही नहीं समझते हैं। तब भी वे बाजार की तेजी में हिस्सेदार बनते हैं। दरअसल, म्यूचुअल फंड निवेश बाजार की बात करें तो निवेशकों का प्राथमिक लक्ष्य अपने निवेश पर बेहतर रिटर्न हासिल करना है। लेकिन कुछ बातों पर ध्यान रखें तो वे म्यूचुअल फंड से भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड का बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। शेयर बाजार के बारे में कहा जाता है कि यहां कोई भी निवेश बिना जोखिम वाला नहीं है, हर निवेश के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं, लेकिन म्यूचुअल फंड का बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। इससे उन्हें महत्वाकांक्षी म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

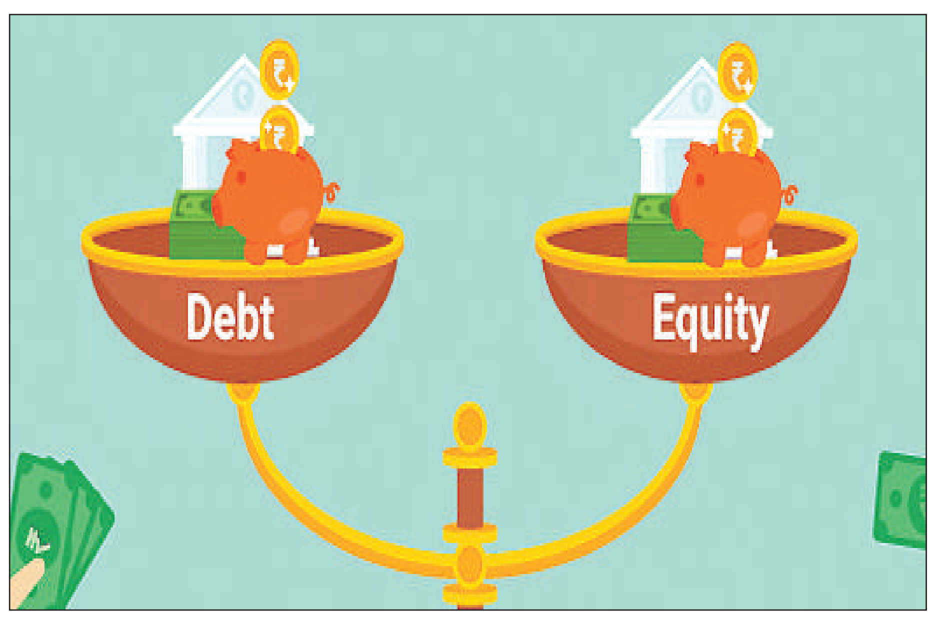

कम जोखिम और हाई रिटर्न

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड जोखिम और रिवार्ड के बीच एक संतुलन हासिल करने की अपनी क्षमता के लिए पॉपुलर होते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों तरह के विकल्पों में रणनीतिक रूप से निवेश करते हैं। ये फंड डेट विकल्पों में निवेश के माध्यम से स्थिरता प्रदान करते हैं, जबकि इक्विटी में निवेश के जरिए पूंजी में तेज बढ़ोतरी की क्षमता प्रदान करते हैं। यही संतुलन बाजार की अस्थिरता के प्रभाव को कम करते हुए मजबूत रिटर्न प्राप्त करने का बेहतर तरीका है।

लंबी अवधि के निवेश लक्ष्य को पूरा करने वाला विकल्प

चाहे आपका लक्ष्य सेवानिवृत्ति के लिए फंड जुटाना हो, अपने बच्चे की शिक्षा के लिए फंड जुटाना हो, या कोई अन्य दीर्घकालिक उद्देश्य पूरे करने के लिए फंड जुटाना हो, बैलेंस्ड एडवांटेज फंड आपको उस लक्ष्य पूरा करने में मदद कर सकते हैं। उनका सक्रिय प्रबंधन और बेस्ट रिटर्न देने की क्षमता उन्हें महत्वाकांक्षी वित्तीय लक्ष्य बनाने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है।

यह है बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

दरअसल यह म्यूचुअल फंड का एक ऐसा उत्पाद है, जो इक्विटी और डेट दोनों का मिला जुला होता है। बाजार की स्थितियों, ब्याज दरों और व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर इक्विटी और डेट के बीच बैफ में बदलाव होते रहता है। यह बाजार के हालात से निवेशकों का बचाव करता है. बाजार चाहे गिरा हुआ हो या नई ऊंचाइयों पर हो, नया संतुलन हो जाने से निवेशकों के लिए ये फंड जोखिम को कम कर देते हैं। जब बाजार को प्रभावित करने वाले कारकों में तेजी से बदलाव हो रहा हो, तब एक आम निवेशक के लिए उसके हिसाब से अपने पोर्टफोलियो को समायोजित करते रह पाना मुश्किल हो जाता है। जैसे मौजूद हालात को देखें तो दुनिया साल भर से ज्यादा समय से पूर्वी यूरोप में युद्ध की स्थिति से जूझ रही है। ग्लोबल इकोनॉमी के ऊपर मंदी का खतरा है। महंगाई और उसके कारण लगातार बढ़ते ब्याज दरों का दबाव है। ऐसे माहौल में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बैलेंस्ड एडवांटेज जैसे फंड ने पिछले एक दशक से भी अधिक समय में इक्विटी या डेट में एंट्री-एक्जिट को अच्छे से मैनेज किया है। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की यह रणनीति होती है कि जब बाजार नीचे हो तो सस्ते में शेयर खरीदे जाएं और जब बाजार ऊपर हो तो उसे महंगे में बेचकर निकल जाएं। इससे निवेशकों को महंगे बाजारों के दौरान मुनाफा कमाने में मदद मिलती है। ध्यान देने वाली बात यह है कि इन फंडों का शुद्ध इक्विटी एक्सपोजर 30 फीसदी के स्तर तक नीचे जा सकता है, लेकिन आम तौर पर इक्विटी में निवेश 65 फीसदी और उससे अधिक पर बनाए रखा जाता है।

बेहतर विकल्प क्या हैं

बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर आप ऐसे निवेश की तलाश कर रहे हैं जो जोखिम समायोजित बेहतर रिटर्न की संभावना प्रदान करता है, तो बैलेंस्ड एडवांटेज फंड आपके लिए बेहतर विकल्प हो कसता है। इसके अलावा किसी और विकल्प के बारे में विचार न करें। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड निवेश का एक ऐसा जरिया है, जिसमें जोखिमों को प्रभावी ढंग से मैनेज (प्रबंधित) करते हुए बेहतर रिटर्न प्रदान करने की क्षमता होती है। पिछले कई सालों से देखा भी जा रहा है कि बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने निवेशकों को कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दिया है। इस योजना में निवेशक आराम से निवेश कर अपनी पूंजी को बढ़ा सकते हैं।

बेहतर रिटर्न के लिए डायनमिक अलोकेशन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की सबसे खास विशेषताओं में से एक उनका डायनमिक एसेट अलोकेशन है। कुशल फंड मैनेजर लगातार बाजार की स्थितियों पर नजर रखते हैं और इक्विटी व डेट के बीच फंड के आवंटन को उसी अनुसार समायोजित करते हैं। जब बाजार में तेजी होती है, तो वे इक्विटी में निवेश बढ़ाते हैं, और बाजार में गिरावट के दौरान, वे डेट इन्वेस्टमेंट के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह सक्रिय प्रबंधन निवेशकों को अवसरों का लाभ उठाने और बाजार के चुनौतीपूर्ण चरणों से निपटने में मदद करता है, जिससे संभावित रूप से अधिकतम रिटर्न मिलता है।

दौलत बढ़ाने के लिए बेहतर प्रदर्शन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की पहचान लंबी अवधि में लगातार रिटर्न देने की उनकी क्षमता है। यह स्थिरता उन निवेशकों को आकर्षित कर रही है जो अपने रिटर्न में पूर्वानुमान के स्तर को बनाए रखते हुए अपनी संपत्ति में लगातार बढ़ोतरी करना चाहते हैं। फंड का स्थिर प्रदर्शन समय के साथ सर्वोत्तम रिटर्न हासिल होने की संभावना में योगदान देता है।

हायर नेट रिटर्न के लिए टैक्स दक्षता

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड को टैक्स बेनेफिट देने के लिए डिजाइन किया गया है। जब वे संपत्ति का 65% से अधिक इक्विटी में आवंटित करते हैं, तो इन पर इक्विटी फंड की तरह टैक्स लगता है। परिणामस्वरूप टैक्स देनदारी कम हो सकती है, विशेष रूप से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स के लिए, जिससे निवेशकों को अपने रिटर्न का एक बड़ा हिस्सा बनाए रखने की अनुमति मिलती है।

डायवर्सिफिकेशन को आसान बनाया गया

डाइवर्सिफिकेशन हासिल करना जटिल हो सकता है, लेकिन बैलेंस्ड एडवांटेज फंड इस प्रक्रिया को सरल बनाते हैं। इन फंडों में निवेश के जरिए आपका पोर्टफोलियो डायवर्सिफाइड हो जाता है, क्योंकि ये अलग अलग एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इससे न सिर्फ जोखिम कम करने में मदद मिलती है, बल्कि कई सेक्टर और एसेट क्लास (परिसंपत्ति वर्गों) का लाभ उठाकर सर्वश्रेष्ठ रिटर्न की संभावना भी बढ़ाता है।

रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए भी म्यूचुअल फंड पर बढ़ा भरोसा

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट की बात करें तो कुछ साल पहले यह भारतीयों के फाइनेंशियल प्लानिंग में प्राथमिकता नहीं थी। इसकी बजाए बहुत से लोग अपने दूसरे लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्लानिंग करते थे, लेकिन अब ट्रेंड बदल रहा है। रिटायरमेंट भारतीयों के लिए अब तेज गति से वित्तीय प्राथमिकता बन रही है और ज्यादा से ज्यादा लोग अब अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में इसे तरजीह दे रहे हैं। रिटायरमेंट को फाइनेंशियल प्लानिंग में ऊपर रखने के मामले में भारत 2023 के एक सर्वे के अनुसार दुनिया में छठे स्थान पर पहुंच गया है, जो 2020 में 8वें स्थान पर था। एक सर्वे में ये बातें सामने आई हैं। इस सर्वे के अनुसार पहले रिटायरमेंट मुख्य रूप से परिवार के दायित्वों को पूरा करने को लेकर जुड़ा था, लेकिन पिछले कुछ साल में, इसकी परिभाषा आत्म-सम्मान और खुद की पहचान की तलाश तक पहुंच गई है। यानी अब लोग रिटायरमेंट के बाद भी वर्किंग ईयर की तरह बेहतर लाइफ जीना चाहते हैं। आज, भारतीय अपनी जरूरतों या इच्छाओं से समझौता किए बिना अपने फाइनेंस पर नियंत्रण चाहते हैं, जिसके लिए बेहतर रिटायरमेंट प्लानिंग बहुत जरूरी है।

इन पहलुओं पर विचार

पॉजिटिव पहलू

पॉजिटिव पहलू यह है कि धन को अप्रत्याशित/अपेक्षित जरूरतों के प्रति 'सुरक्षा जाल' के रूप में माना जाता है। इसे अपनी फैमिली के प्रति अपने कमिटमेंट को पूरा करने के लिए 'सक्षम बनाने वाला' और सामाजिक सम्मान और गौरव चाहने वालों के लिए 'सक्षम होने का प्रतीक' माना जाता है। महामारी के बाद, यह 'स्वतंत्रता की तलाश' के नए आकार में विकसित हुआ है–यानी अपनी लाइफ स्टाइल और जरूरतों से समझौता किए बिना जिम्मेदारियों को पूरा करना। इन जरूरतों और जिम्मेदारियों में बड़ा घर बनाना, बच्चों के लिए क्वालिटी एजुकेशन से लेकर फैशन, तकनीक, साज-सज्जा विकल्पों, छुट्टियों आदि के माध्यम से लाइफ स्टाइल को बेहतर बनाना शामिल है।

निगेटिव पहलू

निगेटिव पहलू यह है कि पैसा बनाने और उसे मैनेज करने को लेकर लोगों के कमिटमेंट और जिम्मेदारियों को पूरा करने की क्षमता पर सीधा प्रभाव पड़ता है। निगेटिव पहलू में, अगर कोई विशेषज्ञता की कमी या बढ़ते फाइनेंशियल डिजिटल वर्ल्ड को अपनाने में असमर्थता/देरी होने के कारण अपने पैसे को अच्छी तरह से मैनेज करने में असमर्थ है–तो इससे सामाजिक शर्मिंदगी, कम आत्मसम्मान और/या कमी की भावना पैदा हो सकती है।

भारतीय निवेशक फिक्स्ड इनकम और बीमा को दे रहे प्राथमिकता, ईटीएफ की तुलना में एमएफ आकर्षण बढ़ा

- व्यक्तिगत आय में बढ़ोतरी के साथ लोगों की आय में से कर्ज और देनदारियों के लिए अलोकेशन बढ़ रहा है। भारतीय अपने धन का 59 फीसदी घरेलू खर्चों के लिए और 18 फीसदी लोन चुकाने के लिए रख रहे हैं, जो 2020 के मुकाबले ज्यादा है।
- लोगों द्वारा पूंजी के निर्माण की दिशा में एक प्रयास किया जा रहा है, जहां कुल आय का 5 फीसदी स्किल डेवलपमेंट या एजुकेशन लोन के लिए अलोकेट किया जाता है।
- 48 फीसदी ने बताया कि महामारी के कारण सोच, व्यवहार और वित्तीय योजना में बदलाव आया। -भारतीय वित्तीय रूप से अधिक जागरूक, योजना बनाने वाले और अनुशासित हो गए हैं।
- अब कम आय के साथ, अधिक रिटर्न जेनरेट करने और वित्तीय रूप से सुरक्षित रहने पर अधिक ध्यान है। जैसे-जैसे आय बढ़ रही है, लोगों की प्राथमिकता अपने वर्तमान वर्किंग प्लेस में उच्च पद तक पहुंचना और पैसिव इनकम के सोर्स विकसित करने जैसे अन्य पहलुओं को दी जा रही है।

- पहचान' और 'आत्म-सम्मान' अब केवल भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को पूरा करने तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि खुद की देखभाल करना और जानने तक भी बढ़ रहा है।
- महामारी के बाद, भारतीयों ने पारिवारिक सुरक्षा के अलावा, मेडिकल इमरजेंसी और रिटायरमेंट योजना जैसी लंबी अवधि के लक्ष्य पर अधिक जोर देना शुरू कर दिया है।
- महामारी के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित 'आय के वैकल्पिक सोर्स की कमी' के बारे में चिंता करने वालों की संख्या साल 2020 में 8% से बढ़कर 2023 में 38% तक पहुंच गई है।
- महामारी के बाद, 'महंगाई' व 'आर्थिक मंदी' रिटायरमेंट के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित चिंताओं की टॉप लिस्ट में आ गए।
- करीब 67 फीसदी भारतीयों का कहना है कि वे रिटायरमेंट के लिए तैयार हैं, जिससे उन्हें काम और जीवन के बारे में पॉजिटिव सोच मिलती है, जिन लोगों ने अपनी रिटायरमेंट की योजना बनाई है, वे आमतौर पर इसे 33 साल की उम्र के आसपास शुरू करते हैं और जिन्होंने नहीं किया है, वे 50 की उम्र में शुरू करने का इरादा रखते हैं।
- 2020 में 10% की तुलना में 2023 में 23% लोगों को सीधे इक्विटी/शेयर और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की तुलना में म्यूचुअल फंड ज्यादा आकर्षक दिख रहा है। सर्वे के अनुसार भारतीय निवेशक अभी भी फिक्स्ड इनकम विकल्पों और बीमा को प्राथमिकता देते हैं।
- बदल रही लाइफ स्टाइल और मैक्रो-इकोनॉमिक स्थितियों के साथ, भारतीयों को लगता है कि उन्हें अपने रिटायरमेंट फंड बनाने अपनी सालाना आय का 10-12 गुना चाहिए, जो 2020 के सर्वेक्षण में 8-9 गुना था।

वित्तीय सुरक्षा को लेकर सजग

आय का वैकल्पिक सोर्स होने से रिटायरमेंट के लिए तैयारी की भावना काफी बढ़ जाती है। सर्वे में भाग लेने वाले 36 फीसदी में से जिनके पास वैकल्पिक आय के सोर्स हैं, उनमें से 42 फीसदी ऐसे हैं, जिन्हें फाइनेंशियल एसेट्स में निवेश से अतिरिक्त आय होती है। अब हर कोई अपनी वित्तीय सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से सजग है। जिनके पास रिटायरमेंट योजना है, उनमें से सिर्फ 10 फीसदी ही रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर से उचित फाइनेंशियल प्लानिंग को लेकर सेवाएं चाहते हैं।

संसद के शीतकालीन सत्र का सत्रावसान हो गया है, लेकिन इस सत्र के दौरान घटित 'कृत्य' ने कई सवाल छोड़ गए हैं। इस सत्र के दौरान संसद पर हमले की बरसी के दिन धुआं कांड हुआ, जिससे संसद की सुरक्षा पर सवाल उठे। स्मोक बम के अलावा अगर सच में कोई विस्फोटक होता तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी। खैर, आरोपी गिरफ्तार हैं व जांच जारी है। धुआं कांड को विपक्ष ने इस कदर मुद्दा बनाया और संसद में हंगामा किया कि संसद की कार्यवाही चलानी मुश्किल होती गई। विपक्षी सांसदों ने गृहमंत्री से बयान व इस्तीफे की मांग को लेकर संसद की शांति को भंग किया और आसन का अपमान किया। इसके बाद लोकसभा व राज्यसभा से दो दिन में 132 से अधिक सांसद निलंबित किए गए। इससे पहले भी 14 सांसद निलंबित किए गए थे। इस सत्र के दौरान कुल 146 विपक्षी सांसद सस्पेंड हो गए, जो किसी एक सत्र के दौरान निलंबन का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके बाद से विपक्ष सरकार पर हमलावर है। इस विषय पर पेश है आजकल...

संसद की गरिमा से खिलवाड़ अस्वीकार्य

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

विपक्ष की प्रभावी मौजूदगी के बिना संसद 'विकलांग' लगती है। चुनावी जनादेश सभी निर्वाचित सांसदों ने हासिल किए थे। वे अपने क्षेत्र की जनता के प्रतिनिधि हैं। यदि उन्हें ही लंबे समय के लिए संसद से बाहर निकाल देंगे, तो जनता से प्रतिनिधित्व का अधिकार छीनने जैसा है। एक सांसद औसतन 15 लाख लोगों का जन-प्रतिनिधि होता है। सदन में विरोध-प्रदर्शन करना या अवरोध पैदा करना भी लोकतंत्र का हिस्सा है। यह नेता विपक्ष रहे अरुण जेटली और सुषमा स्वराज अक्सर कहा करते थे। आज दोनों दिवंगत हैं, लेकिन विपक्ष उनके कथनों को आज भी उद्धृत करता है। दोनों सदनों से 146 सांसद बाहर निकाल दिए गए, तो सदन खाली, विपक्ष-मुक्त लग रहे थे। यह अधूरा संसदीय लोकतंत्र है।

नया संसद भवन और नया, अभूतपूर्व आदेश...एक ही दिन में, एक साथ, लोकसभा और राज्यसभा के 78 सांसदों को निलंबित कर दिया गया। उससे पहले 14 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया जा चुका था। इस तरह संसद के शीतकालीन सत्र में ही कुल 92 विपक्षी सांसदों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। यदि सिलसिला यहीं थम जाता, तो गनीमत होती, लेकिन अगले ही दिन 49 सांसदों की बारी आई, जिन्हें निलंबित किया गया। इस तरह कुल मिला कर लोकसभा के 100 और राज्यसभा के 46, यानी 146, सांसदों को सत्र भर के लिए निलंबित किया गया। बेशक लोकसभा के स्पीकर और राज्यसभा के सभापति को कुछ विशेषाधिकार हासिल हैं। मैं 1997 से लोकसभा कवर करता रहा हूं। सदन में हंगामा, नारेबाजी, पोस्टरबाजी और अध्यक्ष के आसन तक जाने का विरोध-प्रदर्शन कब नहीं किए गए? जब भाजपा विपक्ष में थी, तो कई घोटालों पर, कई दिन तक, संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी थी। हंगामे इतने उग्र और बुलंद होते थे कि मीडिया में ऐसे संपादकीय छपा करते थे-संसद को अखाड़ा मत बनाएं। यह संसद है या कोई मंडी...! संसद का औचित्य ही क्या है, लेकिन ऐसे अतिवादी आदेश कभी नहीं दिए गए कि विपक्षी सांसदों को पूरे सत्र के लिए ही निलंबित कर दिया गया हो। जैसा इस बार हुआ है।

सबसे ज्यादा सांसद निलंबित

1989 में केंद्र में राजीव गांधी की सरकार थी। तब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या पर ठक्कर आयोग की रपट पर विपक्ष ने हंगामा मचाया था, तो पीठासीन अध्यक्ष ने 63 लोकसभा सांसदों को निलंबित किया था। वह भी पराकाष्ठा थी, लेकिन कुछ ही दिनों में सभी सांसद सदन में दिखाई दे रहे थे। उसके बाद 2004-मई, 2014 के दौरान कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के 10 सालों में भी 50 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया, लेकिन 2014-23 के कालखंड में मोदी सरकार के दौरान करीब 250 विपक्षी सांसदों का निलंबन किया जा चुका है। शीतकालीन सत्र ही मौजूदा लोकसभा का अंतिम सत्र था। उसके बाद बजट सत्र जरूर होगा, लेकिन लेखानुदान पारित करने के लिए ही होगा, ताकि सरकारी खर्च के लिए वित्तीय संसाधन मिलते रहें। संपूर्ण बजट जुलाई, 2024 में नई सरकार पेश करेगी। बेशक विपक्ष ने अमर्यादित आचरण किए थे। हंगामा ही नहीं, आक्रोश और गुस्से में, राज्यसभा में, नियमों की किताब तक फाड़ दी गई। आसन के माइक उखाड़ने तक की हरकतें की गईं। मेजों पर चढ़कर सांसदों ने नृत्य किए, हुड़दंग मचाए। इस तरह नियम 374ए का लगातार उल्लंघन होता रहा। यहां तक कि राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति जगदीप धनखड़ का निर्देश मानने से इनकार कर दिया। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता, एक किस्म के नेता प्रतिपक्ष, अधीर रंजन चौधरी तक को निलंबित कर दिया गया। क्या निलंबन भी एक राजनीतिक मुद्दा बनाया गया? अथवा कई विपक्षी उन्हें निलंबित कर बाहर भेजने के आग्रह भी कर रहे थे? ऐसा संसदीय मंत्री प्रह्लाद जोशी का आरोप है कि खुद विपक्षी निलंबित होकर बाहर जाने के इच्छुक थे।

1989 में केंद्र में राजीव गांधी की सरकार थी। तब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या पर ठक्कर आयोग की रपट पर विपक्ष ने हंगामा मचाया था, तो पीठासीन अध्यक्ष ने 63 लोकसभा सांसदों को निलंबित किया था, लेकिन कुछ ही दिनों में सभी सांसद सदन में दिखाई दे रहे थे। सांसदों का निलंबन अनुचित जरूर है, लेकिन निलंबित सांसदों को भी अपने गिरेबान में झांकना होगा कि वे अपने आचरण के पैमाने पर कहां टिकते हैं? लोकसभा अध्यक्ष व राज्यसभा सभापति को निष्पक्षता से दायित्व निभाना चाहिए।

दमदार विपक्ष जरूरी

दरअसल मैं कोई न्यायाधीश नहीं हूं, लेकिन संसद और लोकतंत्र का सजग प्रहरी जरूर हूं। विपक्ष की प्रभावी मौजूदगी के बिना संसद 'विकलांग' लगती है। चुनावी जनादेश सभी निर्वाचित सांसदों ने हासिल किए थे। वे अपने क्षेत्र की जनता के प्रतिनिधि हैं। यदि उन्हें ही लंबे समय के लिए संसद से बाहर निकाल देंगे, तो जनता से प्रतिनिधित्व का अधिकार छीनने जैसा है। एक सांसद औसतन 15 लाख लोगों का जन-प्रतिनिधि होता है। सदन में विरोध-प्रदर्शन करना या अवरोध पैदा करना भी लोकतंत्र का हिस्सा है। यह नेता विपक्ष रहे अरुण जेटली और सुषमा स्वराज अक्सर कहा करते थे। आज दोनों दिवंगत हैं, लेकिन विपक्ष उनके कथनों को आज भी उद्धृत करता है। दोनों सदनों से 146 सांसद बाहर निकाल दिए गए, तो सदन खाली-खाली, विपक्ष-मुक्त लग रहे थे। यह अधूरा संसदीय लोकतंत्र है। हंगामी सांसदों को कुछ देर के लिए, बेशक एक दिन के लिए, निलंबित कर सदन से बाहर किया जा सकता था। सत्र समापन की ओर था, जब यह कार्रवाई की गई। ध्वनि-मत से तीन आपराधिक कानून पारित किए गए,जबकि ये संशोधन ऐतिहासिक हैं। आईपीसी, सीआरपीसी सरीखे ब्रिटिशकाल के कानूनों को खत्म किया गया है और नई 'न्याय प्रणाली' बनाई गई है, लेकिन विपक्ष इन संशोधन-कानूनों की बहस में हिस्सा नहीं ले सका, यह संसदीय विडंबना से कम नहीं है। हमारे संविधान और लोकतंत्र में 'विपक्ष-मुक्त' संसद की कोई भी कल्पना नहीं है।

बेमानी तर्क

चूंकि लोकसभा में दो युवकों ने 'दर्शक-दीर्घा' से छलांग लगाकर संसद की कार्यवाही में घुसपैठ की थी, लिहाजा विपक्ष की यह मांग जायज थी कि गृह मंत्री अमित शाह सदन में वक्तव्य दें। यह तर्क बेमानी है कि संसद परिसर लोकसभा के स्पीकर के अधीन काम करता है, लिहाजा स्पीकर ही बयान देंगे। वह जो कुछ कह सकते थे, उन्होंने कहा और लोकसभा में विभिन्न दलों के नेताओं से विमर्श भी किया, लेकिन देश की आंतरिक सुरक्षा के प्रभारी गृह मंत्री ही होते हैं। उन पर समूचे देश का दायित्व है, जिसमें संसद परिसर भी शामिल है। यदि गृह मंत्री लोकसभा में बयान देते, तो उनसे सुरक्षा-व्यवस्था पर कुछ सवाल भी किए जा सकते थे। मसलन-नये संसद भवन में प्रवेश को तीन माह बीत चुके है, लेकिन संसदीय सुरक्षा के प्रभारी, आईपीएस अधिकारी, संयुक्त सचिव की नियुक्ति क्यों नहीं की गई? संसद परिसर की 4-परतीय जांच धातु पर ही आधारित है। उसके रडार पर जूते,प्लास्टिक, रबड़ की वस्तुएं नहीं आतीं। हवाई अड्डे की सुरक्षा-जांच में सब कुछ सामने आ जाता है, तो संसद परिसर में क्या दिक्कत है? अब बताया जा रहा है कि फुल बॉडी स्कैनर स्थापित किए जाएंगे, जिसमें व्यक्ति की आदमकद छाया आईने की तरह साफ़ दिखाई देगी। कुछ पुराने सुरक्षा-उपकरणों को भी बदला जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज सांसद का सिफारिशी पत्र होता है, जिसके आधार पर किसी को भी संसद की 'दर्शक-दीर्घा' में प्रवेश की अनुमति मिलती है। सांसदों के लिए भी आचार-संहिता तय की जानी चाहिए। विपक्ष ने संसद की सुरक्षा में ऐसी आक्रामक घुसपैठ पर ही अपनी चिन्ता और अपने सरोकार जताए थे। हालांकि विपक्ष गृह मंत्री का इस्तीफा भी मांग रहा था। संसद सत्र का समापन हो गया, लेकिन गृह मंत्री ने इस संबंध में कोई बयान तक नहीं दिया। जांच-रपट की प्रतीक्षा की जा रही है। न जाने रपट कब तक आएगी? तीन महीने बाद तो आम चुनाव हैं।

विपक्ष की कोशिश

सांसदों के निलंबन पर विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन ने जंतर-मंतर पर और देश के प्रमुख शहरों में विरोध-प्रदर्शन किए हैं। वे इसे राजनीतिक मुद्दा बनाना चाहते हैं, लिहाजा निलंबन को 'लोकतंत्र की हत्या' तक करार दे रहे हैं। विपक्ष ने एक भद्दी राजनीति भी की है, जब संसद के परिसर में ही, संसद के प्रवेश द्वार पर बैठ कर निलंबित सांसदों ने उप राष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की 'मिमिक्री' की, मज़ाक उड़ाया। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने उप राष्ट्रपति की भाव-भंगिमाओं की नकल की और अन्य सांसद ठहाके लगाते रहे। संसद परिसर में सांसदों का यह व्यवहार अक्षम्य है। उप राष्ट्रपति देश का दूसरा सर्वोच्च संवैधानिक पद है। प्रथम दोनों संवैधानिक पदों पर आसीन चेहरे का कॉर्टून बनाना भी गलत है। यह संविधान और लोकतंत्र दोनों का अपमान है।

संस्कारों पर सवाल

संसद परिसर किसी विदूषक, कॉमेडियन, जोकर या नकलची का मंच नहीं है। निलंबित सांसदों को विरोध-प्रदर्शन करना था, तो वे 'विजय चौक' अथवा 'राष्ट्रपति भवन' तक पहले भी मार्च निकाल सकते थे। क्या संसद में सांसदों के इतने उथले और आपत्तिजनक संस्कार होने चाहिए? उप राष्ट्रपति का ऐसा अपमान संसद परिसर में मैंने कमोबेश नहीं देखा, लेकिन इसे जाट और किसान से जोड़ना इस पद की गरिमा को कम करना होगा। निलंबित सांसद सभापति और स्पीकर के फैसलों से असहमत और असंतुष्ट हो सकते हैं, लेकिन संवैधानिक गरिमा से खिलवाड़ करना अस्वीकार्य है। संसद की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाना सत्ता पक्ष का दायित्व है, लेकिन उसमें विपक्षी सांसदों का भी सहयोग अपेक्षित है। विपक्षी सांसद विरोध के लिए विरोध भाव से वशीभूत होकर संसद में अव्यवस्था नहीं फैला सकते। आसन के पास जाकर हुड़दंग मचाना, माइक तोड़ना, तख्ती लहराना, वेल में हंगामा करना, भाषण के दौरान हूटिंग व नारेबाजी करना आदि अशोभनीय आचरण सांसद के नहीं होने चाहिए। क्या हमारे सांसद अपने ही कार्यस्थल की गरिमा का ध्यान नहीं रख सकते। क्या शांति से अपने स्थान से अपनी बात नहीं रखी जा सकती है? विपक्षी सांसद अपने आचरण से आवाम को क्या संदेश दे रहे हैं? सांसद सदन को अखाड़ा न बनाएं, इसे संसद ही रहने दें। सांसदों का निलंबन अनुचित जरूर है, लेकिन निलंबित सांसदों को भी अपने गिरेबान में झांकना होगा कि वे अपने आचरण के पैमाने पर कहां टिकते हैं? लोकसभा अध्यक्ष व राज्यसभा सभापति को राजनीतिक निष्ठा से ऊपर उठकर निष्पक्षता से सदन को चलाने का दायित्व निभाना चाहिए। पक्ष, विपक्ष व निष्पक्ष सभी अपने दायित्वों को समझें और संसद की प्रतिष्ठा कायम रखने में सहयोग करें।

क्या आप इस संसद को पहचानते हैं

जिरहनामा
कुमार प्रशांत
वरिष्ठ पत्रकार

कांग्रेसमुक्त भारत बनाने की बदहवास होड़ को यही रास्ता पकड़नी था। देश भी तेजी से कांग्रेसमुक्त हो रहा है; संसद भी विपक्ष मुक्त हो गई है। संविधान में ऐसी मुक्ति की कोई कल्पना नहीं है। वहां तो संसदीय लोकतंत्र का आधार ही पक्ष-विपक्ष दोनों है। विपक्ष अपने कारणों से चुनाव न जीत सके तो वह जाने, लेकिन जो और जितने जीत कर संसद में पहुंचे हैं, उन्हें पूरे अधिकार व सम्मान के साथ संसद में रखना सत्तापक्ष का लोकतांत्रिक दायित्व है। लोकसभा का अध्यक्ष इसी काम के लिए रखा जाता है कि वह संसदीय प्रणाली व सांसदों की गरिमा का रक्षक बनकर रहेगा, लेकिन हम यह नया भारत देख रहे हैं। इसमें भारत कहां है यह भी खोजना पड़ता है, इस नए भारत की संसद में विपक्ष कहां है, यह भी खोजना पड़ता है। एक लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में हम अपने अस्तित्व की ऐसी शानदार जगह पर आ पहुंचे हैं जहां से वह हर कुछ खोजना पड़ रहा है, जिसकी दावेदारी तो बहुत हो रही है लेकिन दिखाई कुछ भी नहीं देता है।

पहली बार नहीं

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि विपक्ष ने संसद चलने में इतनी बाधा पैदा की कि उन्हें दंडित करना पड़ा। 60 के दशक से पहले अध्यक्ष की अपील व झिड़की काफी होती थी कि संसद के कामकाज में बाधा डालने वाला रास्ते पर आ जाता था। 60 के दशक में विपक्ष ने भी अपने अधिकारों की मांग शुरू की। उसका स्वर तीखा होता गया। 70 के दशक में कांग्रेस ने इंदिरा गांधी के मनमाने रवैये के सामने गूंगे रह कर विपक्ष को संसद से बाहर कर दिया था, लेकिन वह आपातकाल का संदर्भ था। जब भारतीय जनता पार्टी विपक्ष में थी, तब उसने संसद को अटकाने को हथियार की तरह बरतना शुरू किया। संसद की ऐसी-तैसी करते हुए भाजपा के अरुण जेटली व सुषमा स्वराज्य ने ऐसे बर्ताव को विपक्ष का जायज हथियार बताया था। उस वक्त के अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने संसद को बंधक रखने जैसी प्रवृत्ति पर गहरा असंतोष व्यक्त किया था, लेकिन जब आप फिसलन पर पांव धरते हैं तब गिरावट आपके काबू में नहीं रहती है।

सामान्य शील भी खत्म

2014 के बाद से संसद का सामान्य शील भी खत्म हो गया और इस बार इसे विपक्ष ने नहीं, सत्तापक्ष ने खत्म किया। अगर यह सत्ता पक्ष को पता हो कि जो सत्ता हाथ आई है, उसके पीछे आत्मबल नहीं, तिकड़में हैं। तिकड़म का चरित्र ही यह है कि वह कब छल कर जाए, आपको पता भी नहीं चले, इसलिए रणनीति यह बनती है कि हर विपक्ष व हर असहमति को इतना गिरा दो, पतित कर दो कि उसके उठने की संभावना ही न बचे। विपक्ष, संवैधानिक संस्थाओं, स्वतंत्र जनमत, मीडिया, राज्य सरकारों आदि का ऐसा श्रीहीन अस्तित्व पहले कभी नहीं था। विपक्ष, जिसने 60-65 सालों तक देश चलाया है, अगर देशद्रोही, भारत का दुश्मन, विभाजनकारी ताकतों का सफरमैना तथा भ्रष्टाचारियों का सरदार होता, तो क्या आपको वैसा देश मिलता जैसा मिला? आप

चुनाव जीत सके, प्रधानमंत्री बन सके, यही इस बात का प्रमाण है कि विपक्ष पर लगाए आपके आरोप बेबुनियाद हैं। विपक्ष दूध का धुला है, ऐसा कोई नहीं कहेगा लेकिन आपका दूध शुद्ध है, ऐसा भी तो कोई नहीं कहता है।

सत्तापक्ष की जिम्मेदारी

आप यह जरूर कह सकते हैं कि आजादी के बाद से अब तक विपक्ष ने जैसी सरकार चलाई, जैसा समाज बनाया उससे भिन्न व बेहतर सरकार व समाज हम बनाएंगे। लोकतंत्र में सार्वजनिक विमर्श का सुर व स्तर सत्तापक्ष निर्धारित करता है, विपक्ष उसका अनुसरण करता है। संसद जिस स्तर तक गिरती है, देश का सार्वजनिक विमर्श भी उतना ही गिरता है। संसद के दोनों सदनों में अध्यक्ष का पहला व अंतिम दायित्व एक ही है : सदस्यों का विश्वास हासिल करना तथा सदस्यों का संवैधानिक संरक्षण करना। प्रत्यक्ष या परोक्ष पक्षपात आपकी नैतिक पकड़ कमजोर करता जाता है। यह सच छिप नहीं सकता है कि विपक्ष संख्याबल में कमजोर है जिसे आप बराबरी का अधिकार व अवसर न देकर लगातार कमजोर करते जा रहे हैं। आपके ऐसे रवैये से विपक्ष का जो हो सो हो, सदन लगातार खोखला होता जा रहा है। वहां व्यक्तिपूजा, नारेबाजी, जुमलेबाजी तथा तथ्यहीनता का गुबार गहराता जा रहा है। ऐसी संसद न तो सदन के भीतर और न बाहर लोकतंत्र को मजबूत व समृद्ध कर सकती है। संविधान इस बारे में गूंगा नहीं है भले हम उसकी तरफ से मुंह फेर कर, निरक्षर व सूरदास बन गए हैं। संविधान के सामने सर झुकाना व संविधान का गला काटना इतिहास में कई बार हुआ है।

18 दिसंबर ऐतिहासिक दिन

18 दिसंबर 2023 एक ऐतिहासिक दिन बन गया है। इस दिन से एक सिलसिला शुरू हुआ है जो अब तक 146 सांसदों को दोनों सदन से बाहर निकाल चुका है। ये सारे निलंबन अनुशासन के नाम पर किए गए हैं। अचानक इतने सारे अनुशासनहीन सांसद कहां से आ गए? पहले से सब ऐसे ही थे तो अब तक सदन चल कैसे रहा था? पहले से नहीं थे तो इन्हें अनुशासनहीन बनाने की स्थिति किसने पैदा की? हर निलंबित सदस्य दोनों अध्यक्षों की क्षमता पर भी और उनकी मंशा पर भी सवाल खड़े करता है। संसदीय लोकतंत्र के प्रति आपकी प्रतिबद्धता कैसी है, यह कैसे आंकेंगे हम? आपके व्यवहार से ही न! विपक्ष के इतने सदस्यों को निलंबित कर देने के बाद संसद में संवेदनशील बिल पेश और पारित भी किए जाते रहे, तो यह मंजर ही घोषणा करता है कि संसदीय लोकतंत्र का शील आपको छू तक नहीं गया है।

नए सिरे से विमर्श

विपक्षी सांसदों को निलंबित करने के अलावा कोई रास्ता ही नहीं था, सत्तापक्ष का ऐसा तर्क मान भी लें हम तो संसदीय लोकतंत्र की भावना के अनुरूप यह तो किया ही जा सकता था कि इतने निलंबन के बाद संसद की बैठक स्थगित कर दी जाती और विपक्ष के साथ नए सिरे से विमर्श किया जाता कि अब संसद का काम कैसे चलेगा? संसदीय लोकतंत्र का एकमात्र संप्रभु मतदाता है, जिसने वह संविधान रचा है जिससे आप अस्तित्व में आए हैं। उसने जैसे आपको चुनकर संसद में भेजा है वैसे ही उसने विपक्ष को भी चुन कर संसद में भेजा है। दोनों की हैसियत व अधिकार बराबर हैं और दोनों के संरक्षण की संवैधानिक जिम्मेदारी अध्यक्षों की है, इसलिए अध्यक्षों को यह भूमिका लेनी चाहिए थी कि भले किसी भी कारणवश इनका निलंबन हुआ हो, इनको चुनने वाले मतदाता का अपमान हम नहीं कर सकते, सो संसद स्थगित की जाती है। ऐसा होता तो दोनों अध्यक्ष इस परिस्थिति को एक सुंदर मोड़ दे सकते थे। क्या अब संसद में कौन रहेगा, इसका फैसला मतदाता नहीं, संसद का बहुमत करेगा? यह संविधान की लक्ष्मण-रेखा का उल्लंघन है। यह तो नई ही स्थापना हो गई कि विपक्षविहीन संसद वैध भी है और हर तरह का निर्णय करने की अधिकारी भी है। फिर संसद की कैसी तस्वीर बनती है और संविधान का क्या मतलब रह जाता है? इसका जवाब इस संसद के पास तो नहीं है।

सांसद अपने आचरण को आदर्श बनाएं

दो टूक
राज कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

शीतकालीन सत्र के दौरान संसद में, और बाहर भी, जैसी राजनीतिक गर्मी दिखाई दी, उससे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की साख बढ़ी तो हरगिज नहीं। भारत की आजादी के अमृतकाल में हमने देखा कि संसद के दोनों सदनों के दो-चार नहीं, 146 विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया। कांग्रेस मुक्त भारत का नारा राजनीतिक माना जा सकता है, पर विपक्ष मुक्त संसद की बात कोई सोच भी नहीं सकता है। विपक्ष के बिना संसदीय लोकतंत्र की कल्पना भी नहीं की जा सकती। तब हमने अपने संसदीय लोकतंत्र की कैसी तस्वीर दुनिया के सामने पेश की? बेशक इससे पहले भी सांसद सदन से निलंबित किये जाते रहे हैं, पर इतनी बड़ी संख्या में पूरे सत्र के लिए निलंबन पहली बार हुआ। हर विवाद की तरह इसमें भी दो पक्ष हैं। सत्ता पक्ष का तर्क है कि विपक्ष तयशुदा रणनीति के तहत सदन की कार्यवाही में बाधा डाल रहा था, इसलिए लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति अथवा उनके प्रतिनिधि के रूप में आसन पर विराजमान पीठासीन अधिकारियों के पास कोई और विकल्प ही नहीं रह गया था। दूसरी ओर विपक्ष का आरोप है कि निलंबन पूरी तरह अवांछित था, जिसके मूल में सरकार की मंशा विपक्ष की अनुपस्थिति में मनमाने ढंग से विधायी कार्य निपटा लेना था। सच शायद इन दोनों तर्कों के बीच कहीं है, क्योंकि संख्या गणित सरकार के पक्ष में हो तो विपक्ष चर्चा के दौरान शाब्दिक तीर चलाने के अलावा कुछ और कर ही नहीं सकता।

तकरार विधायी कार्य पर नहीं

यह भी जगजाहिर है कि तकरार किसी विधायी कार्य को लेकर नहीं हुई। जिस मुद्दे पर तकरार इस हद तक पहुंच गई, वह संसद और सरकार ही नहीं, पूरे देश को शर्मसार करने वाला रहा है। 13 दिसंबर, 2001 को भारत की संसद पर किए गए हमले से तो सबक सीखना दूर, विदेश में बैठे एक अलगाववादी द्वारा इस साल उसी दिन हमले की धमकी के बावजूद हम संसद की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाए। ऐसे में सवाल तो उठेंगे ही। संसद की सुरक्षा में चूक पर ही विपक्ष केंद्रीय गृह मंत्री से बयान चाहता था, पर सत्ता पक्ष ने उसे अनावश्यक रूप से नाक का सवाल बना लिया। तर्क दिया कि संसद की सुरक्षा लोकसभा सचिवालय के अधिकार क्षेत्र में है, और लोकसभा अध्यक्ष बयान दे चुके हैं, जांच के लिए समिति गठित की जा चुकी है। तकनीकी रूप से तर्क सही हो सकता है, पर क्या संसद देश के अंदर ही नहीं है, और क्या देश की सुरक्षा के लिए गृह मंत्री जिम्मेदार और जवाबदेह नहीं हैं? यह भी कि अजीब-सी गैस के साथ दर्शक दीर्घा से लोकसभा में कूदने वाले दोनों युवा आये तो संसद भवन के बाहर से ही थे। जाहिर है, इस कार्रवाई को अंजाम देने की साजिश भी संसद भवन के बाहर ही बनी होगी। तब उस सबसे गाफिल रहने के लिए कौन जिम्मेदार और जवाबदेह है?

सवाल भटकाना सुशासन नहीं

दरअसल हर मुश्किल सवाल को तकनीकी गलियों में भटका देना राजनीतिक चातुर्य तो हो

सकता है, पर सुशासन नहीं, इसलिए सदन के बाहर बोलने के बजाय गृह मंत्री को सदन में वही बात कह देनी चाहिए थी, जो सत्ता पक्ष उनके बयान न देने के पक्ष में तर्क के रूप में कहता रहा। गृह मंत्री बयान दे देते तो जाहिर है कि विपक्ष को हंगामा करने का मौका ही नहीं मिलता। हां, इतना अवश्य होता कि उस बयान के बाद बोलने का मौका मिलने पर विपक्षी सदस्य संसद की सुरक्षा में चूक के लिए सरकार को कटघरे में खड़ा करते, पर अब तो सरकार संसद की सुरक्षा में चूक और विपक्षी सांसदों के रिकॉर्ड संख्या में निलंबन दोनों मुद्दों पर कटघरे में खड़ी नजर आ रही है। सवाल पूछने वाले विपक्षी सांसदों को आनन-फानन में निलंबित किया जाता रहा, पर उस भाजपा सांसद से कोई पूछताछ भी नहीं हुई, जिसके नाम पर जारी पास पर वे युवा आए थे। ऐसा क्यों? संसदीय लोकतंत्र की प्रचलित मान्यता है कि सदन चलाना सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी है। बेशक, सदन तभी सुचारू रूप से चल पाएगा, जब दोनों पक्ष गंभीरता से अपनी-अपनी भूमिका का निर्वाह करेंगे, लेकिन उसके लिए गंभीर और ईमानदार पहल करने की जिम्मेदारी निश्चय ही सत्ता पक्ष की है। संसदीय लोकतंत्र का तकाजा भी यही है।

राजनीति की गरिमा गिरी

उप राष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की सदन के बाहर निलंबित तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा नकल उतारने के प्रकरण से भी भारतीय राजनीति की गरिमा गिरी ही है। कल्याण बनर्जी के उस अवांछित कृत्य को हास-परिहास के नजरिये से लेकर नजरअंदाज भी किया जा सकता था, लेकिन उसे न सिर्फ उपराष्ट्रपति, बल्कि जाट व किसान समुदाय का अपमान बताकर बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश की जा रही है। इस नजरिये से तो भाजपा सांसद रमेश विधूड़ी द्वारा सदन के अंदर ही बसपा सांसद दानिश अली के लिए सांप्रदायिक आधार पर आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल से पूरे मुस्लिम समुदाय का अपमान हुआ। उसके लिए क्या दंड और प्रायश्चित तय किया गया है? एक तरफ तो जातिवाद मिटाने की बातें की जाती हैं, दूसरी ओर एक उच्च संवैधानिक पद आसीन व्यक्ति की जातीय पहचान के जरिये, संभवतः अगले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर, चुनावी मुद्दे को धार दी जा रही है। बिहार में जातीय सर्वे के आंकड़ों के जरिये विपक्ष ने हाल में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में जातीय जनगणना को मुद्दा बनाना चाहा, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी नजर में गरीब, महिला, किसान और युवा को ही जाति मानते हुए विपक्ष की तीखी आलोचना की थी। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा को मिला शानदार बहुमत बताता है कि मतदाताओं ने मोदी की सोच को मान्यता भी दी है। फिर उन्हीं की सरकार और पार्टी की ओर से, विपक्ष के एक निलंबित सांसद द्वारा उप राष्ट्रपति की सदन के बाहर उतारी गई नकल को उनकी जाति का अपमान बताना कई प्रतिकूल, मगर स्वाभाविक सवालों को ही जन्म देता है। क्या कभी सत्ता पक्ष के नेताओं-प्रवक्ताओं ने विपक्ष के नेताओं की संसद के अंदर या बाहर नकल नहीं उतारी? क्या नकल उतारने या अशोभनीय टिप्पणियां करने से विपक्ष के नेताओं का अपमान नहीं होता? क्या सिर्फ पद की गरिमा होती है, व्यक्ति की कोई गरिमा नहीं? बेशक चुनावी जंग संसदीय लोकतंत्र का अंग है, पर सदैव जंगी मानसिकता से संसदीय लोकतंत्र नहीं चलाया जा सकता। समय-समय पर दलों-नेताओं की भूमिकाएं बदलती भी रहती हैं, इसलिए याद रखना चाहिए कि असहमति की गुंजाइश और राजनीतिक विरोधी का भी सम्मान, संसदीय लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त हैं। राजनीति संसद के अंदर नहीं होनी चाहिए। विपक्ष को संसद में हर कार्य अपनी राजनीति चमकाने की सोच के साथ नहीं करना चाहिए। सत्ता पक्ष का दायित्व जरूर ज्यादा है, पर विपक्षी सांसद अपने संसदीय कृत्य से भाग नहीं सकते। हमें संसदीय भाषा, सांसदों के आचरण, संसद में विमर्श का स्तर, पक्ष व विपक्ष के बीच संवाद आदि को श्रेष्ठ बनाने की जरूरत है। संविधान व लोकतंत्र का संरक्षण आवश्यक है।

2047 तक विकसित भारत केवल मोदी का सपना नहीं, जन-जन का संकल्प है: रामेश्वर

हुजूर विधानसभा के मुंडला गांव पहुंची 'मोदी की गारंटी' वाली विकसित भारत संकल्प यात्रा, विधायक शर्मा ने विकसित भारत का दिलाया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की गरीब कल्याण की योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से देशभर में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। इस यात्रा के माध्यम से मोदी की गारंटी वाली गाड़ी गांव-गांव जाकर नागरिकों को योजनाओं से जोड़ रही है। भोपाल की हुजूर विधानसभा में भी विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर लगातार कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में शनिवार को हुजूर विधानसभा के मुण्डला गांव में मोदी की गारण्टी वाली गाड़ी पहुंची। यहां विधायक रामेश्वर शर्मा ने विकसित

भारत के संकल्प लेकर स्थानीय नागरिकों को संबोधित किया। इस दौरान सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जुड़े अधिकारियों ने भी स्टॉल लगाकर नागरिकजनों का विभिन्न योजनाओं में पंजीयन कराया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तारतम्य में मुंडला के नागरिकों को संबोधित करते हुए विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि हम सभी देशवासियों को आज गर्व होता है कि हमारे देश का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों में है, जिसका लोहा पूरा विश्व मानता है। पूरे विश्व में सर्वाधिक लोकप्रियता की बात हो या देश के हर गरीब की चिंता करने की बात हो, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदैव अग्रणी रहते हैं।

जन-जन को मोदी की हर गारंटी पर भरोसा

अपने प्रधानमंत्री काल में मोदी ने जो वादे किए थे वे सब आज गारंटी बन गए हैं। चाहे आवास हो या उज्ज्वला, आयुष्मान हो या अन्न योजना जैसे अनेकों कल्याणकारी प्रयास, मोदी हर क्षेत्र में देश के नागरिकों की सेवा और सुविधा में तत्पर रहते हैं। इसलिए आज देश के जन-जन को मोदी की हर गारंटी पर भरोसा है। इसी भरोसे और दृढ़ करने के लिए देशभर में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। जिसके माध्यम से समाज के हर वर्ग को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए मोदी की गारंटी वाली गाड़ी गांव-गांव जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह मोदी जी हर नागरिक को सशक्त बनाने का प्रयास कर रहे हैं उसी तरह हम सब भी 2024 में पुनः मोदी को सशक्त बनाएंगे। ताकि जनकल्याण के साथ राष्ट्रीय गौरव भी निरंतर बढ़ता रहे।

विकसित भारत के लिए योगदान देने की शपथ दिलाई

विधायक रामेश्वर शर्मा ने अपने संबोधन में पहले मुंडला गांव के रहवासियों को विकसित भारत के संकल्प से अवगत कराया। इसके बाद उन्होंने नागरिकों को विकसित भारत बनाने के लिए अपना योगदान देने की शपथ दिलाई। विधायक शर्मा ने कहा कि भारत तभी 2047 के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगा जब हम सब इसके लिए आगे आकर अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।

खबर संक्षेप

बुक रिव्यू से छात्राओं ने ली इतिहास की जानकारी

संतनगर। एसएचआईएम के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के द्वारा संस्थान की एमबीए और एमबीए इंटीग्रेटेड की छात्राओं के लिए 'बुक रिव्यू' सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में 200 से अधिक छात्राओं ने ऑटोबायोग्राफी, इतिहास, नॉन-फिक्शन पर आधारित किताबों का विश्लेषण किया। प्रमुख पुस्तकें जैसे 'द सीक्रेट', 'थ्री मिस्टेक्स ऑफ माय लाइफ', 'टुडे इज माय मोस्ट फेवरेट डे' जैसी किताबों को छात्राओं ने गहराई से समझा साथ ही इतिहास की जानकारी ग्रहण की। इस सत्र का उद्देश्य छात्राओं में किताबों को पढ़ने की आदत को बढ़ाना था। इस सत्र से न केवल छात्राओं का ज्ञान वर्धन हुआ, बल्कि उनके संपूर्ण व्यक्तित्व में भी बदलाव आया है।

शॉर्ट एनकाउंटर में घायल बदमाश करने लगा लूट

भोपाल। गौतम नगर पुलिस ने ग्वालियर के बदमाश राजा कुचबदिया को मोबाइल लूट के आरोप में गिरफ्तार किया है। ग्वालियर में हुए शार्ट एनकाउंटर में घायल होने के बाद आरोपी शहर छोड़कर भोपाल आ गया था। वह निशातपुरा इलाके में रहकर वारदात को अंजाम देता था। आरोपी ने गुनगा निवासी मनीषा चौहान का 20 दिसंबर को मोबाइल छीन कर फरार हो गया था। आरोपी के खिलाफ पूर्व में लूट-चोरी के छह अपराध हैं।

6 जनवरी से मतदाता सूची में जुड़वा सकेंगे नाम

मंडीदीप। औद्योगिक नगर में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन के अनुसार भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। 6 जनवरी को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद 6 से 22 जनवरी तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन और नाम हटाने के लिए आवेदन लिए जाएंगे। 8 फरवरी को फोटो निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। यह शिविर 13 और 20 जनवरी को लगाए जाएंगे। जिन युवाओं की उम्र 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष की पूर्ण हो रही है, वे युवा मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

भदभदा पुलिस चौकी के पास शुक्रवार रात करीब डेढ़ बजे हुआ हादसा

सड़क किनारे लगे माइल स्टोन से टकराई बाइक, बीच में बैठे युवक की मौत, दो गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित भदभदा चौकी के पास शुक्रवार शनिवार की दरमियानी रात तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे लगे माइल स्टोन से जा टकराई। इस हादसे में बाइक पर बीच में बैठे युवक की मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहे और पीछे बैठे युवक को गंभीर चोट आई है। दोनों का हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

एएसआई केपी मिश्रा ने बताया कि नवीन पिता लक्ष्मी नारायण (26) बरखेड़ी कला, रातीबड़ में रहता था और प्राइवेट काम करता था। बरखेड़ी कला निवासी (26) सोनू उर्फ सूर्या और इसी इलाके में रहने वाले शुभम वर्मा से उसकी दोस्ती है। सोनू बाउंसर का काम करता है, जबकि शुभम वर्मा प्लाइवुड कंपनी में नौकरी करता है। एक ही इलाके में रहने के कारण तीनों अच्छी दोस्ती थी। शुक्रवार रात तीनों ने अपने दोस्तों के साथ पार्टी की थी। इसके बाद बिरयानी खाने के लिए जवाहर चौक पहुंचे। इस दौरान एक बाइक पर नवीन, शुभम और सोनू थे,

जवाहर चौक पर बिरयानी खाने के बाद घर जाते समय बाइक अनियंत्रित होकर माइल स्टोन से टकरा गई

जबकि दूसरी बाइक पर तीन अन्य दोस्त थे। बाइक सोनू चला रहा था और नवीन बीच में बैठा था, जबकि बाइक मालिक शुभम पीछे बैठा था। जवाहर चौक पर बिरयानी खाने के बाद वह घर जाने के लिए निकले थे। रात करीब डेढ़ बजे के आसपास वे भदभदा पुल होते हुए पुलिस चौकी भदभदा के पास पहुंचे थे। इसी बीच बाइक अनियंत्रित होकर सड़क से साइड में उतर गई और पुरानी सड़क पर लगे माइल स्टोन से जा टकराई।

दूसरी बाइक पर थे अन्य दोस्त

हादसे के समय अन्य बाइक पर नवीन के दोस्त थे और पीछे चल रहे थे। एक्सीडेंट होने के बाद उन्होंने तीनों को उठाया और सड़क पर लाए। हादसे की भनक ज्यूडिशियल अकादमी के सिक्योरिटी गार्ड को लग गई थी। वे भी मौके पर पहुंच गए और एंबुलेंस की मदद से तीनों को हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। हमीदिया अस्पताल में पहुंचने पर तीनों को तत्काल इमरजेंसी वार्ड में इलाज दिया गया। गंभीर चोट होने के कारण नवीन की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में सोनू का पैर टूटा है, जबकि शुभम वर्मा को माथे के पास गहरी चोट आई हैं।

दो बहनों में इकलौता था नवीन

नवीन दो बहनों में इकलौता था। वह जो भी काम मिले कर लिया करता था। उसके पिता लक्ष्मीनारायण बल्लभ भवन से रिटायर्ड हैं। शुभम और सूर्या ने बताया कि नवीन ने ही पार्टी का कहा था और बिरयानी खाने के लिए जिद की थी।

तेज रफ्तार कार ने ई-स्कूटी और बाइक को मारी टक्कर, बाइक सवार की मौत

बिलखिरिया गांव खदान के पास मुख्य सड़क पर हुआ हादसा

भोपाल। बिलखिरिया गांव खदान के पास मुख्य सड़क पर शुक्रवार दोपहर तेज रफ्तार कार ने ई स्कूटर को टक्कर मार दी। ई-स्कूटी को टक्कर मारने के बाद कार ने सामने से आ रहे बाइक सवार को भी अपनी चपेट में ले लिया। कार की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि स्कूटी सवार को मामूली चोट हैं। पुलिस ने बताया कि संजय शाक्या पिता हरिनारायण शाक्या (23) संस्कार कॉन्वेन्ट स्कूल के पास, जनता नगर करोंद में रहता है और सुरजीत कंपनी मे मैकेनिक है। शुक्रवार को वह सुरजीत कंपनी के शोरूम से कंपनी की इलेक्ट्रिक स्कूटी से कस्टमर 36 साल के पवन सिंह निवासी पुरुषोत्तम नगर सेमरा को स्कूटी की टेस्टड्राइव कराने रायसेन रोड जा रहा था। स्कूटी संजय चला रहा था। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे के आसपास ग्राम बिलखिरिया खदान के पास पहुंचते ही उनके स्कूटी को पीछे से आ रही कार ने साइड से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह स्कूटी समेत सड़क किनारे जा गिरे। उनकी स्कूटी को टक्कर मारने के बाद कार के चालक ने रायसेन की तरफ से आ रही लाल रंग की बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। उक्त बाइक पर हरभजन अहिरवार (50) छावनी पठार था। हरभजन अहिरवार सिल्लेवानी का रहने वाला था और छावनी पठार में रहकर मदजूरी करता था। हादसे के समय वह बाइक पर पीछे गेहं का बोरा लेकर आ रहा था। इस हादसे में उसकी मौत हो गई।

चोरों से 7 लाख का माल भी बरामद किया

मिसरोद पुलिस ने चोर गिरोह से बरामद की तीन बाइक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मिसरोद पुलिस ने चोरी और नकबजनी की वारदात करने वाले तीन सदस्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए सात लाख रुपए का माल बरामद किया है। गिरोह सूने मकानों, दुकानों व संस्थानों के सामने खड़े दुपहिया वाहनों को चुराता था। इसके अलावा सूने मकान में रैकी कर नकबजनी की वारदात करता था। पुलिस ने गिरोह से आधा दर्जन चोरी के मामलों का खुलासा करते हुए साढ़े 7 लाख रुपए का माल बरामद किया गया है।

▶ दिन में रैकी के बाद रात के अंधेरे में धावा बोल कर सूने मकानों से उड़ाते थे माल

बरामद मशरूका में चोरी की तीन बाइक शामिल हैं। गिरोह बाइक चोरी करने के लिए मास्टर चाबी का इस्तेमाल करता था। गिरोह के सदस्य पूर्व में हबीबगंज, हनुमानगंज, शाहजहांनाबाद, जीआरपी भोपाल व सतलापुर रायसेन में वारदातों को अंजाम दे चुके हैं।

पुलिस के अनुसार विगत 18 अक्टूबर को हनुमान नगर मिसरोद में एक निर्माणाधीन मकान में नकबजनी की वारदात हुई थी। बदमाश बिजली फिटिंग का सामान व एसी पाइप समेत हजारों रुपए का सामान लेकर गए थे। 26 अक्टूबर को मैपल मॉल मिसरोद के सामने से मोटरसाइकिल चोरी कर ली गई। डिफेंस सिटी कॉलोनी बंगरसिया मिसरोद में एक सूने मकान को निशाना बनाकर अज्ञात चोर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, आभूषण व अन्य घरेलू सामान समेत एक लाख रुपए से अधिक के सामान पर हाथ साफ किया था।

पुराना पुल के पास बैठे मिले बदमाश

वारदातों के बाद पुलिस की टीम नकबजनों की तलाश कर रही थी। टीम ने इलाके में 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक किए गए। इसके अलावा मुखबिर तंत्र सक्रिय कर दिया। इस दौरान सूचना मिली कि समरधा पुराना पुल के पास से तीन संदिग्ध बैठे हुए हैं। पुलिस ने तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने अपने नाम आकाश कुमरे उर्फ कोबरा निवासी रायसेन, शनि उर्फ शन्नी मालवीय निवासी विदिशा व अभिषेक तिवारी निवासी विदिशा बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के ठिकाने से जेवरात, नगदी व चोरी की तीन बाइक और बिजली-नल फिटिंग का सामान व अन्य घरेलू समेत लाखों रुपए का माल बरामद किया है।

क्षेत्र में घंटों गुल रहती है बिजली, रहवासी परेशान

संतनगर। उपनगर बैरागढ़ में पिछले कई दिनों से आए दिन घंटों बिजली गुल होने से रहवासी परेशान हैं। यहां पर कोई भी कारण बताकर पूरे क्षेत्रों में घंटो बिजली बंद कर दी जाती है। एक तरह से यहां अघोषित बिजली कटौती चल रही है। इस संबंध में अधिकारी कोई संतोषजनक जवाब नहीं देते हैं। वहीं जनप्रतिनिधि भी उदासीन बने हुए हैं, जिससे रहवासी काफी परेशान है।

बैरागढ़ क्षेत्र में कभी मेंटनेंस, शटडाउन, शिफ्टिंग तो कभी फाल्ट आने का कारण बताकर घंटों बिजली बंद कर दी जाती है। बिजली गुल होने से वाटर सप्लाई भी प्रभावित होती है। एन. श्रीवास्तव, एई विद्युत वितरण कंपनी बैरागढ़ का कहना है कि विद्युत लाइनों के मेंटनेंस के कारण बिजली बंद कर दी जाती है। कभी कभार एचटी से भी बिजली बंद हो जाती है, जिसके कारण बिजली आपूर्ति नहीं हो पाती है।

मिठी गोविंदराम पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम

सिद्ध भाऊ के जन्मोत्सव पर लिया गरीबों की सेवा करने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

ब्रह्मलीन संत हिरदाराम के शिष्य का 71वां जन्मोत्सव गरीबों की सेवा संकल्प के साथ मनाया गया। विभिन्न स्कूलों में आयोजित कार्यक्रम में गरीबों की सेवा का संकल्प लिया गया। शहीद हेमू कालानी शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित मिठी गोविंदराम पब्लिक स्कूल में संस्था के अकादमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी ने बताया कि सिद्ध भाऊजी व्यक्तित्व 'सादा जीवन उच्च विचार' का अनुगामी है।

सिद्ध भाऊ के पावन जन्मोत्सव पर विद्यालय शिक्षिकाओं द्वारा सांस्कृतिक परंपराओं के धार्मिक एवं वैज्ञानिक महत्त्व का विस्तृत वर्णन सीमा तारे, ब्रजेश चौरे, रत्ना पांडेय, सोनिया रायजादा, सृष्टि सिंह जाट, मधु आसुदानी एवं रानी सिंह ने किया। इस अवसर पर संस्था उपाध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी, एसी साधवानी, केएल रामनानी, घनश्याम बूलचंदानी, भगवान दामानी, भगवान बाबानी, अजय बहादुर सिंह, आशा चंगलानी, कोऑडिनेटर्स, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्रों ने पर बधाई दी।

रेलवे स्टेशन के निकट रेलवे की जमीन पर वर्षों से बनी है बस्ती

रेलवे ने दिया 288 रहवासियों को अतिक्रमण हटाने 10 दिन का नोटिस, लोगों की उड़ी नींद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

औद्योगिक नगर में पश्चिम मध्य रेल भोपाल मंडल ने रेलवे स्टेशन के निकट अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। 12 से 16 तारीख के बीच जारी नोटिस में 10 दिन के अंदर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर सूचित करने के लिए कहा है। कई लोगों की नोटिस में दी गई समयावधि समाप्त भी हो गई है। अभी तक 260 लोगों को नोटिस तामील कराए गए हैं। नोटिस के कारण रह वासियों की नींद उड़ी हुई है। उन्हें डर है कभी भी शासन के लोग आकर उनका आशियाना न उजाड़ दें। लोगों ने एकजुट होकर उचित

स्थान पर विस्थापन की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन और आंदोलन की तैयारी में हैं।

रहवासियों का कहना है कि वे वर्षों से यहीं रह रहे हैं अब कहाँ जाएं। बता दें रेलवे विभाग ने तीसरी बार यहां के रहवासियों को नोटिस जारी किया है। मंडीदीप रेलवे स्टेशन के किनारे वार्ड 7 और 10 में 288 मकान रेलवे की सीमा में है। रेलवे के पब्लिक रिलेशन अधिकारी सूबेदार सिंह ने बताया मंडीदीप रेलवे स्टेशन के किनारे रेलवे भूमि पर अवैध कब्जा किया गया है। ऐसे 288 अतिक्रमणकारियों को नोटिस दिया गया है। उनमें से 260 को नोटिस दिया जा चुका है 28 लोगों को दिया जाना बाकी है।

नेताओं ने कई बार दिया आश्वासन

स्थानीय रहवासी रोहित करोसिया और रामकली ने बताया कि वह हर बार ही ठगे गए। जब चुनाव आते हैं, नेता उन्हें पट्टे देने का आश्वासन देते हैं, लेकिन अभी तक उन्हें पट्टे नहीं दिए गए। हमारी मांग है कि हमें हटाने के पहले उचित स्थान पर विस्थापित किया जाए जहां हम रह सकें।

औबेदुल्लागंज नगर परिषद में भी कुंभ राशि का बड़ा प्रभाव

भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में 1980 से कुंभ राशि वाले नेताओं का राजनीति में उदय हुआ भाग्य, बड़े-बड़े नेताओं को दी मात

ऋषभ जैन ▶▶ औबेदुल्लागंज

भोजपुर विधानसभा 141 क्षेत्र में भगवान शिव शंकर की महिमा और भगवान शांतिनाथ की कृपा से कुंभ राशि वालों का 1980 से राजनीति में भाग्य उदय हुआ है। जब भाजपा से सालीगराम श्रीवास्तव विधायक बने इसके बाद 1985 से पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा ने तो कुंभ राशि को स्थापित कर दिया। भोजपुर क्षेत्र में इसके बाद पटवा की पसंद पर 1990 में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को लोकसभा चुनाव लड़ाया तो चौहान भारी मतों से जीते, तब गुरु सुंदरलाल पटवा और शिष्य शिवराज सिंह चौहान की जोड़ी ने कमाल कर दिया था। वहीं कांग्रेस से भोजपुर क्षेत्र के सुरेश पचौरी राज्यसभा सदस्य रहे, केंद्रीय रक्षा मंत्री रहे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष रहे, मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। पचौरी की चमक प्रदेश से लेकर पराष्ट्रीय स्तर में भी रही।

वर्तमान विधायक सुरेंद्र पटवा चार बार से भोजपुर क्षेत्र से

विधायक हैं। वे भी कुंभ राशि के हैं। इसलिए भोजपुर क्षेत्र में 2023 में तामोट के रामकिशोर चौहान, पार्षद मनोज चौरसिया, युवा नेता जीतू नंदवंशी, स्वच्छता एम्बेसडर पुरुषोत्तम शर्मा, माधव यादव, वागिश अग्रवाल, नंदू शर्मा, पवनजोत सिंह, मनजीत सिंह, आरती यादव, माखन सेन, रविशंकर राय, फिल्मी गाने की तर्ज पर गाते हैं भोजपुर क्षेत्र कुंभ राशि का है। पटवा-पचौरी के गढ़ में भाई राजकुमार पटेल तुला राशि वालों का क्या काम। इसलिए चाचा सुरेश पचौरी भतीजे सुरेंद्र पटवा के गढ़ में पटेल 40,779 हजार से हार गए। भोजपुर क्षेत्र में यह भी सत्यता है कि पटवा भाजपा और पचौरी कांग्रेस से हर चुनाव में आमने-सामने की टक्कर होती है। चाहे विधानसभा हो या जनपद हो या फिर नगर परिषद के चुनाव में पटवा-पचौरी की टक्कर मानी जाती है।

नगर परिषद औबेदुल्लागंज में भी कुंभ राशि का प्रभाव इतना हैं कि पार्षद से लेकर कर्मचारी और नागरिक भी परेशान हैं। कुंभ राशि की सीएमओ सोनाली शर्मा, मंडल अध्यक्ष, नपा अध्यक्ष लक्ष्मी चौकसे के प्रतिनिधि सोनू चौकसे की लंबी चर्चा पर पार्षद कहते हैं कि कौन सा संतुलन बनाने पर लंबी चर्चा हो रही है। वहीं शुक्रवार को हरिभूमि प्रतिनिधि से सीएमओ, चौकसे, पार्षद आमिर ममनून की मौजूदगी में पूछा कि आपकी लंबी चर्चा का कारण क्या है,तो सीएमओ ने कहा कि परिषद और कर्मचारियों में कैसे संतुलन बनाएं, हम इस पर विचार करते हैं। जब सीएमओ और चौकसे से पूछा कि औबेदुल्लागंज को सुंदर, स्वच्छ और विकसित नगर कैसे बनाया जाएगा, तो दोनों ने कहा कि बेहतर निर्माण स्वच्छता का संदेश और विकास के लिए नई तकनीकी सबसे ज्यादा जरूरी है।

टिगरिया एवं दिवटिया पहुंची यात्रा का हुआ भव्य स्वागत

विकसित भारत संकल्प यात्रा में दिखी भारतीय संस्कृति की झलक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

विकसित भारत संकल्प यात्रा का शनिवार को टिगरिया एवं दिवटिया पहुंची जहां ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान ग्राम के युवाओं द्वारा भारतीय परंपरा के पोषाक पहनकर स्वागत किया। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा आपके के लिए सरकार के पास एक प्लान है। यह प्लान अंतिम पंक्ति में बैठे नागरिकों के विकास का संकल्प भी है।

भारत शासन की 18 योजनाओं के माध्यम से जीवन स्तर में बदलाव लाने का संकल्प है। यात्रा का संकल्प है कि वर्ष 2047 तक कैसे देश को विकसित कर सब को सुखी

और निरोगी रख पाए। इस दौरान भाजपा जिला महामंत्री रविंद्र विजयवर्गीय, मंडल अध्यक्ष सोनू चौकसे, वरिष्ठ नेता रामकिशोर नंदवंशी, कन्हैया नंदवंशी, नवांकुर संस्था के अध्यक्ष व पार्षद सुनील सेरिया, एसडीएम चंदशेखर श्रीवास्तव, जनपद सीईओ युक्ति शर्मा, तहसीलदार निलेश सरवटे, सरपंच सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

कानूनी आत्मनिर्भरता के युग की शुरुआत

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत के 'सशक्त कानून'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार पिछले साढ़े नौ वर्षों में, हमारी संस्थाओं और प्रणालीगत कानूनों को पुनर्जीवित करने के मिशन पर कार्य रही है, जो 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश शासन और उनके प्रतिनिधियों द्वारा हमारे प्राचीन सभ्यतागत सोच विचार को ब्रिटिश शासन के अधीन एवं राज्य चलाने के उद्देश्य से बनाए गए थे। निश्चित रूप से यह नए कानून हमारी कानूनी आत्मनिर्भरता के युग की शुरुआत है एवं इन कानूनों के पारित होने का सुखद अनुभव वास्तव में हमें दासता से मुक्ति का बोध कराता है।

विशेष आलेख
विष्णुदत्त शर्मा

भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली को नया आकार देना, नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा और न्याय के कुशल प्रशासन को सुनिश्चित करना है कानूनी सुधारों का उद्देश्य

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक 2023 जो सीआरपीसी, 1898 को प्रतिस्थापित करेगा। भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023 जो साक्ष्य अधिनियम, 1872 को प्रतिस्थापित करेगा। इन विधेयकों की शुरूआत ऐसे समय में हुई है, जब विश्व तेजी से तकनीकी प्रगति, सामाजिक परिवर्तन और विकसित हो रहे वैश्विक मानकों को देख रहा है। ब्रिटिश काल के दौरान बनाए गए मौजूदा कानूनों की अक्सर पुराने होने और समकालीन जरूरतों के अनुरूप नहीं होने के कारण आलोचना की जाती रही है। नए कानून 21वीं सदी के साथ कानूनी प्रणाली को संरेखित करने की मोदी सरकार कि मंशा को दर्शाते हैं, जिसमें नागरिक-केंद्रित कानूनी संरचनाओं, लिंग तटस्थता, डिजिटल परिवर्तन और सजा के बजाए न्याय पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया गया है। इन परिवर्तनकारी कानूनी सुधारों का उद्देश्य भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली को नया आकार देना, नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा और न्याय के कुशल प्रशासन को सुनिश्चित करना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं हमारे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ संकल्प शक्ति का परिणाम था कि सभी हितधारकों के साथ व्यापक चर्चा के बाद इन कानूनों को लाया गया है। स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से देश के नाम अपने संबोधन में कहा था कि ये समय गुलामी की मानसिकता से मुक्त होकर, अपनी विरासत पर गर्व करने का है और आजादी के अमृतकाल में भारत ने संकल्प लिया है कि उन सभी गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति पाना है। वास्तव में भारत की प्राचीन सभ्यता में अपराधियों को दंड देने के बजाए पीड़ित को न्याय देने का प्रचलन था किंतु औपनिवेशिक काल में अंग्रेजों ने अपनी सत्ता स्थाई रखने के उद्देश्य से भय प्रस्थापित करने हेतु दंड को प्रमुखता दी।

इन कानूनों के प्रमुख प्रावधानों में राजद्रोह को निरस्त कर देशद्रोह को स्थापित करना, मॉब लिंचिंग के खिलाफ एक नया प्रावधान, नाबालिगों के बलात्कार के लिए मृत्युदंड, आतंकवाद की परिभाषा और छोटे अपराधों के लिए पहली बार सामुदायिक सेवा को दंड के रूप में सम्मिलित किया है। इसमें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध, हत्या और राज्य के खिलाफ अपराधों को प्राथमिकता दी गई है। अलगाववादी गतिविधियों या भारत की संप्रभुता और एकता को खतरे में डालने वाले कृत्यों पर नए अपराध जोड़े गए हैं। मुख्यतः यह विधेयक मानव केंद्रित न्याय प्रणाली सुनिश्चित करने का कार्य करेंगे और अब लोगों को 'तारीख पर तारीख' से मुक्ति मिलेगी। यह नए कानून भारतीय आत्मा से ओत-प्रोत हैं और इनका उद्देश्य संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना और न्याय प्रदान करना है। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य विधेयकों की शुरूआत भारत की कानूनी प्रणाली के लिए अत्यधिक महत्व रखती है जिससे निम्नलिखित संकल्प पूर्ति का लक्ष्य हैं।

आधुनिकीकरणः यह कानून औपनिवेशिक विरासत से प्रस्थान का प्रतिनिधित्व करते हैं, ऐसे प्रावधान प्रस्तुत करते हैं जो समकालीन सामाजिक मूल्यों और तकनीकी प्रगति को दर्शाते हैं। डिजिटल अपराधों और साक्ष्यों को मान्यता देकर, नए कानून 21 वीं सदी की वास्तविकताओं को दर्शाते हैं, जिससे भारत की कानूनी प्रणाली का आधुनिकीकरण होता है।

दक्षताः कानूनी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और डिजिटल साक्ष्य को मान्यता देकर, इन कानूनों का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया की दक्षता को बढ़ाना, देरी को कम करना और त्वरित न्याय को सुनिश्चित करना है।

नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोणः नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और जीवन में सुगमता सुनिश्चित करने पर जोर देने के साथ ही इनका लक्ष्य दंड से न्याय पर लक्ष्य केंद्रित करना है। वैश्विक मानकों के अनुरूपः यह आपराधिक न्यायिक प्रणाली के सुधार भारत की कानूनी प्रणाली को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि यह कानून अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम कानूनी प्रथाओं के अनुरूप हैं। गौरतलब है आपराधिक न्यायिक प्रणाली में सुधार की यह प्रक्रिया वर्ष 2019 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में गृह मंत्रालय द्वारा शुरू की गई जिसमें विभिन्न हितधारकों से इस संदर्भ में सुझाव मांगे गए। गृह मंत्री ने सितंबर 2019 में सभी राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, उपराज्यपालों/ प्रशासकों को पत्र लिखा था। जनवरी 2020 में भारत के मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों, बार काउंसिलों और विधि विश्वविद्यालयों और दिसंबर 2021 में संसद सदस्यों से भी सुझाव मांगे गए। बीपीआरडी ने सभी आईपीएस अधिकारियों से सुझाव मांगे। मार्च 2020 को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली के कुलपति की अध्यक्षता में एक समिति भी गठित की गई जिसे कुल 3200 सुझाव प्राप्त हुए थे।

साथ ही 18 राज्यों, 06 संघ राज्य क्षेत्रों, भारत के सर्वोच्च न्यायालय, 16 उच्च न्यायालयों, 27 न्यायिक अकादमियों-विधि विश्वविद्यालयों, पुलिस बलों ने भी अपने सुझाव दिए हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने 158 व्यक्तिगत बैठकें की, तत्पश्चात इन सुझावों पर गृह मंत्रालय में गहन विचार-विमर्श किया गया और इसी के परिणाम स्वरूप यह तीन कानून बने हैं। हम यह कह सकते हैं कि सरकार ने व्यापक चर्चा उपरांत जनआकांक्षाओं का सम्मान कर इन कानूनों को लाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार पिछले साढ़े नौ वर्षों में, हमारी संस्थाओं और प्रणालीगत कानूनों को पुनर्जीवित करने के मिशन पर कार्य रही है, जो 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश शासन और उनके प्रतिनिधियों द्वारा हमारे प्राचीन सभ्यतागत सोच विचार को ब्रिटिश शासन के अधीन एवं राज्य चलाने के उद्देश्य से बनाए गए थे। निश्चित रूप से यह नए कानून हमारी कानूनी आत्मनिर्भरता के युग की शुरुआत है एवं इन कानूनों के पारित होने का सुखद अनुभव वास्तव में हमें दासता से मुक्ति का बोध कराता है।

(लेखक भाजपा मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद हैं।)

बसों के संचालन में परमिट के तय समय का पालन नहीं कर रही वर्मा ट्रेवल्स की बसें

तय समय पर स्टैंड से छूटती हैं वर्मा की बसें पर बीच में ओवरटेक कर उठा लेती हैं दूसरी बसों के यात्री

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ भोपाल

वर्मा ट्रेवल्स के द्वारा परमिट की शर्तों का उल्लंघन कर बसों का संचालन कर रहा है। इसके चलते अन्य बस ऑपरेटर परेशान हैं। दरअसल, विभिन्न रूटों पर वर्मा ट्रेवल्स द्वारा परमिट में तय किए गए समय के हिसाब से बसों का संचालन नहीं किया जा रहा है। वह अन्य ऑपरेटरों की बसों के टाइम पर गाड़ियों का संचालन कर रहा है। इसके चलते जहां यात्रियों को बैठाने को लेकर कई बार बस संचालकों में रूट को लेकर विवाद की स्थिति बन जाती है।

वहीं एक दूसरे को ओवरटेक करने से यात्रियों की जान पर भी बन आती है। नाम न छापने की शर्त पर कुछ बस ऑपरेटरों ने बताया कि वर्मा टेवल्स के द्वारा लगातार परमिट में तय शर्त का उल्लंघन करते हुए दूसरे बस ऑपरेटरों की गाड़ी के समय पर चलते हैं। इसकी वजह से कई बार सवारियों को लेकर आपस में विवाद की स्थिति बन जाती है। दरअसल, परमिट में शर्त के अनुसार दो बसों के बीच में कम से कम 10 मिनट का अंतर होना चाहिए, लेकिन वर्मा ट्रेवल्स बस स्टैंड से तो तय समय पर निकलती हैं, लेकिन बस ड्राइवर बीच रास्ते में स्पीड बढ़ाकर दूसरे ऑपरेटर की बसों को ओवरटेक कर सवारियां उठाते हैं। इसके चलते कई बार वर्मा टेवल्स की बस बीच रास्ते में अनियंत्रित होकर पलट चुकी है। इन हादसे में यात्रियों की मौत भी हो चुकी है।

यात्रियों को बैठाने पर आए दिन बनती है विवाद की स्थिति | दूसरी बसों के ओवरटेक करने से बन आती है यात्रियों की जान पर

पहले भी रास्ते में खराब हुई हैं वर्मा की बसें

यह पहली बार नहीं था, इसके पहले भी वर्मा ट्रेवल्स की बसें बीच रास्ते में खराब होने के मामले सामने आ चुके हैं। तब भी यात्रियों को एसी बस के बजाय साधारण बस से गंतव्य तक पहुंचाया गया था। यात्रियों को सही सुविधा नहीं देने से दूसरे बस ऑपरेटरों का नाम खराब हो रहा है।

दूसरे ऑपरेटरों का नाम हो रहा खराब

19 दिसंबर को वर्मा ट्रेवल्स की बस बीच रास्ते में नासिक के पास खराब हो गई थी। इसके चलते कई यात्रियों तीन घंटे तक परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बाद जब यात्रियों ने हंगामा किया, तब जाकर दूसरी साधारण बस से यात्रियों को मुंबई तक पहुंचाया गया, जबकि इन यात्रियों से एसी बस का किराया वसूला गया था। इसमें कई यात्रियों को तय बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व एयरपोर्ट से 5 से 25 किमी तक दूर छोड़ दिया। इसके चलते यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बीआरटीएस की डेडिकेटेड लेन में फर्राटा भरती हैं बसें

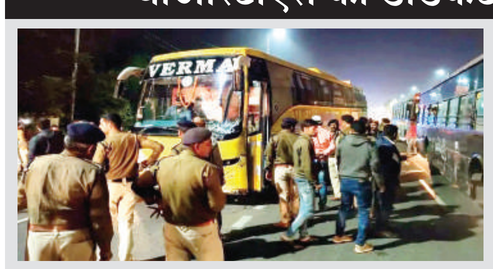

इतना ही नहीं वर्मा ट्रेवल्स की बसें ट्रैफिक नियमों का भी सरेआम उल्लंघन करती नजर आ ही जाती हैं। इसका उदाहरण है आम वाहनों के लिए प्रतिबंधित बीआरटीएस में इन बसों का सरेआम फर्राटा भरना और वह भी 70 से 80 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड में। वर्मा बस का यह दुस्साहसी कदम तब खुलकर सामने आया जब करीब 3 साल पहले देर रात ईसाई कब्रिस्तान के सामने कंपनी की वॉल्वो बस ने बाइक सवार को रौंद दिया। हादसे में ठेकेदार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी, बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। यह बस भोपाल से यात्रियों को लेकर पुणे जा रही थी।

बाबा खाटू श्याम का भी किया विशेष श्रृंगार

धूमधाम से मनाई गीता जयंती व मोक्षदा एकादशी मंदिरों में गीता पाठ का आयोजन, विशेष पूजा की

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ भोपाल

शनिवार को गीता जयंती व मोक्षदा एकादशी श्रद्धा भक्ति के साथ राजधानी में मनाई गई। इस मौके पर शहर में कई जगह गीता पाठ सहित अन्य आयोजन हुए। मोक्षदा एकादशी के दिन गीता का पाठ करना बेहद शुभ माना जाता है। मां चामुंडा दरबार के पुजारी गुरूजी पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि मोक्षदा एकादशी के दिन जो भी मन से पूजन करता है,उसके सभी पाप कट जाते हैं।

इस दिन भगवान विष्णु की तुलसी की मंजरी, धूप और दीपों से पूजा की जाती है। मान्यता हैं कि इस व्रत को रखने से स्वर्ग के रास्ते खुल जाते हैं। मोक्षदा एकादशी के दिन ही भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद् भगवद गीता का उपदेश दिया था। मोक्षदा एकादशी पर बाबा खाटू श्यान का भी विशेष श्रृंगार किया। इस दौरान पूजा-पाठ कर श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण भी किया।

श्रद्धालुओं ने अपने बच्चों का तुलादान कर भगवत गीता का किया वितरण

मोक्षदा एकादशी व गीता जयंती को शनिवार को इस्कॉन भेल भव्यता से मनाई। इस मौके पर भगवत गीता से महल बनाया गया। तो वहीं कई लोगों ने अपने बच्चों का भगवत गीता के बराबर तुलादान भी किया। इन भगवत गीताओं को जेल, अनाथ आश्रम, वृद्धाश्रम तक मुफ्त में दिया जाएगा। इस दौरान गीता पाठ का आयोजन किया गया। भक्तों ने भगवत गीता के 18 अध्यायों को पढ़ा। इसमें गृहस्थ, मंदिर के ब्रम्हचारी, बच्चे, माताएं शामिल रहीं। इसके बाद भगवत गीता की महाआरती की गई। इस मौके पर मंदिर के अध्यक्ष रसानंद दास ने कहा कि गीता भगवान का संदेश है। इसे पूरी दुनिया में पहुंचाना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। भगवत गीता लोगों के जीवन को बदलने का सामर्थ रखती है। हरे कृष्ण आंदोलन में ऐसे कई उदारहण हैं। इस्कॉन के फाउंडर आचार्य जगत गुरु श्रील प्रभुपाद ने इसी भगवत गीता और प्रसाद से हिप्पियों को हैप्पी बनाया है। इसी भगवत गीता के प्रचार के कारण उन्होंने दुनियाभर में 108 मंदिरों की स्थापना की। इसके बाद भक्तों ने हरे कृष्ण महामंत्र की धुन पर कीर्तन किया। आखिर में सभी के लिए एकादशी प्रसादम रखा गया।

परशुराम मंदिर में हुई पूजा-पाठ

गीता पाठ गीता जयंती पर शहर में कई जगह धार्मिक आयोजन हुए। इस दौरान श्रद्धालुओं को गीता के महत्व को समझाया गया। लिंक रोड दो स्थित भगवान परशुराम मंदिर में विशेष पूजन किया गया।

मार्कण्डेय मंदिर तलैया में भगवान का किया विशेष श्रृंगार

मार्गशीर्ष शुक्ल मोक्षदा एकादशी गीता जयंती पर शनिवार को बांके बिहारी लाल जी मार्कण्डेय मंदिर तलैया चोबदारपुरा में भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया।

गुफा मंदिर में हुआ गीता पाठ

मोक्षदा एकादशी व गीता जयंती पर गुफा मंदिर में रामानंदाश्रम गुफा मंदिर संस्कृत पाठ शाला आचार्यों विधार्थियों एवं श्रद्धालुजनों ने गीता पाठ ।

नर्मदेश्वर मंदिर में हुआ हवन-यज्ञ

गीता जयंती पर नर्मदेश्वर मंदिर में विशेष पूजा व हवन-यज्ञ किया गया। इस गीता पाठ व दीप दान किया।

क्रिसमस पर्व के लिए सज गए बाजार, जगह-जगह बिक रही सांता क्लॉस की ड्रेस व केप

म्यूजिकल सांता के साथ-साथ लाइट से सजी क्रिसमस-ट्री की डिमांड ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सभी गिरजाघरों में क्रिसमस पर्व की तैयारियां जोर-शोर से जारी है। जहां केरोल सिंगिंग ने शहर में रौनक लगाई है तो वहीं क्रिसमस के रंग में रंगे बाजारों की रौनक भी देखते ही बनती है। शहर भर में क्रिसमस ट्री, सजावट का सामान और ढेर सारे गिफ्ट्स के साथ सांता क्लॉस केप व ड्रेस के भी स्टॉल लगे हैं, जिस पर बच्चों की भीड़ देखी जा सकती है। वहीं अलग-अलग सांता क्लॉज की ड्रेस और मुखौटे बच्चों की पहली पसंद बनी है। साथ ही होटल्स में क्रिसमस डेकोरेशन के रूप में अलग ही तैयारी की गई है और मॉल के बीचों-बीच सांता क्लॉस डमी के साथ इग्लू भी लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र है।

क्रिसमस-ट्री, सांता बैलून, हैंगिंग सांता क्लॉज है खास

इस बार बाजारों में क्रिसमस के लिए क्रिसमस ट्री, सांता बैलून, हैंगिंग सांता क्लॉज आकर्षण का केंद्र है। वहीं बच्चों के लिए म्यूजिकल सांता खास रूप से लाए गए हैं, जिसकी कीमत 150 से लेकर छह हजार रुपए तक है। वहीं क्रिसमस को लेकर घरों में भी लाइटिंग और सजावट की गई है, जिसमें घरों में मौजूद पाइंस क्रिसमस ट्री व लाइट क्रिसमस ट्री नए कलेवर में नजर आ रहे हैं। पहले लोग क्रिसमस ट्री घर लाकर उसे लाइट से सजाते थे, लेकिन अब मार्केट में लाइट वाले क्रिसमस ट्री की डिमांड काफी ज्यादा है।

विशेष व्याख्यान में वक्ताओं ने रखे अपने विचार

एमसीयूः जातक कथाएं, पंचतंत्र महाभारत पर हो रहा है काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के माखनपुरम परिसर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा का महत्व विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के नवसृजित भरत मुनि शोध पीठ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी थे। वहीं अध्यक्षता कुलपति प्रो (डॉ.) के.जी. सुरेश ने की।

भारतीय ज्ञान परंपरा को समझना जरूरी

कुलपति प्रो. सुरेश ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि साधारणीकरण सीमित न रह जाए इसलिए इसको आगे बढ़ाना है और इस पर हम सबको आगे काम करना है। प्रो. सुरेश ने डॉ. निर्मलमणि अधिकारी के इस बारे किए गए योगदान को भी याद किया। उन्होंने जातक कथाएं, पंचतंत्र, महाभारत का जिक्र करते हुए कहा कि इस पर काम हो रहा है।

शिक्षा सभी स्तरों पर भारतीय भाषा में होना चाहिएः मुख्य वक्ता अतुल कोठारी ने कहा कि शिक्षा सभी स्तरों पर भारतीय भाषा में होना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है, जो विचार से, कार्य व्यवहार से भारतीय बने। कोठारी ने कहा कि शिक्षा नीति का आधारभूत उद्देश्य चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का निर्माण करना है।

इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में विंटर कार्निवल का आयोजन

भोपाल। इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में शनिवार को विंटर कार्निवल का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने मिलकर विभिन्न प्रकार के लजीज व्यंजनों एवं कई आकर्षक खेलों के स्टॉल लगाए। कार्निवल में अंतर विद्यालयीन नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भोपाल के लगभग 10 विद्यालयों ने भाग लेकर बहुत ही मनमोहक प्रस्तुति दी। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हेमा हायर सेकंडरी स्कूल, द्वितीय स्थान डी.पी.एस नीलबड़, तृतीय स्थान सागर पब्लिक स्कूल रोहित नगर ने प्राप्त किया।

सेवा भारती महानगर संचालित संस्कार केंद्रों के जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को बांटे स्वेटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शंकराचार्य मंडल छोला मंदिर केंद्र, कुशवाहा शादी हॉल कृष्णा नगर, और पुष्प लता केंद्र में 30 संस्कार केंद्रों के 321 छात्र एवं छात्राओं को सर्दी से बचाव के लिए गर्म स्वेटर और संस्कार केंद्र की दीदियों को गर्म शॉल वितरित किए।

शिव मंगल सिंह प्रांतीय अध्यक्ष सेवा भारती विधि एवं परामर्श आयाम, एवं एसएस अग्रवाल के द्वारा बच्चों को गर्म कपड़े वितरण किए। सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने बताया कि संस्था समाज के अंतिम से अंतिम व्यक्ति की जहां और जैसे मदद सहयोग की आवश्यकता है के सहयोग लिए के लिए संकल्पित हैं। कार्यक्रम में सेवा भारती शंकराचार्य मंडल से अध्यक्ष जगदीश बसंतानी, उपाध्यक्ष शिव शंकर कुशवाहा, वसुंधरा राठौर आदि लोग मौजूद थे।

कक्षा 6वीं की 8447 सीटों के लिए 11 फरवरी को होगी परीक्षा

एकलव्य आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए 8 जनवरी तक होंगे ऑनलाइन आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित प्रदेश के विशिष्ट आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं की 8447 सीटों की प्रवेश परीक्षा के लिए 8 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे।

11 फरवरी 2024 को सुबह 10 बजे होने वाली परीक्षा के लिए 29 जनवरी से प्रवेश पत्र डाउनलोड किए जा सकेंगे। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के अधीन प्रदेश में संचालित 63 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में 6वीं कक्षा में 1795 बालकों एवं 1820 बालिकाओं सहित कुल 3615 सीटें हैं। वहीं, प्रदेश के 81 कन्या शिक्षा परिसरों में कुल 4552 बालिकाओं और 8 आदर्श आवासीय विद्यालयों में कुल 280 सीटें उपलब्ध हैं। मेरिट सूची में चयनित होने एवं न्यूनतम योग्यता पाने वाले विद्यार्थी अपने विकल्प के अनुसार विद्यालयों में रिक्त सीट के विरुद्ध प्रवेश के लिए पात्र होंगे।

आधुनिक तकनीकी में भारतीय गणित के योगदान की व्याख्या

भोपाल। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान में महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती पर 'राष्ट्रीय गणित दिवस' का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि व वक्ता इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस एंड हायर एजुकेशन के गणित विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मनोज कुमार शुक्ल व कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. जयदीप मंडल ने की। प्रोफेसर शुक्ल ने पाई के प्रजेंटेशन के द्वारा आधुनिक तकनीकी में भारतीय गणित के योगदान की व्याख्या की।

‘समर्पित वाहनों’ को दिखाई हरी झंडी, पुलिस भर्ती का नियुक्ति पत्र भी दिया

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ में 368 करोड़ रुपए की नौ विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने 32 करोड़ की तीन अतिरिक्त परियोजनाओं की आधारशिला रखी। गृहमंत्री ने बताया कि 400 करोड़ लागत वाली इस परियोजना में स्वच्छता, शिक्षा, सुरक्षा, आवासीय सुविधाओं और उच्च शिक्षा जैसे अहम मुद्दों को शामिल किया गया है। शाह ने 744 युवाओं को सहायक उप निरीक्षक और कांस्टेबल के रूप में नियुक्ति पत्र जारी किया। उन्होंने चंडीगढ़ की सुरक्षा बढ़ाने के लिए समर्पित वाहनों को हरी झंडी भी दिखाई।

गृहमंत्री शाह ने 400 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

पुलिस की बीट प्रणाली को सराहा

शाह ने कई राज्यों में पुलिस बलों को प्रभावित करते हुए जमीनी स्तर पर बीट प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए चंडीगढ़ पुलिस की सराहना की इसके तहत पुलिस अफसर अपने इलाकों में सुरक्षा की निगरानी के लिए पेट्रोलिंग करते हैं। तकनीकी प्रगति पर जोर देते हुए गृहमंत्री ने पुलिस के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों खासकर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, उन्होंने युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए एक हैकथॉन की शुरुआत का जिक्र किया।

देश में आपराधिक न्याय प्रणाली जल्द

उन्होंने बताया कि ई-फोरेंसिक जो 17 लाख फोरेंसिक विवरणों तक पहुंच प्रदान करता है, 90 लाख से अधिक फिंगरप्रिंट रिकॉर्ड,आतंकवाद की एकीकृत निगरानी , अपराधियों का नार्को डेटा और मानव तस्करी अपराधियों का राष्ट्रीय डेटाबेस ऑनलाइन उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि क्राइम मल्टी एजेंसी सेंटर, नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल और बायोमेट्रिक कैदी डेटा के एकीकरण के साथ भारत विश्व स्तर पर सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणालियों में से एक बन जाएगा।

पहले पीएम मोदी फिर शाह से मिले सीएम विष्णुदेव

उपराष्ट्रपति धनखड़ से भी की मुलाकात

नई दिल्ली। शुक्रवार को छत्तीसगढ़ कैबिनेट का विस्तार हो गया। 9 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली है। कैबिनेट विस्तार के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा दिल्ली दौरे पर पहुंचे। शनिवार को सीएम ने पीएम मोदी, अमित शाह समेत पार्टी के कई सीनियर नेताओं से मुलाकात की। माना जा रहा है कि इस बैठक के बाद मंत्रियों के विभागों का बंटवारा हो जाएगा। हाई कमान से

चर्चा के बाद ही मंत्रियों को उनके विभाग दिए जाएंगे। सीएम ने उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ से भी मुलाकात थी। सीएम बनने के बाद विष्णुदेव साय का यह दूसरा दिल्ली दौरा है।

खबर संक्षेप

राज्यसभा की 4 सीटों के लिए 19 को होगा चुनाव

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने राज्यसभा की 4 सीटों के लिए चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया। दिल्ली की तीन और सिक्किम की एक राज्यसभा सीट के लिए 19 जनवरी को चुनाव होगा। नामांकन प्रक्रिया 2 जनवरी को अधिसूचना जारी होने के साथ शुरू होगी। उम्मीदवार 9 जनवरी तक पर्चा दाखिल कर सकते हैं। मतदान सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। गिनती शाम 5 बजे होगी।

रैट होल माइनर्स ने लौटाया 50 हजार का चेक

देहरादून। पिछले महीने उत्तराखंड के सिलक्यारा टनल में फंसे 41 मजदूरों की जान बचाने वाले रैट होल माइनर्स ने सीएम पुष्कर सिंह धामी द्वारा इनाम में दिए गए 50 हजार के चेक को लौटा दिया है। उनकी टीम के सदस्य ने सीएम की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि हम मुख्यमंत्री धामी के इस कदम की प्रशंसा करते हैं, लेकिन जो राशि हमें दी गई है उससे संतुष्ट नहीं हैं। इसलिए हम लौटा रहे हैं।

फेमस यूट्यूबर कामिया के मंदिर प्रवेश पर बवाल

नई दिल्ली। ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर पर एक वीडियो बनाने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर और फेमस यूट्यूबर कामिया जानी के मंदिर में प्रवेश करने को लेकर बवाल हो गया है। जगन्नाथ मंदिर से जुड़े वीडियो पर ऐसा विवाद खड़ा हो गया है कि जानी की गिरफ्तारी की मांग होने लगी है। बीजद- भाजपा में तकरार हो गई है। अब दोनों आमने-सामने हैं।

ईडी ने धनशोधन में तीन लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने चीनी स्मार्टफोन निर्माता वीवो और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को जानकारी दी है। तीनों को धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया है। तीनों गिरफ्तार किए गए लोगों की अब तक पहचान नहीं की गई है। नाम जाहिर नहीं किया गया है।

अनंतपुरामु में टक्कर में 4 लोगों की मौत

अनंतपुरमु। आंध्र के अनंतपुरामु जिले के कल्लूर गांव के पास शनिवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर एक निजी बस और बोरियों से लदे ट्रैक्टर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इसमें चार लोगों की मौत हो गई।सागर के गार्लाडिन पुलिस स्टेशन के सब इंस्पेक्टर ने यह जानकारी दी है। मृतकों के शवों को सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है।

कर्नाटक में हिजाब बैन विवाद

सिद्धारमैया का यू-टर्न, पहले लगाया फिर हटाया,भाजपा ने इसे शरिया कानून बताया

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक में हिजाब बैन को लेकर सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि अभी तक ऐसा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि किसी ने मुझसे हिजाब पर प्रतिबंध हटाने को लेकर सवाल पूछा जिसके जवाब में मैंने उन्हें जवाब दिया कि सरकार इसे रद्द करने पर विचार कर रही है। मैसुरु में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम सिद्धारमैया ने कहा था कि सरकार राज्य में हिजाब पर लगे बैन को हटाने जा रही है।

सीएम का कहना है कि सभी को पसंद के मुताबिक कपड़े पहनने का अधिकार है। ऐसे में महिलाएं हिजाब पहनकर बाहर जा सकती हैं। सीएम ने कहा कि इस बारे में अधिकारियों को आदेश वापस लेने के निर्देश दे दिए हैं। इसके बाद भाजपा ने सीएम पर धर्म का जहर बोने का आरोप लगाया था।

गिरिराज बोले- वे देश में इस्लामिक कानून लागू कर रहे

सिद्धारमैया के बयान के बाद से देश भर में इसे लेकर राजनीति शुरू हो गई है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में हिजाब प्रतिबंध हटाने से राज्य में शरिया कानून लागू होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष सत्ता में आया तो पूरे देश में इस्लामिक कानून लागू कर दिया जाएगा।गिरिराज सिंह ने कहा, यह महज हिजाब पर प्रतिबंध हटाना ही नहीं है, बल्कि राज्य में शरिया कानून की स्थापना है। अगर राहुल गांधी, कांग्रेस और इंडिया गंठधन की देश में सरकार बनी तो इस्लामी कानून लागू हो जाएगा। यह सुनियोजित योजना का हिस्सा है। यह सनातन धर्म को नष्ट करने की साजिश है।

सिद्धारमैया धर्म के आधार पर लोगों को बांट रहे

कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने सिद्धारमैया पर धर्म के आधार पर बांटने का आरोप लगाया। राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर लगे प्रतिबंध को वापस लेने के मामले पर कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस फूट डालो और शासन करो वाली ब्रिटिश सरकार की नीति को आगे बढ़ा रही है। राज्य सरकार को कम से कम बच्चों को अपनी गंदी राजनीति से बचाना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तरफ कांग्रेस हिजाब पर प्रतिबंध हटाना चाहती है।

शांति के बागीचे में धर्म का जहर बो रहे सिद्धारमैया

विजयेंद्र ने सिद्धारमैया के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा, सिद्धारमैया शांति के बागीचे में धर्म का जहर बो रहे। वे तुष्टिकरण की राजनीति कर युवाओं को धार्मिक आधार पर बांट रहे हैं। विभाजनकारी गतिविधियों के बजाए उन्हें शिक्षा पर जोर देना चाहिए।

लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक संपन्न

सभी पदाधिकारियों ने ऐतिहासिक जीत का लिया संकल्प, ‘बड़ा लक्ष्य’ सुनिशिचत करें

- नई दिल्ली स्थित भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में हुई बैठक में पहले दिन पीएम मोदी और अंतिम दिन अमित शाह ने पदाधिकारियों को किया संबोधित
- जेपी नड्डा ने की बैठक की अध्यक्षता, सभी उपाध्यक्ष, महासचिव और पदाधिकारी रहे उपस्थित
- राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के अध्यक्षों ने भी जीत पर रखे अपने-अपने विचार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई दिल्ली में हुई दो दिवसीय बैठक में अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करने का संकल्प लिया है। बताया जा रहा है कि बैठक के पहले दिन शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा दूसरे एवं अंतिम दिन शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि तीन महीने का वक्त हमारे पास है और जीत ऐसी हो जो इतिहास रच दे। बैठक की अध्यक्षता पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने की।

बैठक में हाल के विधानसभा चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत की प्रशंसा की गई। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के अध्यक्षों ने जीत पर अपने विचार रखे। सूत्रों ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने जीत के लिए सीट संख्या का कोई विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित नहीं किया, लेकिन ऐसी जीत सुनिश्चित करने पर जोर दिया जो 2019 के प्रदर्शन से बड़ी हो। भाजपा ने पिछले आम चुनावों में 543 सदस्यीय लोकसभा की 303 सीटें जीती थीं।

बताया जा रहा है कि भाजपा पूरे देश में महिला, युवा, किसान और गरीबों को पार्टी से जोड़ने के लिए अभियान चलाएगी। प्रधानमंत्री मोदी जनवरी में देश भर के युवाओं को संबोधित करेंगे। पार्टी ने लोकसभा चुनाव में 35 करोड़ वोट पाने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत विभिन्न योजनाओं के सात करोड़ लाभार्थियों तक पहुंचने की रणनीति बनाई गई है।

अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों और कार्यक्रमों की रुपरेखा तय करने के लिए शुक्रवार को शुरू हुई भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की दो दिन की बैठक शनिवार को खत्म हो गई।

सूत्रों के अनुसार बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनाव की तैयारी करने, मिशन 2024 के लिए जुट जाने का आह्वान किया।

सूत्रों के अनुसार अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दिन सभी भाजपा कार्यकर्ता अपने-अपने इलाके के मंदिर में पूजन और लाइव प्रसारण की व्यवस्था करेंगे। 22 जनवरी के बाद हर राज्य से ट्रेन के जरिए लोगों को अयोध्या ले जाकर भगवान राम के दर्शन कराए जाएंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा गया है कि राम मंदिर से जुड़ी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ज्यादा से ज्यादा साझा करें और लोगों से चर्चा करें।

पीएम मोदी ने संगठन नेताओं से वोट प्रतिशत बढ़ाने को कहा

प्रधानमंत्री मोदी ने संगठन के प्रमुख नेताओं से पार्टी का वोट प्रतिशत 10 प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में काम करने को कहा है। बैठक के समापन दिवस पर पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों और प्रदेश अध्यक्षों को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा का प्रदर्शन ऐसा होना चाहिए कि विपक्ष ‘स्तब्ध’ हो जाए।

विपक्षी गठबंधन और भाजपा के बीच सीधी लड़ाई की संभावना के बीच पीएम मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आने वाले लोकसभा चुनाव में 2019 के चुनावों की तुलना में पार्टी के वोट प्रतिशत में 10 प्रतिशत की वृद्धि करने का आह्वान किया। 2019 के चुनाव में भाजपा को 37 प्रतिशत से अधिक वोट मिले थे जबकि उसके नेतृत्व वाले एनडीए को करीब 45 प्रतिशत वोट मिले थे।

बैठक में अमित शाह ने हाल ही में मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी के प्रदर्शन का उल्लेख किया और 50 प्रतिशत वोट हासिल करने के लक्ष्य के लिए राज्य संगठन की सराहना की। सूत्रों ने बताया कि मोदी की तरह शाह ने भी चुनावों में संगठन की प्रमुखता को रेखांकित किया और कहा कि पार्टी को इतनी ‘भारी’ जीत मिलनी चाहिए कि विपक्ष उसे चुनौती देने से पहले कई बार सोचे।

बर्फबारी का लुत्फ लेते पर्यटक

लाहौल - स्पीति। लाहौल - स्पीति जिले के कोकसर में शनिवार को बर्फबारी के दौरान पर्यटक लुत्फ उठाते हुए।

देश के साथ पीएम मोदी के लिए लाभकारी होगा सूक्ष्म मुहूर्त

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए 84 सेकंड का मुहूर्त

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 84 सेकंड के सूक्ष्म मुहूर्त में होगी। पंच बाण से मुक्त ये मुहूर्त भारत के लिए संजीवनी का काम करेगी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भारत के विश्वगुरु बनने की राह को प्रशस्त करेगी।

ग्रहों की अनुकूलता प्राण प्रतिष्ठा के मुहूर्त को संपूर्ण भारत के लिए कल्याणकारी बना रहा है। ये मुहूर्त देश के साथ ही इस प्राण प्रतिष्ठा के यजमान पीएम नरेंद्र मोदी के लिए भी लाभकारी है। राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए देश भर से 5 मुहूर्त प्रस्तावित किए गए थे।

ये है मुहूर्त

काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण और राममंदिर के शिलान्यास का मुहूर्त निकालने वाले पं. गणेश्वर शास्त्री द्राविड़ ने बताया कि मेष लग्न में वृश्चिक नवांश में अभिजीत मुहूर्त में श्रीरामजन्मभूमि में रामलला की मूर्ति स्थापना के लिए अतिसूक्ष्म मुहूर्त है। ये दोपहर में 12 बजकर 29 मिनट आठ सेकंड से 12 बजकर 30 मिनट 32 सेकंड तक 84 सेकंड का है।

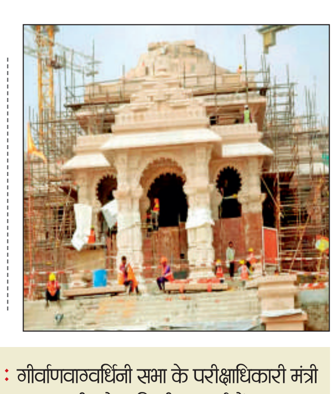

रामजी के राज्य में होगी वृद्धि : गीर्वाणवाग्वर्धिनी सभा के परीक्षाधिकारी मंत्री पं. गणेश्वर शास्त्री द्राविड़ ने बताया कि 22 जनवरी को अभिजीत मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा करने से रामजी की राज्यवृद्धि होगी अर्थात नीति के अनुसार शासन कार्य चलेगा। पं. गणेश्वर शास्त्री द्राविड़ ने बताया कि रामजी का जन्मनक्षत्र पुनर्वसु है। इससे गणना करने पर तृतीय पर्यय में रोहिणी नक्षत्र रामजी को वधतारा पड़ती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए मृगशिरा नक्षत्र के तीसरे चरण में कोई दोष नहीं है।

काशी से ही अयोध्या जाएगी हवन सामग्री

रामलला की प्राणप्रतिष्ठा के कर्मकांड की पूरी जिम्मेदारी काशी के वैदिक ब्राह्मणों पर है। काशी से ही हवन, पूजन और प्राण प्रतिष्ठा समारोह की सामग्री अयोध्या जाएगी। 26 दिसंबर को काशी के ब्राह्मणों का पहला जत्था रवाना होगा। इसके साथ ही यज्ञ कुंड व पूजन मंडप का कार्य भी आरंभ हो जाएगा। पं. अरुण दीक्षित ने बताया कि प्राणप्रतिष्ठा मुहूर्त को भव्य बनाने के लिए कोई भी पूजा छूट न जाए, इसलिए ग्रंथों के अध्ययन के साथ ही विद्वानों से संपर्क किया जा रहा है।

‘सरस्वती मंडपम’ को नवकेरल सदासु को आवंटित करने का मामला

भाजपा ने काले गुब्बारे के साथ किया विरोध प्रदर्शन, पुलिस ने छोड़ी पानी की बौछारें, घायल कई नेता अस्पताल में भर्ती

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

केरल से एक के बाद एक विरोध प्रदर्शन की खबर सामने आ रही है। कांग्रेस के बाद भाजपा समर्थकों को तितर-बितर करने के लिए वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया।

पूजापुरा के सरस्वती मंदिर से सटे ‘सरस्वती मंडपम’ को नवकेरल सदासु के आयोजन समिति कार्यालय को आवंटित किए जाने से भाजपा समर्थक खफा हैं। ऐसे में उन्होंने काले गुब्बारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया गया।

कांग्रेस का भी प्रदर्शन, पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे

कांग्रेस के सुधाकरन जख्मी

युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर कथित पुलिसिया कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। वाटर कैनन का भी इस्तेमाल किया। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सुधाकरन सहित अन्य नेताओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

क्या है यह मामला?

यह घटना राज्य पुलिस मुख्यालय के सामने हुई जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिसिया कार्रवाई और माकपा कैडरों को खुली छूट देने के लिए सीएम पिनराई विजयन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। सुधाकरन ने कहा कि ऐसी हरकत पहले कभी नहीं हुई है। मैंने प्रदर्शनकारियों से अपनी बात समाप्त कर ली थी और विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने अभी बोलना शुरू ही किया था कि आंसू गैस के गोले छोड़े गए। वाटर कैनन का इस्तेमाल किया।

थरूर ने कहा

18 आंसू गैस के गोले छोड़े, यह अतिवादी कदम

विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिसिया कार्रवाई को अतिवादी कदम करार देते हुए कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि 18 आंसू गैस के गोले छोड़े गए। आम तौर पर जब नेता विरोध प्रदर्शन में बोलते हैं तो कोई कार्रवाई नहीं होती है। जब पुलिसिया कार्रवाई हुई तब सब कुछ शांति से चल रहा था। मैंने राज्य पुलिस प्रमुख से बात की और उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं है और वह इसका पता लगाएंगे।

कानून के बाद भी नहीं रुक रही मॉब लिंचिंग

बंगाल में गाय चोरी के आरोप में 2 लोगों की पीटकर हत्या

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

केंद्र सरकार द्वारा क्रिमिनल लॉ में संशोधन के दो दिन के अंदर ही पश्चिम बंगाल में मॉब लिंचिंग की बड़ी घटना घटी है।

बर्दवान जिले के जमालपुर में गाय चोरी करने के आरोप में उत्तेजित भीड़ ने दो लोगों की पीट-पीटकर हत्या कर दी। संसद में क्रिमिनल लॉ में संशोधन विधेयक पारित किया गया है। इस विधेयक में मॉब लिंचिंग के लिए मौत की सजा का प्रावधान किया गया है। इस कानून के संसद के पास होने के कुछ ही दिन के अंदर बंगाल में यह दिलदहलाने वाली घटना घटी है।

बर्दवान जिले के जमालपुर में सोची समझी यह घटना

कई दिनों से गायों की हो रही थी चोरियां

कुछ दिनों से गांव में एक के बाद एक गाय चोरी की घटना हो रही थी। गौशाला से गाएं चोरी हो रही थीं। खबर स्थानीय थाने में दी गई थी, लेकिन स्थानीय लोगों को यह पता नहीं चल सका कि यह चोरी कौन कर रहा था या गायों के साथ क्या कर रहे थे। स्थानीय निवासियों ने गाय चोरों को रंगे हाथों पकड़ लिया, फिर पिटाई की।

टेरर पर अटैकः भारतीय सेना ने 4 आतंकियों को उतारा मौत के घाट

अखनूर में साथी का शव लेकर सीमा पार भागे 3 आतंकी, घुसपैठ की कोशिश नाकाम

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान की तरफ से आए आतंकियों ने एक बार फिर घुसपैठ करने की कोशिश की, जिसे सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया है। अखनूर सेक्टर में हुई घुसपैठ की कोशिश के दौरान चार आतंकवादियों ने भारतीय इलाके में घुसने की कोशिश की। ड्यूटी पर मुस्तैद सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की जिसमें एक आतंकवादी मारा गया।

इसके बाद बचे हुए तीन आतंकी अपने साथी का शव घसीटते हुए लेकर सीमा पार भाग गए। वहीं जम्मू के पुंछ में मुठभेड़ वाली जगह पर 3 लोगों के संदिग्ध हालात में शव मिले हैं। पुंछ के डिप्टी कमिश्नर चौधरी मुहम्मद यासिन और एसएसपी विनय कुमार मौके पर पहुंचे। इधर, जम्मू डिवीजन के कमिश्नर रमेश कुमार ने भी घटना स्थल का जायजा लिया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इस बीच राजौरी और पुंछ में मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है।

खास बातें

- आतंकियों को सुरक्षाबलों ने दिया करारा जवाब
- 4 आतंकियों पर सेना ने जबरदस्त गोलीबारी की
- आतंकवादियों की तलाश के लिए ऑपरेशन जारी

जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश को सुरक्षाबलों ने करारा जवाब दिया है। अखनूर सेक्टर में निगरानी कैमरे में दिखे 4 आतंकियों पर सेना ने जबरदस्त गोलीबारी की जिसके बाद आतंकी अपने साथी का शव लेकर भाग गए।

सुकमा में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है, एक एनकाउंटर में 4 नक्सलियों को मौत के घाट उतार दिया गया है। इस ऑपरेशन को सीआरपीएफ के जवानों ने तब अंजाम दिया, जिस समय उन पर अचानक से भारी गोलीबारी शुरू हो गई। इस समय पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। बड़ी बात ये है कि जिस समय सुकमा में ये एनकाउंटर हुआ, तब राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने गए हुए थे। वैसे छत्तीसगढ़ में कुछ दिन पहले भी एक नक्सली हमला हुआ था। भाजपा सरकार के शपथग्रहण समारोह से ठीक पहले नक्सलियों ने नारायणपुर में दुस्साहसपूर्ण काम किया था। इस हमले में एक जवान शहीद हो गया था।

राजौरी, पुंछ में मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ जिले में इंटरनेट सेवा निलंबित कर दी गई है। साथ ही आतंकवादियों की तलाश के लिए ऑपरेशन जारी है। गुरुवार को राजौरी में हुए आतंकी हमले में 5 सैनिक शहीद और दो जवान घायल हो गए थे। इसकी जिम्मेदारी पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) ने ली है। क्षेत्र की हवाई निगरानी बढ़ाए जाने के बीच सेना ने जमीनी तलाशी अभियान तेज कर दिया है, खासकर पुंछ जिले के राजौरी सेक्टर में डेरा की गली के वन क्षेत्र में।

गुरुवार को सेना पर हुआ था हमला

बता दें कि गुरुवार को राजौरी-पुंछ में हुए आतंकी हमले में 4 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे। आतंकी हमले में 3 से 4 आतंकवादी शामिल रहे। यह हमला डेरा की गली और बुफलियाज के बीच धत्यार मोड़ पर किया गया। जिस तरह हमले को अंजाम दिया गया है उससे प्रतीत होता है कि आतंकियों ने हमले को अंजाम देने से पहले रेकी की थी और खुद पहाड़ी के ऊपर चले गए और फिर वहां से सेना के दो वाहनों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

खबर संक्षेप

पाक का दीवाला, चाय से चिकन तक सब महंगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में जनता महंगाई से त्राहि-त्राहि कर रही है। महंगाई का आलम यह है कि महंगाई दर 42.6 हो चुकी है। खाने-पीने की चीजों की दरों में इजाफा और गैस की आसमान छूती कीमतों के चलते एसपीआई 42.6 प्रतिशत तक बढ़ गया।

डंटसोवा को पुतिन के सामने चुनाव लड़ने से रोका

मॉस्को। पूर्व टीवी पत्रकार येकातेरिना डंटसोवा को अगले साल होने वाले चुनाव में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ लड़ने से रोक दिया गया। कहा गया कि उम्मीदवार के रूप में आवेदन में गलतियों के कारण उन्हें चुनाव में खड़े होने से रोक दिया।

पाक ने तालिबानी कमांडर को किया ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने पंजाब प्रांत में तालिबान के एक कमांडर को मार गिराने का दावा किया है। सुरक्षाबलों के साथ उसकी मुठभेड़ में टीटीपी का प्रमुख कमांडर गजनफर नदीम उर्फ खालिद हबीब की मौत हो गई। उस पर 50 लाख का इनाम था।

---

20 भारतीय थे सवार, रेस्क्यू करने पहुंची इंडियन नेवी, हूती विद्रोहियों पर शक!

सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर भारत आ रहे पोत पर ड्रोन हमला, लगी आग

एजेंसी ▶▶ दुबई

यूकेएमटीओ को एक जहाज पर अनक्रूड एरियल सिस्टम (यूएएस) द्वारा हमले की रिपोर्ट मिली है, जिससे विस्फोट हुआ और आग लग गई।

हिंद महासागर में एक व्यापारिक जहाज ड्रोन हमले से क्षतिग्रस्त हो गया। राहत की बात यह है कि इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। शनिवार को दो समुद्री एजेंसियों ने बताया कि जहाज का संबंध इजरायल से है। गुजरात के वेरावल से 200 समुद्री मील दक्षिण पश्चिम में एक जहाज पर हमले में अनक्रूड एरियल सिस्टम शामिल था। ब्रिटिश सेना के समुद्री सुरक्षा फर्म एंब्रे के अनुसार हमले से जहाज पर आग लग गई। इन दोनों संगठनों ने यह भी बताया कि लाइबेरिया के झंडे वाला यह जहाज रासायनिक उत्पाद टैंकर था और इसका संबंध इजराइल से था।

खास बातें

- ड्रोन हमले से क्षतिग्रस्त हो गया व्यापारिक जहाज
- भारत के दक्षिण पश्चिम में 200 समुद्री मील की दूरी पर घटना
- हमले में अनक्रूड एरियल सिस्टम था

विस्फोट से लगी आग

यूकेएमटीओ ने एक बयान में कहा कि यूकेएमटीओ को एक जहाज पर अनक्रूड एरियल सिस्टम (यूएएस) द्वारा हमले की रिपोर्ट मिली है, जिससे विस्फोट हुआ और आग लग गई। घटना वेरावल, भारत के दक्षिण पश्चिम में 200 एनएम की दूरी पर हुई। आग बुझ गई, कोई हताहत नहीं है। अधिकारी जांच कर रहे हैं। जहाजों को सावधानी से आने-जाने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना यूकेएमटीओ को देने की सलाह दी जाती है।

यूक्रेन सेना का कारनामाः बीएमडब्ल्यू को बना दिया रॉकेट लॉन्चर

कीव। यूक्रेन ने अपने सैनिकों के रूस पर रॉकेट लॉन्च करने का वीडियो शेयर किया है। ये वीडियो सोशल मीडिया पर भी छाया हुआ है। इसमें यूक्रेनी सैनिक बीएमडब्लू की सीरीज-3 की कार की मदद से रूसी ठिकानों पर रॉकेट लॉन्च कर रहे हैं। इस वीडियो को काफी व्यापक रूप से शेयर किया जा रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि बीएमडब्ल्यू 3-सीरीज कार पर एक गार्ड रॉकेट लॉन्चर लगा हुआ है। रूसी सीमा बखमुट के पास बीएमडब्ल्यू कार से तीन रॉकेट लगातार दागे जा रहे हैं। यह वही जगह है जहां रूस-यूक्रेन के बीच भयंकर लड़ाई हो रही है। अन-वेरिफाइड ड्रोन के फुटेज में दिखाई दे रहा है कि कार से फायरिंग के बाद वहां से विस्फोट और धुआं निकलता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो के कैप्शन लिखा गया है, "बखमुत, 114वीं टीडीएफ ब्रिगेड की यूक्रेनी सेना ने अपनी बीएमडब्ल्यू 3-सीरीज एमएलआरएस को सामने तैनात किया है, यहां से यूक्रेनी सैनिक 122 मिमी ग्रैड रॉकेटों के साथ क्लिशचिव्का के पूर्व में रूसी ठिकानों पर गोलाबारी कर रहे हैं।

कम समय में 3 रॉकेट...

सैनिकों ने रॉकेट लॉन्चर को कार से क्यों जोड़ा, लेकिन अतीत में सैनिकों द्वारा गार्ड रॉकेट लॉन्चर को मॉडिफाई करने की भी खबरें आई थीं। बीएम-21 जीआरएडी-40.122 मिमी तक अन गाइडेड रॉकेट दागता है।

यूक्रेन ने कम समय में तीन रॉकेट दागने के लिए बीएमडब्लू को लॉन्चर के रूप में उपयोग किया था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पिछले साल फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से दोनों देशों में लगातार युद्ध जारी है।

मुंबई विवि और ऑक्सफोर्ड समझौता

विवि में अब जल्द ही छात्र पढ़ सकेंगे टेंपल मैनेजमेंट कोर्स

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुंबई यूनिवर्सिटी जल्द ही ऑक्सफोर्ड सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज की मदद से 'मंदिर प्रबंधन' पर एक पाठ्यक्रम पेश करेगा। यह ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड में पेश किया जाएगा। इसके तहत छात्र ग्रेजुएशन और डिप्लोमा की डिग्री हासिल कर सकते हैं।

यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज ने अपने संस्कृत विभाग के साथ शुक्रवार को ऑक्सफोर्ड सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। मुंबई यूनिवर्सिटी ने बताया कि इस समझौते का फोकस हिंदू दर्शन के समग्र अध्ययन पर है। इस समझौते से हिंदू दर्शन से संबंधित नए पाठ्यक्रम विकसित करने की दिशा में भी काम करने की उम्मीद है।

हिंदू दर्शन के व्यापक अध्ययन पर केंद्रित

हिंदू दर्शन के व्यापक अध्ययन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली को शामिल करने पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जोर के अनुरूप छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया जाएगा। पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालय के दो प्रबंधन स्कूलों की मदद से श्री साईबाबा संस्थान ट्रस्ट और शेगांव के गजानन महाराज मंदिर जैसे स्थापित मंदिरों में प्रबंधन सिद्धांतों की मांग करके डिजाइन किया जाएगा। कुछ सौर-संचालित प्रणालियों का उपयोग करके बिजली का प्रबंधन कर रहे हैं, कुछ अगरबत्ती बनाने के लिए भक्तों द्वारा चढ़ाए गए फूलों का उपयोग कर रहे हैं। इससे रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं। कुछ ने कतारों को मैनेज करने के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग करना शुरू कर दिया है। इन पर किताबें लिखी गई हैं।

दोनों विभाग विश्व मंच पर छाप छोड़ेंगे

मुंबई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रवींद्र कुलकर्णी इस पार्टनरशिप के वैश्विक प्रभाव को लेकर आशावादी हैं। उन्होंने कहा कि इस एमओयू के माध्यम से दोनों विभाग विश्व मंच पर अपनी छाप छोड़ने में सक्षम होंगे। मंदिर प्रबंधन में पाठ्यक्रम शुरू करने का विचार श्री साईबाबा संस्थान, शिरडी के पूर्व अध्यक्ष सुरेश हवारे के साथ एक बैठक के दौरान सामने आया। हमने शोरडी में मंदिर प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

इसरो प्रमुख सोमनाथ ने दी जानकारी

अपने मुकाम के करीब आदित्य एल-1, 6 जनवरी रहेगा खास दिन

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

भारत का पहला सौर्य मिशन आदित्य एल-1 छह जनवरी को अपनी मंजिल यानी लैंग्रेंजियन प्वॉइंट पर पहुंच जाएगा। इसरो अध्यक्ष सोमनाथ ने कहा कि फिलहाल इस बात की उम्मीद पूरी है। उन्होंने आगे कहा कि सटीक समय की जानकारी सही वक्त पर दी जाएगी। इसरो अध्यक्ष ने यह बातें भारतीय विज्ञान सम्मेलन से इतर पत्रकारों से बात करते हुए बताईं। सोमनाथ ने यह भी बताया कि भारत अपना स्पेस स्टेशन बनाने के भी करीब है।

तकनीकी रूप से ताकतवर बन रहा देश

भारत तकनीकी रूप से जिस तरह से ताकतवर देश बन रहा है, यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी बताया कि इसरो ने एक स्पेस स्टेशन बनाने की योजना बनाई है। इसका नाम भारतीय स्पेस स्टेशन होगा। पीएम मोदी ने इस बारे में निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहाकि अंतरिक्ष क्षेत्र में हम नए खिलाड़ियों का उदय देख रहे हैं... हम नई पीढ़ी के आसपास अर्थव्यवस्था का समर्थन, प्रोत्साहन और निर्माण करने जा रहे हैं। भारत सभी क्षेत्रों में लीडर तो नहीं बन सकता, लेकिन उसे उन सेक्टर्स पर फोकस की जरूरत है, जहां ऐसा हो सकता है।

फिर से फायर होगा इंजन

सोमनाथ ने बताया कि जब यह एल1 प्वॉइंट पर पहुंचेगा तो इंजन को एक बार फिर से फायर करना होगा, ताकि यह बहुत आगे न निकले। इसके बाद आदित्य एल1 यहां पर घूमने लगेगा और उलझा रहेगा। अपने लक्ष्य पर पहुंचने के बाद आदित्य एल1 अगले पांच साल तक सूरज पर होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी देता रहेगा।

तैयारियां अंतिम दौर में

बड़ा परमाणु परीक्षण करने का खतरनाक प्लान कर रहा चीन

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

चीन एक बार फिर बड़े परमाणु हथियार का परीक्षण कर सकता है। सैटेलाइट तस्वीरें में दिखाई दे रहा है कि जिनपिंग कुछ खतरनाक प्लान कर रहे हैं। अमेरिकी रिपोर्ट में दावा किया है कि चीन उत्तर-पश्चिम के ऑटोनॉमस इलाके झिंजियांग में जल्द ही न्यूक्लियर परीक्षण कर सकता है। चीन में लोप नूर नाम की एक जगह है जहां पर 1964 में सबसे पहले परमाणु परीक्षण किया गया था। इलाके में शी जिनपिंग किसी बड़ी रणनीति पर काम कर रहे हैं।

गुपचुप कार्य को अंजाम

रिपोर्ट में रैनी बैबियार्ज ने बताया ये जा रहा है कि रैनी ने खुद चीन से आईं उन तस्वीरों का अध्ययन किया है और उनकी तरफ से ही कहा गया है कि चीन नई पीढ़ी के हथियार बनाने की फिराक में लगा है। एक और परमाणु एक्सपर्ट ने इसी बात की तस्दीक की है कि चीन न्यूक्लियर टेस्ट की तैयारी कर रहा है। ये अलग बात है कि चीन ने एक बार फिर उन सभी दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

गदगद हुए फिलिस्तीनी, 15 देशों ने लगाई मुहर

यूएनएससी ने स्वीकार किया यूएई का लोगों को राहत पहुंचाने का 'प्रस्ताव'

एजेंसी ▶▶ गाजा

इजराइल-हमास युद्ध के बीच गाजा के लोगों को राहत पहुंचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने एक बड़े प्रस्ताव को अंगीकार किया है। यह प्रस्ताव संयुक्त अरब अमीरात की ओर से पेश किया गया था। प्रस्ताव पर अमल करते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा में मानवीय सहायता बढ़ाने की मांग को अंगीकार किया है, लेकिन इसमें युद्धविराम का कोई जिक्र नहीं है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि सहायता प्रभावी ढंग से मिले इसके लिए युद्धविराम की बेहद 'आवश्यकता' है। इसे 15 देशों की परिषद ने शुक्रवार को इसे अंगीकार कर लिया। इस प्रस्ताव के पक्ष में 13 वोट पड़े। जबकि विरोध में एक भी वोट नहीं पड़ा।

गाजा में मानवीय युद्ध विराम की मांग

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने प्रस्ताव के अंगीकार किए जाने के बाद संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों से कहा कि गाजा में लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए मानवीय युद्धविराम ही एकमात्र तरीका है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि आज का सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव अंततः ऐसा करने में मदद कर सकता है, लेकिन अब भी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। युद्ध में अब तक 20,000 से अधिक फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है।

ईडी का बड़ा खुलासा

पीएफआई द्वारा खाड़ी देशों से हवाला के जरिए आए करोड़ों

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईडी ने प्रतिबंधित संगठन पीएफआई से जुड़े 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी पीएफआई में अलग-अलग ओहदों पर थे, जो विदेश से हवाला के जरिए आए करोड़ों रुपए का इस्तेमाल देशविरोधी गतिविधियों में कर रहे थे। एएस इस्माइल, संगठन की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष मोहम्मद शाकिफ, राष्ट्रीय सचिव रहे अनीस अहमद, प्रतिबंधित के समय राष्ट्रीय सचिव रहे अफसर पाशा और संगठन के मौजूदा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ईएम अब्दुल रहमान शामिल हैं।

सुव्यवस्थित तरीके से पर्याप्त धन जुटाया

ईडी ने दावा किया कि पीएफआई ने खाड़ी देशों और अन्य जगहों पर अपने हजारों सक्रिय सदस्यों के माध्यम से पर्याप्त धन जुटाया है। केंद्र ने पीएफआई को आतंकवादी गतिविधियों और आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकवादी संगठनों के साथ कथित संबंधों को लेकर प्रतिबंधित किया था।

केंद्र सरकार ने 100 मिलियन डॉलर के समझौते पर किए हस्ताक्षर

त्रिपुरा में पर्यटन उद्योग का होगा कायाकल्प, बढ़ेगी पहचान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के बीच 22 दिसंबर शुक्रवार को 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर के एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर हुआ। इसका उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा के शहरी सेवाओं और पर्यटन सुविधाओं का विकास करना है। वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के संयुक्त सचिव जूही मुखर्जी ने बताया कि परियोजना के तहत त्रिपुरा के प्रमुख पर्यटन स्थलों का विकास किया जाएगा। इसके अलावा,यहां के प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों, शहरी स्थानीय निकायों में नगरपालिका और सार्वजनिक सेवाओं के विकास पर जोर दिया जाएगा।

पूर्वोत्तर में प्रवेश द्वार...

रेजिडेंट मिशन में कार्यरत निलय मिताश ने कहा कि यह परियोजना राजमार्गों के साथ पर्यटन स्थलों को विकसित करने में मदद करेगी, जिससे संसाधन जुटाकर शहरी प्रशासन और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और त्रिपुरा को पूर्वोत्तर भारत के प्रवेश द्वार के रूप में मदद मिलेगी। एशियाई विकास बैंक जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन, पर्यटन और व्यापार के लिए सामुदायिक और निजी क्षेत्रों की भागीदारी की पहचान बढ़ेगी।

डिजिटल संग्रहालय सहित साहसिक पार्क का निर्माण

इस परियोजना के तहत चतुर्दश देवता मंदिर, कस्बा कालीबाड़ी और नीरमहल पैलेस जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। आधुनिक सुविधाओं से युक्त कमरों में ठहरने की व्यवस्था में सुधार कर पर्यटकों के अनुकूल बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त एक डिजिटल संग्रहालय और एक नया साहसिक पार्क का भी निर्माण किया जाएगा

बच्चों और दिव्यांग व्यक्तियों के अनकूल बनाया जाएगा

इस परियोजना के तहत 42 किलोमीटर नए ट्रांसमिशन और वितरण पाइपों की स्थापना,चार नए जल उपचार संयंत्रों की स्थापना और 55 किलोमीटर के वाटरपाइप के सुधार से शहरी जल आपूर्ति को और बेहतर किया जाएगा। इस परियोजना के तहत 21 किलोमीटर शहरी सड़कों को बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और दिव्यांग व्यक्तियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त शहरी सेवाओं को बढ़ावा देने के क्रम में 12 शहरी स्थानीय निकायों में बुनियादी ढांचे के संचालन और रखरखाव, वित्तीय प्रबंधन, लैंगिक समानता और सामाजिक भागीदारी के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करेगी।

मैनचेस्टर सिटी ने जीता पहला क्लब विश्व कप और 2023 का 5वां खिताब

एजेंसी ›› जेद्दा

खास बातें
- फाइनल में फ्लूमिनेसे को 4-0 से दी शिकस्त
- 17 चरण में दिलाई 16वीं ट्रॉफी
- अब तक जीते एफए कप, प्रीमियर लीग, चैंपियंस लीग और सुपर कप

मैनचेस्टर सिटी ने शुक्रवार रात को यहां क्लब विश्व कप फाइनल में फ्लूमिनेसे को 4-0 से हराकर 2023 में पांचवां खिताब अपने नाम किया। मैनचेस्टर सिटी ने महज 40 सेकेंड के अंदर ही बढ़त बना ली थी जब जूलियन अल्वारेज ने गोल दागा।

फ्लूमिनेसे के कप्तान निनो के 27वें मिनट में किए गए आत्मघाती गोल से मैनचेस्टर सिटी की बढ़त दोगुनी हो गई और फिर फिल फोडेन ने 72वें मिनट में टीम का तीसरा गोल किया। अल्वारोज ने 88वें मिनट में अपने दूसरे गोल से मैनचेस्टर सिटी को 4-0 पर ला दिया। इससे मैनचेस्टर सिटी ने पहला क्लब विश्व कप खिताब अपनी झोली में डाला और उसने यूरोप को फीफा की इस क्लब प्रतियोगिता के 17 चरण में 16वीं ट्राफी दिलाई।

मैनचेस्टर सिटी इस साल एफए कप, प्रीमियर लीग, चैंपियंस लीग और सुपर कप खिताब जीत चुका है।

गुआर्डियोला ने तीसरी टीम को दिलाया खिताब

इस जीत से पेप गुआर्डियोला तीन विभिन्न टीमों के साथ क्ल विश्व कप जीतने वाले पहले कोच बन गए। उन्होंने बार्सिलोना को 2009 और 2011 में यह खिताब दिलाया था। फिर 2013 में बायर्न म्यूनिख को भी यह ट्रॉफी दिलाई थी। गुआर्डियोला ने शांति से इस जीत का जश्न मनाया, वह फ्लूमिनेसे के कोच फर्नांडो डिनिज को सांत्वना देने पहुंचे, उनसे हाथ मिलाया और उनके कंधों पर हाथ रखा। फिर वह फेलिपो मेलो के साथ गले मिलते और मुस्कुराते दिखे।

एस्टन विला और शेफील्ड यूनाईटेड ने 1-1 से ड्रा खेला

बर्मिंघम। एस्टन विला ने शुक्रवार को यहां अंत में किए गए गोल की बदौलत इंग्लिश प्रीमियर लीग मुकाबले में शेफील्ड यूनाईटेड से 1-1 से ड्रा खेला। इस नतीजे से एस्टन विला ने लीग तालिका में शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवा दिया। मुकाबले के दौरान वीएआर संबंधित कई विवाद हुए। शेफील्ड ने कैमरन आर्चर के 87वें मिनट में किये गोल से 1-0 से बढ़त बनायी। जिसके बाद निकोलो जानियोलो ने 90+7वें मिनट में गोल से एस्टन विला को बराबरी पर ला दिया। एस्टन विला अगर जीत जाता तो तालिका में आर्सेनल से ऊपर शीर्ष पर पहुंच जाता। पर अब वह आर्सेनल से बराबर अंक के बाद दूसरे स्थान पर चल रहा है।

खबर संक्षेप

शुक्ला दत्ता बनीं भारत की अंडर-19 कोच

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय खिलाड़ी शुक्ला दत्ता को अगले साल फरवरी में होने वाली सैफ चैंपियनशिप से पहले शनिवार को देश की अंडर-19 महिला फुटबॉल टीम की कोच नियुक्त किया गया। पूर्व भारतीय अंडर-17 महिला टीम की कोच शुक्ला दत्ता के साथ सभी महिलाओं के सहयोगी स्टाफ में पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी श्रद्धांजलि समंतारे और गोलकीपिंग कोच लौरेम्बाम रोनिबाला चानू उनकी सहायक होंगी। भारतीय टीम सैफ चैंपियनशिप के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत अगले महीने गोवा में करेगी।

ऋतुराज की उंगली में फ्रैक्चर, जाएंगे एनसीए

मुंबई। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर अपनी उंगली में फ्रैक्चर के कारण बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में जाएंगे। हर्षित राणा मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच से पहले भारत ए की टीम से बाहर हो गए। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को बताया कि सलामी बल्लेबाज गायकवाड़ की दाएं हाथ की अनामिका उंगली में फ्रैक्चर है। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू होने वाली आगामी दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे।

क्वालीफायर प्रतिबद्धता दिखाने का मौका

रांची। शीर्ष भारतीय मिडफील्डर सलीमा टेटे ने शनिवार को कहा कि 13 जनवरी से यहां शुरू होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर सिर्फ 2024 पेरिस खेलों के लिए टिकट हासिल करने के लिए नहीं है बल्कि महिला हॉकी टीम के लिए यह खेल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने का मौका भी है। भारत सहित आठ टीम यहां पेरिस ओलंपिक के लिए दाव पर लगे तीन स्थान हासिल करने की कोशिश करेंगी जिसमें मेजबानों की भिड़ंत शुरुआती दिन अमेरिका से होगी

पाक के नोमान बाहर टीम से जुड़ेंगे नवाज

सिडनी। पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली 'अपेंडिक्स' दर्द की वजह से हुई सर्जरी के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के अंतिम दो मैच से बाहर हो गए। उनकी जगह मोहम्मद नवाज जल्द ही आस्ट्रेलिया में राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे।

हरमनप्रीत और स्नेह को दो-दो विकेट ऑस्ट्रेलिया ने बनाई 46 रन की बढ़त

भारतीय महिला टीम ने बनाया 406 रन का रिकॉर्ड स्कोर

एजेंसी ›› मुंबई

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तीसरे दिन शनिवार को यहां अंतिम क्षणों में दो विकेट लेकर भारत का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र महिला टेस्ट क्रिकेट मैच में पलड़ा भारी रखा। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 233 रन बनाए थे और इस तरह से उसने 46 रन की बढ़त हासिल कर ली है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 219 रन के जवाब में अपनी पहली पारी में 406 रन बनाकर 187 रन की बढ़त हासिल की थी।

हरमनप्रीत ने ताहलिया मैकग्रा (73 रन) को क्लीन बोल्ड किया और फिर खतरनाक दिख रही एलिसा हिली (32) को पगबाधा आउट किया। स्टंप उखड़ने के समय एनाबेल सदरलैंड 12 और एशलेग गार्डनर सात रन पर खेल रही थी। तीसरा दिन ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा। भारत ने सुबह अपनी पारी सात विकेट पर 376 रन से आगे बढ़ाई और उसने आधे घंटे के खेल में ही 30 रन जोड़कर अपने बाकी बचे तीन विकेट गंवा दिए। सदरलैंड (दो विकेट) ने भारत के निचले क्रम के बल्लेबाजों को आउट करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कल की अविजित बल्लेबाज पूजा वस्त्राकर (47) और रेणुका सिंह (08) को जबकि किम गार्थ ने दीप्ति शर्मा (78) को आउट किया।

भारत के नाम दो नए रिकॉर्ड

भारतीयों खिलाड़ियों ने दो नए रिकॉर्ड बनाए। दीप्ति ने अपनी पारी में 171 गेंद का सामना किया और नौ चौके लगाए। भारत का 406 रन का योग ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक स्कोर है। दीप्ति और वस्त्राकर के बीच आठवें विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी भारत की तरफ से नया रिकॉर्ड है।

विकेट से नहीं मिली मदद

विकेट से स्पिनरों को खास मदद नहीं मिल रही थी जिसके कारण भारतीय गेंदबाजों को संघर्ष करना पड़ा। राजेश्वरी गायकवाड़ ने 27 ओवर किए लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। उनकी गेंद पर हालांकि हीली को दो जीवनदान मिले थे।

पेरी और मैकग्रा ने जोड़े 84 रन

ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी (33) और फोएबे लीचफील्ड (18) ने सतर्क शुरुआत की लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने उन्हें बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। रिचा घोष ने मूनी को रन आउट करके भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद स्नेह राणा (दो विकेट) ने लीचफील्ड को बोल्ड किया जो रिवर्स स्वीप करने से चूक गई थी। एलिस पेरी बड़ी पारी खेलने के मूड में दिख रही थी लेकिन भारतीय विकेटकीपर यास्तिका भाटिया ने राणा की गेंद पर उनका शानदार कैच लेकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। पेरी ने 91 गेंद पर पांच चौकों की मदद से 45 रन बनाए। उन्होंने मैकग्रा के साथ तीसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की।

सौरभ एयर पिस्टल ट्रायल्स में जीत की राह पर लौटे

नई दिल्ली। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सौरभ चौधरी ने राष्ट्रीय चयन निशानेबाजी ट्रायल्स में शनिवार को यहां फाइनल में 244.5 का स्कोर बनाकर पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल टी1 का खिताब जीता। भारत के सर्वश्रेष्ठ पिस्टल निशानेबाजों में से एक सौरभ ने क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहे सेना के रविंद्र सिंह को आठ खिलाड़ियों के फाइनल में 0.1 अंक के मामूली अंतर से हराकर लंबे समय बाद जीत की राह पकड़ी। महिलाओं की एयर पिस्टल टी1 में हरियाणा ने क्लीन स्वीप किया। सुरुचि ने दो ओलंपियन यशस्विनी देसवाल और मनु भाकर को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया। सुरुचि क्वालिफिकेशन में भी शीर्ष पर रही थी। उन्होंने 579 अंक बनाकर फाइनल में जगह बनाई जहां उनका स्कोर 240.4 रहा। यशस्विनी दूसरे और मनु भाकर तीसरे स्थान पर रही। पुरुष वर्ग के क्वालिफिकेशन में रविंद्र ने 586 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया था। सौरभ ने 581 अंक बनाए और वह सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचे थे।

एआईटीए को लगा झटका

भारतीय डेविस कप टीम को जाना होगा पाकिस्तान

एजेंसी ›› नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ पंचाट ने अखिल भारतीय टेनिस महासंघ की उस दलील को खारिज कर दिया है कि उसकी डेविस कप टीम को इस्लामाबाद में विश्व ग्रुप एक प्ले-ऑफ मुकाबले के दौरान सुरक्षा चिंताओं का सामना करना पड़ सकता है।

आईटीएफ पंचाट के इस फैसले से 60 साल में किसी भारतीय टेनिस टीम के लिए पहली बार पाकिस्तान के दौरे का रास्ता साफ हो गया। भारतीय टीम अगर पाकिस्तान की यात्रा करने में विफल रहती है तो मेजबान देश को इस टाई का विजेता घोषित कर दिया जाएगा। इससे भारतीय टीम विश्व ग्रुप दो में खिसक जाएगी। भारत की डेविस कप टीम ने पिछली बार 1964 में पाकिस्तान का दौरा किया था जब उसने मेजबान टीम को 4-0 से हराया था। एआईटीए के महासचिव अनिल धूपर ने एजेंसी से आईटीएफ से उनकी अपील खारिज होने की पुष्टि की।

राष्ट्रीय मुक्केबाजी

स्वीटी और पूजा रानी ने प्री क्वार्टर में दर्ज की जीत

एजेंसी ›› ग्रेटर नोएडा

अनुभवी मुक्केबाज स्वीटी बूरा और पूजा रानी ने महिलाओं की राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन शनिवार को यहां विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मौजूदा विश्व चैंपियन स्वीटी (81 किग्रा) ने जहां रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड की अल्फिया पर 4-1 से संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की वहीं एशियाई चैंपियनशिप में दो बार की स्वर्ण पदक विजेता पूजा ने 75 किग्रा भार वर्ग में नागालैंड की रेनू को आसानी से 5-0 से हराया।

स्वीटी और पूजा के अलावा हरियाणा की जिन अन्य मुक्केबाजों ने अंतिम 16 में जगह बनाई उनमें 2022 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली मनीषा मौन (60 किग्रा) और सनेह (70 किग्रा) शामिल हैं। इस बीच आरएसपीबी की नूपुर ने 81 किग्रा से अधिक भार वर्ग में दिल्ली की हिमांशी अंतिल के खिलाफ आक्रामक करवाया अपनाया। रेफरी ने पहले राउंड में ही मुकाबला रोककर नूपुर को विजेता घोषित किया। अपराजिता मणि (57 किग्रा) और रिंकी शर्मा (63 किग्रा) ने क्रमशः महाराष्ट्र की आर्या बारटाके (5-2) और तमिलनाडु की वी मोनिशा (5-0) को हराया, जबकि रेखा (66 किग्रा) और दीपिका (75 किग्रा) ने तेलंगाना की पूजा बिस्वास और ओडिशा की सुनीता जेना के खिलाफ आरएससी से जीत दर्ज की।

बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को पहली बार उसके घर में 9 विकेट से रौंदा

एजेंसी ›› नेपियर

- न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश से 2-1 से जीती वनडे सीरीज

बांग्लादेश को शनिवार को यहां तीसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड को नौ विकेट से हराने के लिए महज 15 ओवर लगे जिससे मेजबान टीम की घरेलू मैदान पर 17 मैचों में चली आ रही जीत की लय टूट गई। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 2-1 से जीत ली। न्यूजीलैंड ने पहले वनडे में 44 रन और दूसरे वनडे में सात विकेट से जीत हासिल की थी।

न्यूजीलैंड को 31.4 ओवर में महज 98 रन पर समेटने के बाद कप्तान नजमुल हुसैन शांटो ने 42 गेंद में नाबाद 51 रन बनाए और अनामुल हक ने 33 गेंद में 37 रन का योगदान दिया जिससे बांग्लादेश ने 19 प्रयासों में न्यूजीलैंड पर वनडे में पहली जीत हासिल की। बांग्लादेश ने शनिवार को न्यूजीलैंड को दोनों टीमों के बीच हुए वनडे में उसके न्यूनतम स्कोर पर आउट किया। तंजिम हसन साकिब ने 14 रन देकर तीन विकेट और शोरिफुल इस्लाम ने 22 रन देकर तीन विकेट झटके। सौम्य सरकार ने भी 18 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

मंगलवार से 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट पर भारतीय टीम प्रबंधन की चिंता

विकेटकीपिंग, प्रसिद्ध-मुकेश के बीच आदर्श विकल्प बना संशय

एजेंसी ›› सेंचुरियन

हालात के अनुसार सर्वश्रेष्ठ संयोजन हमेशा टीम की सर्वश्रेष्ठ एकादश नहीं होती जिससे 'बॉक्सिंग डे' पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के लिए सही संयोजन ढूंढना भारत के लिए निश्चित रूप से मुश्किल भरा काम होगा। कम से कम दो स्थान ऐसे होंगे जिसके लिए मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को परेशानी होगी। सबसे मुश्किल भरा मुद्दा भारत के लिए यह होगा कि केएल राहुल को बल्लेबाजी मजबूत करने के लिए विकेटकीपिंग करने को कहा जाएगा। इसके अलावा सबसे पेचीदा मुद्दा मुकेश कुमार और प्रसिद्ध कृष्णा में से किसी एक को चुनने का होगा जो टखने की चोट से उबर रहे मोहम्मद शमी की जगह लेंगे। देखा जाए तो कुछ फैसले सीधे लग सकते हैं लेकिन भारतीय टीम प्रबंधन के लिए चीजें उतनी आसान नहीं होंगी।

पिच तेज गेंदबाजों के मुफीद

सेंचुरियन की पिच तेज गेंदबाजों के मुफीद रही है जो सख्त और उछाल भरी है जिस पर नमी भी है और इससे दिन के दूसरे हिस्से में रिवर्स स्विंग में मदद मिलती है। अगर 'लेटरल मूवमेंट' की बात की जाए तो कैरेबियाई सरजमीं पर टेस्ट पदार्पण कर चुके मुकेश सीधे अंतिम एकादश में शामिल हो सकते हैं। लेकिन बंगाल का यह तेज गेंदबाज सफेद गेंद की श्रृंखला के दौरान सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखा है। वह 40 प्रथम श्रेणी मैचों में 151 विकेट झटक चुके हैं। वह लंबे स्पैल डाल सकते हैं और रणजी ट्राफी क्रिकेट में चाय के बाद वह 'रिवर्स स्विंग' भी हासिल करने के लिए मशहूर हैं।

प्रसिद्ध की गेंदबाजी आदर्श

मुकेश के निकटतम प्रतिद्वंद्वी द्रविड़ के पसंदीदा और बेंगलुरु के साथी प्रसिद्ध हैं जिनकी गेंदबाजी सुपरस्पोर्ट पार्क के लिए आदर्श है। वह 2015 में रणजी ट्राफी पदार्पण के बाद से 15 प्रथम श्रेणी मैच भी नहीं खेले हैं और अगर शमी फिट होते तो उन्हें शामिल करने की बात ही नहीं होती। पर पोटचेफस्ट्रूम में पहले 'अनौपचारिक टेस्ट' में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए के लिए पांच विकेट लेकर उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्हें पिच पर अधिक उछाल मिलने की उम्मीद है। लेकिन वह रन भी लुटा सकते हैं क्योंकि वह अपनी लाइन पर निरंतर नहीं रहते हैं।

भारत की अंडर-19 टीम खेलेगी त्रिकोणीय श्रृंखला

एजेंसी ›› नई दिल्ली

भारत की अंडर-19 टीम अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप से पहले जोहानिसबर्ग में मेजबान दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला खेलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के बयान के अनुसार त्रिकोणीय श्रृंखला जोहानिसबर्ग में खेली जायेगी जिसमें प्रत्येक टीम एक दूसरे से दो बार आमने सामने होगी।

भारत की अंडर-19 टीम अपना अभियान 29 दिसंबर को अफगानिस्तान की अंडर-19 टीम के खिलाफ शुरु करेगी और फिर दो जनवरी को दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 टीम से भिड़ेगी। फाइनल 10 जनवरी को खेला जाएगा। अंडर-19 विश्व कप दक्षिण अफ्रीका के ब्लोमफोंटेन में 19 जनवरी से शुरू होगा। भारत को ग्रुप ए में बांग्लादेश, आयरलैंड और अमेरिका के साथ रखा गया है और टीम अपना अभियान 20 जनवरी को बांग्लादेश के खिलाफ शुरू करेगी।

आर्मी स्कूल में खेल दिवस 'धरोहर' की शुरुआत परेड से

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आर्मी पब्लिक स्कूल, भोपाल में शनिवार को 14वां खेल दिवस 'धरोहर' मनाया गया। इस खेल दिवस में मुख्य अतिथि मेजर जनरल एस.के. श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि ब्रिगेडियर रोहित चेलापथी के रूप में उपस्थित थे। खेल दिवस का उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुशासन, लगन, समर्पण, निष्ठा और उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित कर उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना है।

खेल दिवस की शुरुआत परेड से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने सैनिकों की तरह कदम ताल कर तालमेल व समन्वय का परिचय दिया। एथलीट मीट के साथ शपथ ग्रहण के बाद खेलकूद में विशिष्ट उपलब्धियों वाले विद्यार्थियों द्वारा मशाल दौड़ का आयोजन किया गया। ट्रैक एंड फील्ड के अंतर्गत विभिन्न दौड़ तथा अन्य कार्यक्रमों ने दर्शकों को बांधे रखा। अंत में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एस.के. श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को सम्मानित किया तथा सभी को उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अंत में विद्यालय की प्राचार्या प्रियंका त्रिवेदी ने सभी का आभार प्रकट किया।

सैनिकों की तरह विद्यार्थियों ने कदमताल से दिया समन्वय का परिचय

कदमताल के साथ परेड निकालते स्कूल के छात्र। दूसरे चित्र में सैन्य करतब दिखाते हुए। तीसरे चित्र में विजेता बच्चों को सम्मानित करते अतिथि।

मशरूम वर्ल्ड मास्टर्स एवं सीनियर्स कप क्रिकेट प्रतियोगिता

आईपीसीए ने हमीदिया स्पोर्ट्स को 56 रन के अंतर से हराया

आईपीसीए ने बगैर विकेट खोए 215 रन का स्कोर खड़ा किया, जवाब में हमीदिया तय ओवर में 159 रन पर सिमटी

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जेपी यादव ने ठोका शानदार शतक, बने मैन ऑफ द मैच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

स्पोर्ट्स क्लब ऑफ़ भोपाल द्वारा आयोजित 7वें मशरूम वर्ल्ड मास्टर्स कप क्रिकेट प्रतियोगिता में शनिवार का मुकाबला आईपीसीए और हमीदिया स्पोर्ट्स के मध्य खेला गया, जिसमें आईपीसीए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आईपीसीए ने निर्धारित 20 ओवर में पूर्व अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी जेपी यादव के शानदार नाबाद शतक 112 रन और अब्दुल अकील की शानदार अर्द्धशतकीय पारी नाबाद 79 रन की बदौलत बगैर विकेट खोए 215 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

जवाबी पारी खेलते हुए हमीदिया स्पोर्ट्स की टीम पूरे 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी, जिसमें ओसाफ ने संघर्षपूर्ण अर्धशतकीय पारी 59 रन, इसा ने 30 और नारायण शर्मा ने 26 रन का योगदान दिया। आईपीसीए के जामरान ने तीन, मुश्ताक और सरगम ने एक-एक विकेट लिया। जेपी यादव को शतकीय पारी के लिए मेन ऑफ़ द मैच चुना गया।

उन्हें सीआई हुंडई के डायरेक्टर आकाश मलिक ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर सुरेश चेनानी, राजेश बर्मन, जीतेन्द्र मालवीय और रामेश्वर भार्गव समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आज के मैच

- अकीरा क्रिकेट अकादमी विरुद्ध अरेरा क्रिकेट अकादमी
- वीसीएस रेड इंदौर विरुद्ध भोपाल मास्टर्स

बीयू की गर्ल्स ने मणिपाल जयपुर को 9-0 से हराया

ग्वालियर की आईटीएम यूनिवर्सिटी में चल रहा अंतर विश्वविद्यालयीन फुटबॉल टूर्नामेंट

भोपाल। आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर द्वारा आयोजित पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय फुटबॉल (महिला) प्रतियोगिता में शनिवार को बीयू भोपाल फुटबॉल (महिला) टीम ने मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर से अपना मैच 09/00 से जीत लिया। इसके साथ ही राष्ट्र रक्षा विश्वविद्यालय गुजरात से अपना मैच 06/00 से लगातार जीत कर अगले दौर में प्रवेश किया है। टीम की जीत और शानदार प्रदर्शन को देखते हुए बीयू की टीम के कोच हरविंदर सिंह, फिरोज खान, अनिल तंवर और समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने शुभकामनाएं दीं।

शुभारंभ आज स्कूल मैदान पर, मैच कल से साई परिसर के मैदान में होंगे

सीबीएसई नेशनल हॉकी का रोमांच राजधानी में कल से, श्री भवंस भारती पब्लिक स्कूल को मिली मेजबानी, कई टीमें पहुंचीं भोपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

- टूर्नामेंट में देशभर की टीमों के साथ गल्फ देश के सीबीएसई स्कूलों की 30 टीमें

श्री भवंस भारती पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित सीबीएसई नेशनल हॉकी अंडर-19 बालक व बालिका प्रतियोगिता 25 दिसंबर को श्री भवंस भारती पब्लिक स्कूल खेल मैदान पर प्रारंभ हो रही है। टूर्नामेंट के मुकाबले 26 दिसंबर से स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) खेल मैदान पर खेले जाएंगे। प्रतियोगिता के सभी मुकाबले लीग कम नॉकआउट आधार पर डे के साथ साथ नाइट (दूधिया रोशनी) में भी खेले जाएंगे।

इसमें भारत देश के साथ-साथ गल्फ देश के सीबीएसई स्कूलों की 30 टीमें भी भाग ले रही हैं। इसमें द इंडियन स्कूल ओमान, ओपी जिंदल स्कूल रायगढ़ छत्तीसगढ़, सच्चिदानंद स्कूल, सैनिक स्कूल भुवनेश्वर, मॉडर्न स्कूल न्यू दिल्ली, आर्मी पब्लिक स्कूल न्यू दिल्ली, महर्षि विद्या मंदिर स्कूल, डिवाइन चाइल्ड स्कूल, गंगा इंटरनेशनल स्कूल न्यू दिल्ली, जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल गाजियाबाद, श्रीराम विद्या मंदिर स्कूल हरिद्वार, चंदन बाल विकास स्कूल पानीपत, बाबा खदेड़ा सिंह स्कूल मथुरा, वेलाममल विद्याश्रम स्कूल चेन्नई,कोडागांव विद्यालय कर्नाटक, अनेकांत इंग्लिश मीडियम स्कूल बरामली पुणे, इल्वा स्कूल इंदौर मध्य प्रदेश, डालमिया विद्या मंदिर झुंझनू राजस्थान की टीम शामिल हैं। इस

टूर्नामेंट में शामिल होने के लिए गल्फ देशों समेत सभी प्रदेशों की लगभग सभी टीमें भोपाल पहुंच गई हैं। स्कूल प्रबंधन द्वारा इन खिलाड़ियों का स्वागत किया गया। वहीं इन खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

प्रतियोगिता में मप्र ने जीते 19 पदक तो पंजाब ने 13

20वीं राष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप में मप्र प्रथम तो पंजाब रहा दूसरे स्थान पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

युवा कल्याण एवं खेल विभाग एवं रेलवे इंस्टीट्यूट के सहयोग से यूथ स्पोर्ट कराटे दो एसोसिएशन मध्य प्रदेश द्वारा 20वीं राष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 19 पदक के साथ मध्य प्रदेश प्रथम स्थान पर, 13 पदक के साथ पंजाब दूसरे पर तथा हिमाचल प्रदेश 7 पदक के साथ तीसरे स्थान पर है। उक्त प्रतियोगिता के मुख्य रेफरी ग्रैंड मास्टर सईद शेख तथा रेफरी ध्रुवेंद्र सिंह राणा, शिवम विश्वकर्मा, रिद्धि राणा, पुष्कर साहू, कंचन, करिश्मा, तनु शर्मा, ज्योति निरंजन, आयुष जैन, रेफरी हैं। युक्त प्रतियोगिता में क्वार्टर फाइनल, सेमी फाइनल और फाइनल होंगेउक्त प्रतियोगिता का शुभारंभ सिहान शाहबाज शेख ने शुक्रवार को कियाा। युक्त समय राज्यों के प्रशिक्षक एवं अतिथि उपस्थित रहे।

ओपन नेशनल कराते चैंपियनिशप में मध्यप्रदेश के मुकाबले आज

भोपाल। मप्र राज्य कराते अकादमी के खिलाड़ी गोवा में आयोजित हो रही ओपन नेशनल कराते चैंपियनिशप में भाग ले रहे हैं। मप्र टीम गोवा के पणजी पहुंच गई, रविवार को मुकाबले खेले जाएंगे।

यह खिलाड़ी ले रहे है भाग

अंशिता रावत, आयुष सौंधिया, दीक्षांत कटारिया, अलंकृता रजावत, डी शाह, कल्याणी, कल्याणी विश्वकर्मा, मुस्कान मांझी, मुस्कान पटेल, निधि सोलंकी, प्रेरणा साहू, अनुज गोस्वामी, आशीष तिवारी, नीरज चौहान, प्रणय पंडित, प्रणय, प्रतीक, राजवीर सिंह, शुभम सिकरवार, सोम गिरी, अमेय कटारे, रिद्धि अग्रवाल, सिद्धार्थ गुरुंग, यश सिकरवार, पीयूष त्रिपाठी व अकांक्ष सोलंकी। कोच कुलदीप सिंह व दीपक नरवरिया।

मप्र घुड़सवारी अकादमी ने तीन पदक जीते

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

- बेंगलुरु में आयोजित हो रही राष्ट्रीय प्रतियोगिता

बेंगलुरु में आयोजित हो रही राष्ट्रीय घुड़सवारी प्रतियोगिता में मप्र राज्य अकादमी के खिलाड़ियों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, एक रजत व एक कांस्य सहित कुल तीन पदक जीते। सब जूनियन ग्रुप 2 ड्रेसाज टीम इवेंट में जयवंत नवाले व अराध्य सिंह ने स्वर्ण पदक जीता। जयंत लाउक व अराध्य रॉकस्टार घोड़े पर सवार थे। वह व्यक्तिगत में जयवंत नावेले ने कांस्य पदक जीता। सब जूनियर ग्रुप 1 जंपिंग टीम में रजत पदक जीता। टीम में शशांक राठौर, कृष्ण गौर व दिव्यराज सिंह शामिल थे। मप्र टीम के कोच कैप्टन भागीरथ हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930